नई दिल्ली । गुरुवार , 16 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थी संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :100 । मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल लुकमैन ने एटलेटिको के लिए चैंपियंस ... @ विचार खाड़ी संकटः पाकिस्तान मेज़बान; भारत का दबदबा ... @ व्यापार भू-राजनीतिक तनावों के बीच मार्च में गोल्ड ...

संसद में 'महिला आरक्षण बिल' पर आज महाघमासान के आसार

हम महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है : खड़गे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में सीटें बढ़ाने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव का विपक्ष विरोध करेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को विपक्षी नेताओं के साथ मीटिंग के बाद यह बात कही। मीटिंग खड़गे के घर पर हुई, जिसमें राहुल गांधी और टीएमसी, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद गुट) और आप नेता भी शामिल हुए।

खड़गे ने कहा कि हम महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है लेकिन सरकार इसे राजनीतिक कारणों से आगे बढ़ा रही है ताकि विपक्ष को दबाया जा सके। इसलिए हमने परिसीमन बिल के विरोध का निर्णय लिया है। पूरा विपक्ष बिल के खिलाफ वोट करेगा।

सरकार 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद के विशेष सत्र में तीन बिल लाने वाली है। इनमें संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026 शामिल हैं। सरकार का प्रस्ताव लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करना है। इनमें करीब 273 सीटें महिलाओं के लिए

आरक्षित होंगी।

महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिया जाए। इसे मौजूदा लोकसभा की 543 सीटों के आधार पर 2029 के चुनाव से ही लागू किया जाए।

सारी विपक्षी पार्टियां परिसीमन के प्रावधानों के बिल्कुल खिलाफ हैं। लोकसभा और राज्यसभा की बहस में भाग लेंगे और इसका विरोध करेंगे।

बिल पर विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रियाएं

राहुल गांधी ने कहा- सरकार अब जो प्रस्ताव ला रही है, उसका महिला आरक्षण से कोई लेना-देना नहीं है। यह संशोधन, परिसीमन और चुनावी क्षेत्रों के मनमाने फेरबदल के जरिए सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश है। हम OBC, दलित और आदिवासियों के हिस्से की चोरी नहीं होने देंगे। साथ ही, हम दक्षिणी, उत्तर-पूर्वी, उत्तर-पश्चिमी और छोटे राज्यों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने देंगे।

DMK के टी आर बालू ने कहा- 2023 में पारित विधेयक को उसकी मूल भावना के अनुरूप लागू किया जाना चाहिए।

TVK अध्यक्ष विजय ने कहा, 'परिसीमन केंद्र सरकार की तरफ से उठाया गया एक पक्षपातपूर्ण कदम है। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026' पारित हो जाता है तो दक्षिणी और उत्तरी राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व में आनुपातिक अंतर काफी बढ़ जाएगा।

IUML सांसद ई टी मोहम्मद बशीर ने कहा- हम परिसीमन बिल का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि यह असल में एक जाल है। वे 2023 में भी आरक्षण दे सकते थे, और हम अब भी उसका समर्थन करते हैं। लेकिन साथ ही, यह संवैधानिक संशोधन एक खतरनाक चीज है। हम विरोध करेंगे।

RSP सांसद एन के. प्रेमचंद्रन ने कहा- परिसीमन बिल और साथ ही संविधान संशोधन बिल के जरिए, वे अनुच्छेद 81 के खंड 3 में संशोधन कर रहे हैं। सरकार पूरे देश को नियंत्रित करना चाहती है। उत्तर भारत में सीटों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होगी, लेकिन दक्षिण भारतीय राज्यों के लिए, सीटों में कमी आएगी। यह अलोकतांत्रिक है। पेज नं -2

सीबीएसई 10वीं बोर्ड में 93.70 प्रतिशत छात्रों ने मारी बाजी

90 प्रतिशत से ज्यादा लाने वाले छात्रों की संख्या 2.21 लाख

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं की परीक्षा का परिणाम बुधवार शाम 4 बजे जारी कर दिया है। ऐसे में जो छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे और रिजल्ट जारी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वे अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइटों पर जाकर अपने परिणाम चेक कर सकते हैं।

95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 55368 रही। लगभग 2.24 प्रतिशत छात्रों ने यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं 2,21,574 छात्रों ने 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल किए हैं। यह कुल सफल विद्यार्थियों का लगभग 8.96 प्रतिशत है।

सीबीएससी ने परिणाम आधिकारिक वेबसाइटों के साथ-साथ डिजिलॉकर ऐप और उमंग ऐप पर भी जारी कर दिए हैं। इसके माध्यम से भी छात्र अपना रिजल्ट चेक कर सकते हैं इस वर्ष कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.70 प्रतिशत है, जो कि पिछले वर्ष की उत्तीर्ण प्रतिशत से बेहतर है। 2025 की परीक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.66 प्रतिशत था सीबीएसई की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस साल 10वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए कुल 24,71,777 छात्रों ने सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन किया था, जिसमें से 25,08,319 छात्रों ने परीक्षा में अपनी उपस्थिति दर्ज की थी। इनमें 14,08,546 छात्र और 10,99,773 छात्राएं शामिल हैं। सीबीएसई ने कुल 83 विषयों के लिए विभिन्न 8,075 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की थी।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परिणाम चेक करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या डिजिलॉकर ऐप और उमंग ऐप पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद सीबीएसई 10वीं परिणाम 2026 रिजल्ट के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करें इसके बाद रोल नंबर, स्कूल नंबर, डेट ऑफ बर्थ, और एडमिट कार्ड आईडी दर्ज करें और सबमिट कर दें। फिर परिणाम आपकी स्क्रीन पर खुल जाएगा। रिजल्ट को चेक करने के बाद डाउनलोड कर लें। पेज नं -2

संक्षिप्त खबर

सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते सेंसेक्स-निफ्टी में 1.6 प्रतिशत की बढ़त

मुंबई । वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीदों के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी, दोनों में 1.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,263.67 (1.63 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 78,111.24 स्तर पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं निफ्टी 388.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत चढ़कर 24,231.30 पर कारोबार करता नजर आया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स 77,981.10 पर खुलकर 78,270.42 का इंट्रा-डे हाई छुआ, तो वहीं निफ्टी 24,163.80 पर खुलकर 24,280.90 का हाई टच किया। ब्रॉडर मार्केट में और ज्यादा तेजी देखने को मिली।

विस्तृत रिपोर्ट पेज नं -6

बिहार में पीएम मोदी और नीतीश के मॉडल पर ही होगा काम : सीएम सम्राट चौधरी

एजेंसी ■ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी ने लोक भवन में बुधवार को शपथ ली। इस दौरान दो उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। भाजपा के सीएम बनने पर बिहार भाजपा कार्यालय में सम्राट चौधरी का प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के नेतृत्व में स्वागत किया गया।

शपथ ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'आज मैंने बिहार की समृद्धि के लिए मुख्यमंत्री पद ग्रहण कर लिया है। आज से ही मैं बिहार के लिए काम करना शुरू कर दूंगा। यह स्पष्ट है कि बिहार में केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार का मॉडल ही चलेगा। शपथ लेने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा, 'नई सरकार के लक्ष्य पहले से ही स्पष्ट हैं। हमारे नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी कहा है और हम सभी सहमत हैं कि बिहार विकास, सुशासन और समावेशी विकास के उस पथ पर आगे बढ़ेगा जो नीतीश कुमार ने स्थापित किया है।

हम बिहार को उसी पथ पर आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो उन्होंने पहले ही निर्धारित किया है। समृद्ध बिहार के निर्माण का वादा पूरा किया जाएगा। एनडीए सरकार सत्ता में है, जैसा कि पहले भी थी, इसलिए चिंता का कोई कारण नहीं है। तेजस्वी यादव द्वारा सम्राट चौधरी के बारे में दिए गए बयान पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'उनसे पूछिए कि वे किस स्कूल से आए हैं। उनसे पूछिए कि उन्होंने किस स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

सीएम चौधरी को मिले गृह और प्रशासन समेत 29 विभाग

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अगुवाई में बिहार में मंत्रियों के बीच विभागों का भी बंटवारा कर दिया गया है। सीएम सम्राट चौधरी ने अपने पास कई अहम विभाग रखे हैं, जिससे प्रशासनिक मजबूती के संकेत मिलते हैं।

सीएम सम्राट चौधरी ने अपने पास सामान्य प्रशासन, गृह, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी और निर्वाचन समेत कुल 29 विभाग रखे हैं। इसके साथ ही डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन, संसदीय कार्य, सूचना एवं जनसंपर्क, भवन निर्माण, अल्पसंख्यक कल्याण समेत 10 विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही डिप्टी सीएम बिजेन्द्र प्रसाद यादव ऊर्जा, योजना एवं विकास, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन समेत कुल 8 विभागों की जिम्मेदारी संभालेंगे मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की तरफ से जारी की गई सूची के अनुसार, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास सामान्य प्रशासन, गृह, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन, राजस्व एवं भूमि सुधार, खान एवं भू-तत्व, नगर विकास एवं आवास, स्वास्थ्य, विधि, उद्योग, पथ निर्माण, कृषि, लघु जल संसाधन, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन, आपदा प्रबंधन, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सूचना प्रावैधिकी, खेल, सहकारिता, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, गन्ना उद्योग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और पंचायती राज विभाग हैं। पेज नं -2

प्रयागराज में ट्रेन से कटकर पांच युवकों की मौत

एजेंसी ■ प्रयागराज

यूपी के प्रयागराज में बुधवार की देर शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। करछना के पचदेवरा क्षेत्र में बिहार निवासी चार युवकों की ट्रेन से कटकर मौत हो गई।

बताया गया है कि बिहार निवासी कुछ लोग अपने-अपने परिवार के साथ मीरजापुर की ओर जा रहे थे। सभी कालका एक्सप्रेस में सवार थे। रामपुर और भीरपुर रेलवे स्टेशन के बीच दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन पर पचदेवरा गांव के पास एक व्यक्ति चलती ट्रेन से कूदा, इससे उसकी मौत हो गई।

इस पर कालका एक्सप्रेस रुक गई तो उसमें सवार तीन मजदूर नीचे पटरी पर उतर गए। इसी दौरान दूसरी दिशा से पुरुषोत्तम एक्सप्रेस आई, जिसकी चपेट में आने से तीन अन्य मजदूरों की मौत हो गई हादसे का पता चलते ही अफरातफरी मच गई। पुलिस, जीआरपी, आरपीएफ मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि कुल चार लोगों की मौत हुई है, जिसमें एक मीरजापुर व एक बिहार का रहने वाला था।

ईरान की 3 समुद्री रास्ते बंद करने की धमकी

होर्मुज में नाकेबंदी जारी रही तो रेड सी, ओमान सागर और पर्शियन गल्फ में व्यापार रोकेंगे

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान ने दुनिया के 3 अहम समुद्री रास्ते बंद करने की धमकी दी है। उसने कहा है कि अगर अमेरिका ने होर्मुज और उसके बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखी, तो वह रेड सी, ओमान सागर और पर्शियन गल्फ (फारस की खाड़ी) में समुद्री व्यापार पूरी तरह रोक देगा।

ईरानी सेना के केंद्रीय कमांड सेंटर चीफ जकली अली अब्दोल्लाही ने कहा कि अमेरिकी पाबंदियां और ईरानी जहाजों व तेल टैंकरों को सुरक्षा को खतरे में डालने की कोशिशें उकसावे की कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि ईरान अपनी संप्रभुता

और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई करेगा।

अमेरिका ने सोमवार से ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर रखी है। यह कदम पाकिस्तान में हुई करीब 21 घंटे की अमेरिका-ईरान वार्ता के नाकाम रहने के बाद उठाया गया।

इस बीच पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर एक हाईलेवल डेलिगेशन के साथ तेहरान पहुंचे हैं। यह डेलिगेशन अमेरिका का संदेश लेकर आया है और अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत को लेकर चर्चा करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वार्ता के दूसरे दौर का समय अभी तय नहीं हुआ है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान में पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर के नेतृत्व वाले डेलिगेशन का स्वागत किया।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान में पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर के नेतृत्व वाले डेलिगेशन का स्वागत किया।

चीनी टैंकर होर्मुज पर नाकाबंदी तोड़ने में नाकाम

अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा चीनी टैंकर रिच स्टैरी बुधवार को फिर से होर्मुज में अमेरिकी नाकाबंदी नहीं तोड़ पाया। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात (श्व) के हमरियाह पोर्ट से चला था। वहां से इसमें करीब 2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लोड किया था। यह टैंकर खाड़ी से निकलने की कोशिश कर रहा था। लेकिन होर्मुज के आगे अमेरिकी नाकाबंदी की वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। इससे पहले भी इस टैंकर ने मंगलवार को होर्मुज पार करने की कोशिश की थी।

छत्तीसगढ़ पावर प्लांट हादसा- : वेदांता मृतकों के परिजन को 35-35 लाख मुआवजा देगा

36 लोग झुलसे, अब तक 19 की मौत

संवाददाता ■ सक्ती

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 19 मौतें हो चुकी हैं। 4 की मौके पर ही जान गई, जबकि 13 की मौत रायगढ़ के अलग-अलग अस्पतालों में हुई। 2 की मौत रायपुर के कालड़ा अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया था। मृतकों में 4 छत्तीसगढ़ से हैं, जबकि बाकी 15 यूपी, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से हैं।

हादसे में कुल 36 लोग झुलसे हैं, 18 घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। हादसे के बाद प्लांट के बाहर मजदूरों के परिजन ने हंगामा किया। उन्होंने प्रबंधन पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की। कुछ मजदूर लापता हैं। परिजन का कहना है कि प्रबंधन कोई जानकारी नहीं दे रहा है। वहीं कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं।

वेदांता प्रबंधन ने मृतक परिजन को 35-35 लाख रुपए सहायता राशि और नौकरी देने का ऐलान किया है। घायलों को 15-15 लाख रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले PMO ने मुआवजे की घोषणा की थी। PMNRF से हर मृतकों के परिवार वालों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

नोएडा हिंसा : 700 से ज्यादा गिरफ्तार, साजिश के एंगल पर जांच तेज

नोएडा। नोएडा में हाल ही में हुए उपद्रव और हिंसक घटनाओं के बाद पुलिस प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस ने विभिन्न थानों में अब तक 12 से अधिक एफआईआर दर्ज की हैं। इन मामलों में संलिप्त 700 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि कई अन्य संदिग्धों की तलाश अभी भी जारी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटनाएं केवल अचानक भड़की हिंसा नहीं थीं, बल्कि इसके पीछे एक सुनियोजित साजिश की आशंका भी जताई जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए षडयंत्र के एंगल पर भी गहन पड़ताल शुरू कर दी है। जांच टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों से सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जब्त की गई है, जिनके आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, कई उपद्रवी घटनास्थल पर नकाब पहनकर पहुंचे थे, ताकि उनकी पहचान न हो सके। ऐसे लोगों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आई हैं, जिससे पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है। जांच में यह भी सामने आया है कि उपद्रव फैलाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया गया।

पुलिस को कई व्हाट्सएप ग्रुप, चैट्स और ऑडियो क्लिप मिले हैं, जिनमें लोगों को भड़काने और एकत्रित होने के निर्देश दिए गए थे। इन डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस साजिशकर्ताओं तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। इसके अलावा, कुछ आरोपियों के पास से पेट्रोल से भरी बोतलें भी बरामद हुई हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि हिंसा को और अधिक बढ़ाने की योजना बनाई गई थी।

पुलिस का कहना है कि मुख्य साजिशकर्ता की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

आंध्र प्रदेश में एक घर में धमाके से पांच लोगों की मौत

अमरावती । पुलिस ने बताया कि बुधवार को आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले में एक घर में हुए धमाके में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। यह घटना कडिरी मंडल के कुम्मरावंदला पल्ली गांव में हुई।

एक मजदूर के घर में रखे डेटोनेटर और गैस सिलेंडरों में धमाका हो गया, जिससे पूरा घर ढह गया। इस जोरदार धमाके में आस-पास के कुछ घरों को भी नुकसान पहुंचा।

धमाके में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य घायल हो गए। घायलों को एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनमें से 12 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दमकल कर्मी और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव तथा राहत कार्य शुरू कर दिए। बताया गया है कि घर में चार डेटोनेटर रखे हुए थे।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घर में विस्फोटक और गैस सिलेंडर अवैध रूप से रखे गए थे।

गृह मंत्री वी. अनिता ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है, जिसमें पांच लोगों की जान चली गई।

उन्होंने घटना के बारे में विस्तृत जानकारी लेने के लिए श्री सत्य साईं जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से बात की।

गृह मंत्री ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और पांच लोगों की मौत को एक दुखद घटना बताया।

उन्होंने निर्देश दिया कि दुर्घटना में घायल हुए लोगों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने राहत कार्यों में तत्काल तेजी लाने को कहा। अनिता ने पीड़ितों के परिवारों को आश्वासन दिया कि सरकार उन्हें हर संभव मदद देगी।कृषि मंत्री किंजरापु अच्चन्नायडू ने इस भयानक घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घटना में घायल हुए लोगों को उन्नत चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए।

विशेष चिकित्सा टीमों को आदेश जारी किए गए हैं कि वे उन 12 लोगों की बारीकी से निगरानी करें, जिनकी हालत इस समय गंभीर है।जिला प्रशासन ने इस घटना पर तत्काल प्रतिक्रिया दी है और राहत कार्यों में तेजी लाई है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, घटनास्थल पर डेटोनेटरों के भंडारण के संबंध में पूर्ण-स्तरीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। उन्होंने प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि सरकार पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है।

इंडिया गेट पर मानव श्रृंखला, महिला आरक्षण कानून के समर्थन में जागरूकता अभियान

300 से अधिक प्रतिभागियों ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में जताई एकजुटता

नई दिल्ली । इंडिया गेट पर 300 से अधिक लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में जागरूकता अभियान चलाया। इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है।

यह कार्यक्रम दिल्ली स्थित महिला सशक्तिकरण संगठन संपूर्ण द्वारा आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व इसकी संस्थापक अध्यक्ष डॉ शोभा विजेंदर ने किया। प्रतिभागियों ने इस कानून को पारित कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

आयोजकों के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य आगामी 16 से 18 अप्रैल के बीच प्रस्तावित संसद के विशेष सत्र के लिए शुभकामनाएं देना और अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति जनसमर्थन जुटाना था।तेज गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और कानून के समर्थन में नारे लगाए। स्वयंसेवकों ने अधिनियम की जानकारी वाले पर्चे भी वितरित किए। स्थल पर लगाए गए बैनरों ने राहगीरों का ध्यान आकर्षित किया, जिनमें से कई इस अभियान में शामिल हो गए।मीडिया से बातचीत में डॉ. विजेंद्र ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक 'परिवर्तनकारी कदम' है। उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व से नीति-निर्माण अधिक समावेशी और संवेदनशील बनेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का नेतृत्व केवल महिला-संबंधित मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।प्रतिभागियों ने भी विश्वास जताया कि यह कानून महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा। उल्लेखनीय है कि यह अधिनियम सितंबर 2023 में संसद द्वारा पारित किया गया था ।

और 8 अप्रैल 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसके क्रियान्वयन को सुगम बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दी है।

पश्चिम बंगाल: बिधाननगर में वोटरों को डराने के आरोप में पूर्व तृणमूल पार्षद गिरफ्तार

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस के पूर्व पार्षद निर्मल दत्ता को बुधवार को बिधाननगर में वोटरों को कथित तौर पर डराने और प्रभावित करने के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया।

मंगलवार को बिधाननगर से भाजपा उम्मीदवार शरदवत मुखर्जी ने इन आरोपों के साथ भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) से संपर्क किया था।

भाजपा उम्मीदवार ने बिधाननगर के पुलिस कमिश्नर से भी मुलाकात की और दत्ता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसी शिकायत के आधार पर तृणमूल कांग्रेस नेता को गिरफ्तार कर लिया गया। निर्मल दत्ता की पत्नी बिधाननगर नगर निगम के वार्ड नंबर 38 से तृणमूल कांग्रेस की पार्षद हैं।

तृणमूल कांग्रेस के पूर्व पार्षद निर्मल दत्ता को एक मीटिंग में यह कहते हुए सुना गया, 'हमें पता चल जाएगा कि दत्ताबाद इलाके के लोग कौन हैं और वे कहां वोट देते हैं; हमारे पास आधार कार्ड और वोटर कार्ड हैं।' इसी टिप्पणी के बाद भाजपा ने शिकायत दर्ज कराई।

यह ध्यान देने लायक बात है कि यह विवाद 13 अप्रैल को सॉल्ट लेक में हुई एक मीटिंग में निर्मल दत्ता की टिप्पणियों के बाद शुरू हुआ।

उस जनसभा में लोगों को धमकाने के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद, बिधाननगर से भाजपा उम्मीदवार शरदवत मुखर्जी ने बिधाननगर पुलिस कमिश्नर के पास एक लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने मतदाताओं को डराने-धमकाने और प्रभावित करने का आरोप लगाया। उन्होंने निर्मल दत्ता के खिलाफ चुनाव आयोग में भी शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर तृणमूल कांग्रेस के नेता निर्मल दत्ता को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया।

बुधवार को उन्हें बिधाननगर कोर्ट में पेश किया गया।

कोर्ट ने 10 दिन की न्यायिक हिरासत का आदेश दिया। गौरतलब है कि इससे पहले निर्मल दत्ता पर सॉल्ट लेक के दत्ताबाद इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप लगा था।

इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि अगर तृणमूल कांग्रेस के एक नेता को गिरफ्तार किया जाता है, तो सौ और नेता उनकी जगह ले लेंगे।

एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए फरवरी-मार्च में 92,000 करोड़ रुपए की गारंटी को मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने इस साल फरवरी-मार्च के दौरान एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए 92,000 करोड़ रुपए से अधिक की 5.27 लाख से ज्यादा गारंटियों को मंजूरी दी है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के अनुसार, पश्चिम एशिया संघर्ष से पैदा हुए वैश्विक चुनौतियों के बीच यह कदम सेक्टर को मजबूत समर्थन देने के लिए उठाया गया है।

मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि फरवरी-मार्च 2026 के दौरान 20 लाख से ज्यादा एमएसएमई ने उद्यम पोर्टल पर नया रजिस्ट्रेशन कराया, जिससे देश में कुल रजिस्टर्ड उद्यमों की संख्या 8 करोड़ से अधिक हो गई है। यह देश में लगातार बढ़ती उद्यमशीलता गतिविधियों को दर्शाता है।

एमएसएमई सेक्टर को दिए गए कुल कर्ज का आंकड़ा 36.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है, जिसमें तिमाही आधार पर 23.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह दिखाता है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद इस सेक्टर में क्रेडिट फ्लो बेहतर हुआ है।

वित्त तक आसान पहुंच बढ़ाने के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए माइक्रो और स्मॉल एंटरप्राइजेज के लिए बिना गारंटी लोन की सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दी है। यह बदलाव 1 अप्रैल से लागू हो चुका है, जिससे छोटे कारोबारियों और नए उद्यमियों को बड़ा फायदा मिलेगा।

लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टी-आरईडीएस) प्लेटफॉर्म पर भी तेज बढ़ोतरी देखी गई है। यहां इनवॉइस डिस्काउंटिंग 2022 के 4,300 करोड़ रुपए से बढ़कर अब 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गई है। सिर्फ फरवरी-मार्च में ही 85,000 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ, जो डिजिटल फाइनेंसिंग के बढ़ते इस्तेमाल को दिखाता है।सरकार ने कहा कि वह एमएसएमई सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए लगातार नीतिगत कदम उठा रही है, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर चुनौतियां बढ़ रही हैं।इसके अलावा, सरकार ने औद्योगिक इकाइयों के लिए कमर्शियल एलपीजी की सीमा को मार्च 2026 से पहले के स्तर के 70 प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसला किया है।

शेष पेज - 01

सीबीएसई 10वीं बोर्ड में 93.70 प्रतिशत छात्रों ने मारी बाजी...

वहीं, भविष्य के संदर्भ के लिए परिणाम का प्रिंट आउट निकालकर रख लें।

बता दें कि सीबीएसई की ओर से 10वीं बोर्ड की परीक्षा का आयोजन 17 फरवरी से 11 मार्च तक कुल 83 विषयों के लिए विभिन्न 8,075 परीक्षा केंद्रों पर किया गया था।

बिहार में पीएम मोदी और नीतीश के मॉडल पर ही होगा काम : सीएम सम्राट चौधरी ...

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में महिला आरक्षण की शुरुआत हो चुकी है, और इसका श्रेय नीतीश कुमार को भी जाता है।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, 'सम्राट चौधरी बहुत ही तेज और अनुभवी हैं। वे हमारे मंत्रिमंडल का हिस्सा भी रह चुके हैं। आज भी पटना मेट्रो हमारी ही अवधारणा है। सम्राट चौधरी शहरी विकास मंत्री थे और हमने ही उन्हें इस परियोजना को लाने के लिए दिल्ली भेजा था, जिसे सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी को एनडीए में मुख्यमंत्री का पद मिलना सौभाग्य की बात है। यह एनडीए सरकार है और यह नीतीश कुमार के कार्यों को आगे बढ़ाएगी।

भाजपा नेता रामकृपाल यादव ने कहा, 'सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनने की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उनके नेतृत्व में बिहार प्रगति और विकास करेगा। प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार का सपना साकार होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, 'मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार और आगे बढ़ेगा। हार्दिक बधाई।' आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, 'सम्राट चौधरी को एक जिम्मेदारी सौंपी गई है और हम सभी इसे निभाने में उनके साथ खड़े हैं। सरकार अच्छे और प्रभावी ढंग से काम करेगी। 'कांग्रेस नेता अजीत शर्मा ने कहा, 'बिहार के मुख्यमंत्री बनने पर सम्राट चौधरी को शुभकामनाएं देता हूं। यह एनडीए से जुड़ा मामला है और हम आशा करते हैं कि वे नीतीश कुमार की तरह ही जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप काम करेंगे और बिहार को आगे ले जाएंगे। चूंकि उनकी पार्टी केंद्र और बिहार दोनों में सत्ता में है, इसलिए स्वाभाविक रूप से जनता को राज्य में महत्वपूर्ण विकास की उम्मीद है।'

जेडीयू नेता लेशी सिंह ने कहा, 'यह भाजपा का मुख्यमंत्री नहीं बल्कि एनडीए का मुख्यमंत्री चुना गया है। पहले एनडीए की सरकार थी और अब फिर से एनडीए की सरकार बनी है। चुनाव संयुक्त घोषणापत्र पर लड़ा गया था। जो वादे किए गए थे, वे पूरे किए जाएंगे।

जेडीयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सम्राट चौधरी को बधाई देते हुए कहा, वे हमारे नेता नीतीश कुमार की उपलब्धियों और नीतीश के सुशासन मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे।'

भाजपा नेता राजीव प्रताप रूडी ने कहा, 'आज के सबसे बड़े बदलाव में, अगर कोई सबसे बड़ा बलिदान, निर्णय या दूरदृष्टि है तो वह सर्वप्रथम नीतीश कुमार की है। उन्होंने बिहार की 14 करोड़ जनता की राजनीति में और भारतीय राजनीति में अपना एक अनूठा स्थान बनाया है।

भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक दिन है। सम्राट चौधरी को नई जिम्मेदारी संभालने पर हार्दिक बधाई। हम सब उनके साथ खड़े हैं। एनडीए के सभी सदस्य उनके मार्गदर्शन में मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'

भाजपा नेता दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा, 'एनडीए विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी ने आज मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नीतीश कुमार के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से बिहार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा।'

भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा, 'यह एक पीढ़ीगत बदलाव है। नीतीश कुमार ने पिछले 21 वर्षों में पूरे देश में जो मिसाल कायम की है, उसे अब सम्राट चौधरी आगे बढ़ाएंगे।'

भाजपा सांसद राधामोहन सिंह ने कहा, '2004 तक बिहार की स्थिति जैसी थी, वैसी ही रही। इसके बाद नीतीश कुमार और सुशील मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार ने बिहार को विकास के पथ पर अग्रसर किया और उसे 'बीमारू' राज्य से एक समृद्ध राज्य की ओर अग्रसर किया। अब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव के नेतृत्व में बिहार में विकास की गति और भी तेज होगी।'

सीएम चौधरी को मिले गृह और प्रशासन समेत 29 विभाग...

इसके अलावा डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी के पास जल संसाधन, संसदीय कार्य, सूचना एवं जन-सम्पर्क, भवन निर्माण, अल्पसंख्यक कल्याण, शिक्षा, विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा, ग्रामीण विकास, परिवहन और उच्च शिक्षा हैं।

वहीं, डिप्टी सीएम बिजेन्द्र प्रसाद यादव के पास ऊर्जा, योजना एवं विकास, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन, वित्त, वाणिज्य-कर, समाज कल्याण, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण और ग्रामीण कार्य विभाग हैं।

संसद में 'महिला आरक्षण बिल' पर आज महाघमासान के आसार...

सवाल- जवाब में जानिए, इस बदलाव को

1. सीटें कितने बढ़ेंगी: लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 हो जाएंगी। राज्यों में 815 व केंद्र शासित क्षेत्रों के लिए 35 सीटें। इस बदलाव का असर राज्यसभा और देश की सभी विधानसभाओं पर भी होगा। यहां भी सीटें की संख्या बदल जाएंगी।

2. महिला आरक्षण कितने साल के लिए होगा : कुल सीटों में से 33% यानी 273 महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती हैं। महिलाओं के लिए यह आरक्षण 15 साल के लिए होगा। यानी 2029, 2034 और 2039 के लोकसभा चुनावों तक। इसके बाद इसे बढ़ाने का फैसला संसद करेगी।

आरक्षित सीटें हर चुनाव में बदलती रहेंगी, ताकि महिलाओं का हर जगह प्रतिनिधित्व मिल सके। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए भी आरक्षण शामिल होगा। ये आरक्षित सीटें अलग-अलग क्षेत्रों में रोटेशन के आधार पर तय की जाएंगी।

3. आरक्षण कैसे होगा: परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होगा।

4. संसद में महिलाओं की अभी क्या स्थिति है:

4. परिसीमन में क्या होगा: अभी तक सीटों का आधार 1971 की जनगणना थी, जो 2026 तक के लिए मान्य थी। परिसीमन कब होगा और किस जनगणना (जैसे 2011 या 2027) के आधार पर होगा, यह संविधान की जगह संसद एक साधारण कानून बनाकर तय कर सकेगी।

सरकार इसमें बदलाव कर रही है। इसके लिए जनसंख्या (आबादी) की परिभाषा को बदला जाएगा है। इससे संसद को यह तय करने का अधिकार मिलता है कि सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए किस डेटा को आधार बनाया जाए। इसके लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात कही गई है।

संविधान में संशोधन कर सरकार परिसीमन आयोग बनाएगी। अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या पूर्व जज होंगे। आयोग सभी निर्वाचन क्षेत्र (लोकसभा सीटें) दोबारा तय करेगा। आयोग का निर्णय अंतिम होगा। इसके फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दे सकते।

5. क्या सरकार लोकसभा में बिल पास करा पाएगी: संविधान संशोधन पारित कराने के लिए सरकार को बैक-चैनल बातचीत करनी होगी। भारतीय संविधान के ऑर्टिकल 368 के तहत, संविधान में संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत जरूरी होता है।

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने पर लगी मुहर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने के संबंध में समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। समिति के सदस्यों के मनोनयन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को अधिकृत किया गया।

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, भरण-पोषण एवं पारिवारिक मामलों से संबंधित विवादों में विभिन्न धर्मों के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश दिया गया है। अलग-अलग कानूनों के कारण वैधानिक प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न होती है, जिससे न्याय प्रक्रिया जटिल होती है। ऐसे में कानून को सरल, एकरूप और न्यायसंगत बनाने के लिए समान नागरिक संहिता लागू करना आवश्यक माना जा रहा है, जिससे धार्मिक और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसी दिशा में छत्तीसगढ़ में एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो राज्य के नागरिकों, संगठनों एवं विशेषज्ञों से व्यापक सुझाव लेकर समान नागरिक सांहिता का प्रारूप तैयार करेगी। यह समिति वेब पोर्टल के माध्यम से फीडबैक भी आमंत्रित कर सकती है। समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार प्रारूप को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत मंत्रिपरिषद से अनुमोदन के बाद विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे राज्य में एक समान और पारदर्शी नागरिक कानून व्यवस्था स्थापित हो सके।

मंत्रिपरिषद ने महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि महिलाओं के नाम पर होने वाले भूमि रजिस्ट्रेशन पर लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की जाएगी।

इसका उद्देश्य महिलाओं को संपत्ति अर्जन के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस निर्णय से सरकार को लगभग 153 करोड़ रुपये राजस्व की कमी होगी, लेकिन महिला सशक्तीकरण के लिए इसे महत्वपूर्ण कदम माना गया है।

मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके तहत उन्हें जीवनकाल में एक बार छत्तीसगढ़ राज्य के भीतर 25 लाख रूपए तक की संपत्ति (भूमि/भवन) क्रय करने पर देय स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान किया जाएगा। देश सेवा में समर्पित सैनिकों का जीवन प्राय: स्थानांतरण और अस्थायित्व से भरा होता है, जिसके बाद वे स्थायी निवास के लिए संपत्ति क्रय करते हैं, ऐसे में यह निर्णय उन्हें आर्थिक राहत प्रदान करेगा।

मुंगेली के खरीदी केंद्र से 2.54 करोड़ का धान गायब

रिकॉर्ड में दर्ज 8,216 क्विंटल धान मौके पर नहीं मिला

मुंगेली । छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के धान उपार्जन केंद्र में 2.54 करोड़ से ज्यादा का गायब मिला है। इस मामले में खरीदी प्रभारी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा कलेक्टर ने आरोपी को पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। मामला मुंगेली थाना क्षेत्र के हथनीकला का है।

जानकारी के अनुसार प्रशासनिक टीम ने जब धान उपार्जन केंद्र हथनीकला का निरीक्षण किया, तो रिकॉर्ड में दर्ज 8,216 क्विंटल धान मौके पर नहीं मिला। इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए टीम ने अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की गई। दरअसल, खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले की 66 समितियों के 105 उपार्जन केंद्रों में लगभग 53 लाख क्विंटल धान की खरीदी हुई। इनमें 90 केंद्रों से 52.82 लाख क्विंटल से ज्यादा धान का शत-प्रतिशत उठाव पूरा हो चुका है। बाकी केंद्रों में उठाव प्रक्रिया जारी है।

निरीक्षण के दौरान मिली गड़बड़ी

इस बीच राजस्व, खाद्य, सहकारिता विभाग, नोडल सीसीबी की संयुक्त टीम हथनीकला केंद्र पहुंची। जांच के दौरान 8 हजार 216 क्विंटल धान गायब पाया गया। इसकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ 54 लाख 70 हजार से ज्यादा आंकी गई है।

कॉलेजों में शुरू होगी 'रक्षक' पाठ्यक्रम की पढ़ाई, बाल सुरक्षा को मिलेगा मजबूत आधार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा राज्य में 'रक्षक पाठ्यक्रम' को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इस विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के माध्यम से बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और समाज में बाल संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना है।

इस पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए पूर्व में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े तथा उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा के सहयोग से एमओयू संपन्न किया गया था। यह समझौता राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में 'रक्षक' पाठ्यक्रम लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। इसी क्रम में बुधवार को रायपुर स्थित होटल बेबिलोन में 'रक्षक' पाठ्यक्रम के अंतर्गत तैयार उप-इकाइयों (सब-यूनिट्स) को अंतिम रूप देने हेतु विश्वविद्यालय स्तरीय परामर्श बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद आयोग के सचिव प्रतीक खरे और डायरेक्टर संगीता बिंद ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि 'रक्षक पाठ्यक्रम केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक सशक्त सामाजिक अभियान है। हमारा प्रयास है कि इसे प्रभावी रूप से लागू कर आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित और जागरूक बनाया जाए। बैठक में राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालयों—पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय (सरगुजा), श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (भिलाई), एमिटी यूनिवर्सिटी और अंजनेय यूनिवर्सिटी—के कुलपति, कुलसचिव, प्रतिनिधि एवं विषय विशेषज्ञ शामिल हुए।

युवाओ को रोजगार चाहने वाला बनने के बजाय रोजगार देने वाला बनाएं- केन्द्रीय मंत्री

बेमेतरा । केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने बुधवार को कहा की निगम का मुख्य उद्देश्य जनजातीय युवाओं को केवल रोजगार चाहने वाला बनाने तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें उद्यमी के रूप में विकसित कर रोजगार देने वाला बनाना है।

ओराम ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (NSTFDC) के 25वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए जनजातीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर दिया है।

मंत्री ओराम ने निगम को जनजातीय उद्यमिता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक बताया जो बिना किसी गारंटी के वित्तीय सहायता प्रदान कर दूरस्थ क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बना रहा है।

इस कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले से चयनित लाभार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। ग्राम कुआं के किशन ध्रुव को उनके किराना व्यवसाय और ग्राम गातापार के धनराज ठाकुर को उनके फोटो स्टूडियो व्यवसाय के लिए प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के प्रतिनिधि कार्यपालन अधिकारी प्रवीण कुमार लाटा भी उपस्थित रहे जिन्हें लाभार्थियों के प्रयासों में सहयोग के लिए सराहा गया।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार निगम ने अब तक लाभार्थियों को 16 लाख से अधिक ऋण वितरित किए हैं जिसकी कुल राशि 4,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। विश्व युवा केंद्र में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव रंजना चोपड़ा, संयुक्त सचिव अनंत प्रकाश पांडे और निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक टी. रौमुआन पाइते सहित मध्य क्षेत्र के प्रमुख विकास रंजन और विभिन्न राज्यों की एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

यह संस्थान पिछले ढाई दशकों से अनुसूचित जनजाति वर्ग को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ने और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए वित्तीय आधार तैयार करने का कार्य कर रहा है।

नाबालिग को डेढ़ लाख में मप्र. में बेचा: 37 साल के युवक से करवाई शादी

रायगढ़ लौटी तो फिर देह व्यापार में धकेला

रायगढ़ । छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की एक नाबालिग लड़की को डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया गया। 17 साल की लड़की अपने पिता की डांट से परेशान होकर निकली थी, तभी एक अन्य नाबालिग लड़की उसे जॉब का लालच देकर अपने साथ ले गई और अपने गिरोह के लोगों से मिलवाया।

मध्य प्रदेश का एक 37 साल का लड़का, जिसकी शादी नहीं हो रही थी, उसने डेढ़ लाख में सौदा कर नाबालिग से शादी की। बाद में लड़की किसी तरह भागकर रायगढ़ लौटी। लेकिन यहां भी नाबालिग को अलग-अलग लोगों के पास भेजकर देह व्यापार करवाया गया। मामला कोतरारोड थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने खरीदार समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, पीड़िता ने 11 अप्रैल को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था कि पिता आए दिन डांट फटकार करते थे। 26 नवंबर 2025 को वह गांव के मैदान में थी, तभी परिचित लड़की चमेली (परिवर्तित नाम) उसे रायगढ़ काम दिलाने के बहाने से रायगढ़ ले आई।महादेव मंदिर के पास उसने अपने गिरोह के अन्य सदस्यों से मिलवाया। उन्होंने काम दिलाने का भरोसा दिलाया और दूसरे दिन नाबालिग को मध्य प्रदेश के सागर ले गए, जहां सुनील दीक्षित (37) से डेढ़ लाख रुपए में सौदा तय किया गया।

वेदांता हादसे पर कांग्रेस का कड़ा रुख: 19 मौतों को बताया हत्या और की मुआवजे की मांग

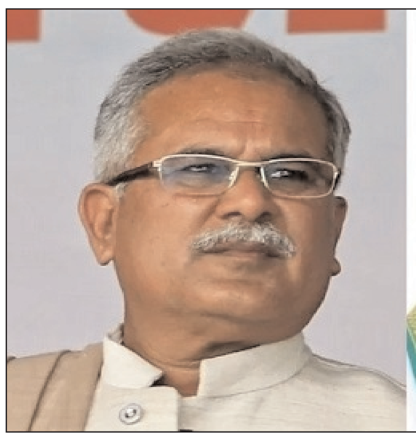

रायपुर । छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए भीषण हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। इस दुर्घटना में अब तक 19 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद राजनीतिक माहौल भी गरमा गया है और विपक्ष ने इसे गंभीर लापरवाही का परिणाम बताया है।

कांग्रेस ने इस मामले को लेकर आक्रामक रुख अपनाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने इस घटना को 'साधारण हादसा नहीं, बल्कि हत्या' करार दिया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये और घायलों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग रखी है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है की वेदांता प्लांट में हुई यह दुर्घटना पहली दुर्घटना नहीं है, इससे पहले इनके कोरबा प्लांट में भी चिमनी निर्माण के समय दुर्घटना हुई थी, जिसमें करीबन चालीस लोगों की मौत हो गई थी । प्रशासन को जांच कमेटी गठित करनी चाहिए जिससे इस हादसे के जिम्मेदार लोगों का पता लगाया जा सके और उन पर प्राथमिकी दर्ज हो तथा सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हादसे के पीछे के कारणों की गहराई से जांच होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है? साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि प्लांट में बुनियादी सुविधाएं जैसे एंबुलेंस तक उपलब्ध नहीं थीं, जो श्रमिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

कोरबा लोकसभा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने भी कंपनी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह हादसा सुरक्षा मानकों की लगातार अनदेखी का परिणाम है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले भी वेदांता के अन्य संयंत्रों में हादसे हो चुके हैं, लेकिन सुधार के पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए।

सांसद महंत ने राज्य सरकार और प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले में स्वास्थ्य और सुरक्षा विभाग की भूमिका की भी जांच की जाए। उन्होंने दोषी अधिकारियों और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है।

छत्तीसगढ़ के भिलाई में फैला पीलिया, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

भिलाई । छत्तीसगढ़ के भिलाई नगर के वार्ड-67, Sec- 7 ,सड़क 37, में पीलिया के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग के होश उड़ा दिये है।

हालात को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है और प्रभावित क्षेत्र में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक कदम उठाए रहे है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दे रहे हैं। यह निरीक्षण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे के मार्गदर्शन में टीम ने क्षेत्र का दौरा किया। विभाग की टीम ने पाया कि पीलिया के मामलों के पीछे दूषित पानी और अस्वच्छ भोजन प्रमुख कारण हो सकते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में भूख न लगना, गहरे पीले रंग की पेशाब, उल्टी, सिरदर्द, कमजोरी, थकान, आंखों और त्वचा का पीला पड़ना तथा पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द आदि लक्षण सामने आए है। वही इस कार्य में भिलाई इस्पात संयंत्र भी सहयोग कर रहा है स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि पाइपलाइन सुधार के बाद स्थिति में और सुधार आने की उम्मीद है।

महिलाओं को आरक्षण देने पर जताया पीएम मोदी का आभार, निकाली स्कूटी रैली

बिलासपुर । लाल बहादुर शास्त्री स्कूल दीक्षित सभा भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के अंतर्गत भारत के संसद एवं विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण प्रदान करने के निर्णय पर भाजपा नेत्रियो ने आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की ।

वही महिलाओ ने कहा की यह भारतीय इतिहास में नारी जागरण, सम्मान और सशक्तिकरण के स्वर्णिम काल के रूप में अंकित होने जा रहा है। सभी बहनों ने मिलकर केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारत की संसद के प्रति अपना हृदय से आभार व्यक्त किया और उपस्थित सभी मातृशक्ति ने विधेयक पर अपनी सहमती के रूप में एक मिस काल करके अपनी अहम भूमिका निभाई। सभी ने हस्ताक्षर अभियान भी चलाया

स्कूटी रैली का आयोजन

लाल बहादुर शास्त्री स्कूल दीक्षित सभा भवन से स्कूटी रैली प्रारंभ होकर सदर बाजार होते हुए अटल की मूर्ति न्यु रिवर व्यू रोड में समापन हुआ।

रैली में बिलासपुर महापौर पूजा विधानी , भाजपा प्रदेश मंत्री हर्षिता पांडेय , प्रदेश मंत्री भाजपा महिला मोर्चा शीलू साहू , बिलासपुर शहर एवं ग्रामीण जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा स्नेहलता शर्मा व गायत्री साहू उपस्थित रहे। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

छत्तीसगढ़ में आज से स्व-गणना आधारित डिजिटल जनगणना प्रारंभ

रायपुर । छत्तीसगढ़ में गुरुवार से भारत की जनगणना 2027 के पहले चरण की विधिवत शुरुआत हो रही है जो राज्य के इतिहास में पहली बार पूरी तरह से कागजरहित और डिजिटल माध्यम से संपन्न होगी।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य आगामी दशक के लिए सटीक सामाजिक और आर्थिक योजनाओं हेतु एक विश्वसनीय डेटाबेस तैयार करना है। भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त के दिशा-निर्देशों के तहत संचालित इस अभियान में नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा दी गई है जिसके लिए आधिकारिक पोर्टल सक्रिय कर दिया गया है। इसके साथ ही तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1855 को भी क्रियाशील किया गया है ताकि नागरिकों को प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

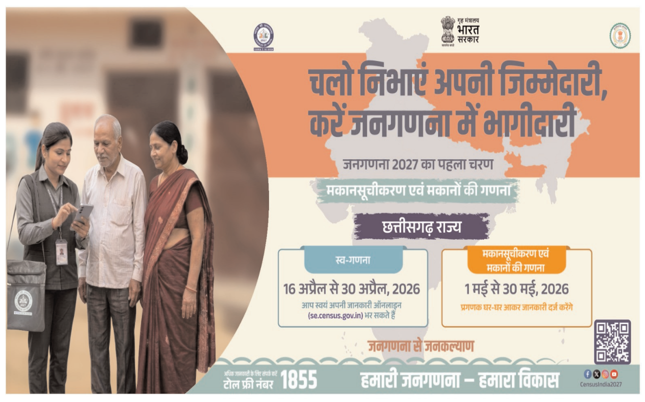

इस डिजिटल प्रक्रिया के अंतर्गत नागरिक घर बैठे अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से वन टाइम पासवर्ड आधारित प्रमाणीकरण कर परिवार और आवास संबंधी विस्तृत जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसमें मकान की स्थिति, पेयजल उपलब्धता, शौचालय, ऊर्जा स्त्रोत और परिवार के प्रत्येक सदस्य के व्यक्तिगत विवरण जैसे शिक्षा, व्यवसाय और मातृभाषा की जानकारी देना अनिवार्य होगा।

डेटा सबमिट करने के बाद सिस्टम द्वारा एक डिजिटल संदर्भ संख्या यानी सेंसस रेफरेंस नंबर जारी किया जाएगा जिसे प्रगणक के घर आने पर सत्यापन के लिए दिखाना होगा। यह नई व्यवस्था न केवल समय की बचत करेगी बल्कि मानवीय त्रुटियों की संभावना को भी न्यूनतम कर देगी।

प्रशासनिक स्तर पर इस व्यापक अभियान को सफल बनाने के लिए राज्य के सभी 33 जिलों और लगभग 20 हजार गांवों में भारी संख्या में कर्मचारियों की तैनाती की गई है। कुल 62 हजार 500 कर्मियों में 51 हजार 300 प्रगणक और 9 हजार पर्यवेक्षक शामिल हैं जो घर-घर जाकर डेटा के समन्वय और सत्यापन का कार्य करेंगे। पहले चरण में मुख्य रूप से मकान सूचीकरण और आवास गणना पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिससे राज्य के जीवन स्तर और विकास के संकेतकों का सही आकलन संभव हो सकेगा। दूरस्थ क्षेत्रों में डिजिटल पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने विशेष प्रबंध किए हैं ताकि कोई भी नागरिक इस प्रक्रिया से वंचित न रहे।

मध्य प्रदेश के किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना प्राथमिकताः सीएम मोहन यादव

भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य के किसानों को निर्बाध रूप से और सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सीएम ने बुधवार को मंत्रालय में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की प्रचलित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा है कि किसानों को निर्बाध रूप से सस्ती बिजली सुलभ कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि इस काम के लिए सरकार किसानों को हर जरूरी मदद देने को तैयार है। किसानों को सस्ती बिजली मिलेगी, तो वे अपना उत्पादन भी बढ़ा सकेंगे और प्रदेश की प्रगति में भी योगदान दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप ऊर्जा प्राप्ति के लिए उन्हें स्वयं ऊर्जा उत्पादक बनाया जाए। इसके लिए किसानों को हरित ऊर्जा उत्पादन से जोड़ा जाए। ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाकर ही हम किसानों का जीवन स्तर बेहतर बना सकते हैं।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि राज्य के हित में किसानों और नागरिकों सभी को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के लिए समर्पित और फोकस्ड होकर आगे बढ़ें। किसानों को सोलर पम्प से जोड़ने के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की प्रगति में भी तेजी लाएं। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक दो लाख से अधिक किसानों को सोलर पम्प से जोड़ने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें।

उन्होंने कहा कि विभाग अपनी योजनाओं के वार्षिक लक्ष्यों की समीक्षा करे और नई जरूरतों के मुताबिक इन लक्ष्यों में वृद्धि करे, ताकि कम समय में अधिकतम लोगों को लाभ मिले। इसके लिए विभाग अपनी योजनाओं को टाइम फ्रेम में लेकर आए और तय समय सीमा में ही लक्ष्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। इससे तेज और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

सीएम ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकाय कचरा बेचकर और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना (रूफ टॉप स्कीम) में तेजी से प्रगति लाकर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को इस विषय में प्रशिक्षण देने के लिए भोपाल में एक दिन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम किया जाए। यह कार्यक्रम जल्दी ही किया जाए, ताकि निकायों को काम करने के लिए अधिकतम समय मिल सके।

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के एक दिन बाद 19 वर्षीय खिलाड़ी की जीत, वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली। 19 वर्षीय ब्रिटिश खिलाड़ी स्टैन मूडी टॉन्सिलाइटिस के इलाज के लिए भर्ती थे। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के एक दिन बाद उन्होंने चीन के जियांग जून को हराकर पहली बार वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। मूडी साल 2007 में जड ट्रंप के बाद क्रूसिबल में खेलने वाले पहले ब्रिटिश टीनएजर होंगे।

स्टैन मूडी ने आखिरी फ्रेम में शानदार सेंचुरी बनाकर जियांग जून को 10-9 से हराया। 6-5 से पिछड़ रहे नंबर-44 मूडी ने 71, 70, 113 और 127 के स्कोर बनाकर 9-8 की बढ़त हासिल की। इसके बाद 18वें फ्रेम में उन्होंने मैच जीतने का मौका गंवा दिया, लेकिन निर्णायक फ्रेम में शानदार 104 का स्कोर बनाकर अपनी गलती सुधार ली।

मूडी की यह जीत इसलिए भी ज्यादा अहम है, क्योंकि पिछली रात ही वह टॉन्सिलाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती थे। इसके बावजूद उन्होंने खुद को डिस्चार्ज करवाया और शारीरिक तकलीफ के बावजूद खेलते हुए इस सबसे बड़े मंच पर अपनी जगह सुनिश्चित की।

वर्ल्ड स्नूकर ने मूडी के हवाले से बताया, 'डॉक्टर्स ने मुझसे कहा, 'हम जानते हैं कि आप मना करोगे, लेकिन हम चाहते हैं कि आप अस्पताल में ही रुको।' मैंने मना कर दिया और कहा कि मुझे एक मैच खेलना है। मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा ही किया। उन्होंने मुझे कुछ एंटीबायोटिक्स और दूसरी दवाएं दीं। मैं अब वहां वापस नहीं जाऊंगा, मुझे वह जगह बिल्कुल पसंद नहीं है। मैच के आखिर में, मैंने अपनी जिंदगी में कभी इतना दबाव महसूस नहीं किया था। मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। जब से मैंने खेलना शुरू किया है, यह मेरा सपना रहा है। एंटोनी कोवाल्स्की, लियाम पुलेन और मूडी के अलावा, इन दोनों खिलाड़ियों ने भी वर्ल्ड चैंपियनशिप के अंतिम क्वालीफाइंग राउंड में शानदार जीत दर्ज कर पहली बार क्रूसिबल में जगह बनाई। ये तीनों खिलाड़ी शेफील्ड में होने वाले 'थिएटर ऑफ ड्रीम्स' (क्रूसिबल) में होने वाले मुकाबलों के लिए रवाना हो गए हैं।

कर्नाटक कांग्रेस में संकट गहराया, एंटी-पार्टी गतिविधियों के आरोप में एमएलसी अब्दुल जब्बार निलंबित

बेंगलुरु । कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने बुधवार को बड़ा कदम उठाते हुए एमएलसी अब्दुल जब्बार को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया।

निलंबन आदेश पर उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने हस्ताक्षर किए। आदेश में कहा गया है कि दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के हालिया उपचुनाव के दौरान एंटी-पार्टी गतिविधियों में शामिल होने के चलते यह कार्रवाई तत्काल प्रभाव से की गई है।

अब्दुल जब्बार राज्य कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भी थे। उनसे पहले ही इस्तीफा मांगा गया था, जिसे स्वीकार करने के बाद डी.के. शिवकुमार ने पूरे अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ को भंग कर दिया।

गौरतलब है कि कांग्रेस एमएलसी नसीर अहमद को भी इसी तरह के कारणों से 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के राजनीतिक सलाहकार पद से हटा दिया गया था।

इस घटनाक्रम से पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर खींचतान तेज होने की संभावना है, खासकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खेमों के बीच।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नसीर अहमद और अब्दुल जब्बार को सिद्धारमैया खेमे का करीबी माना जाता है और वे आवास एवं वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान के भी नजदीकी हैं।

एआई जागरूकता पर गिनीज बुक में दर्ज हुआ गोरखपुर का नाम

गोरखपुर । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जागरूकता पर गोरखपुर का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में तैयार किए गए 'एआई फॉर ऑल' अवेयरनेस प्रोग्राम ने एक सप्ताह की समय सीमा में 764187 ऑनलाइन पंजीकरण का विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है।

एमपीआईटी (महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) ने टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) और अन्य संस्थानों के सहयोग से इस प्रोग्राम को शुरू किया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि ऋषि नाथ ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को इस प्रोग्राम के तहत पंजीकरण का विश्व कीर्तिमान रचे जाने का प्रमाण पत्र सौंपा।यह प्रमाण पत्र एमपीआईटी में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लोकार्पण समारोह के मंच पर सौंपा गया। एमपीआईटी ने 'एआई फॉर ऑल' अवेयरनेस प्रोग्राम के लिए 5 लाख

पंजीकरण का लक्ष्य रखा था। इसके लिए निर्धारित तिथि, 9 अप्रैल तक 764187 पंजीकरण हुए। इसके अंतर्गत दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय, एमपी पॉलिटेक्निक, आईटीएम गीडा, बीआईटी गीडा आदि को भी साझा पहल में शामिल किया गया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को कड़े मानकों पर परखने के बाद प्रमाण पत्र सौंपा गया है।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के नौसैनिक प्रमुखों की सोल में अहम बैठक, समुद्री सुरक्षा सहयोग पर जोर

सोल । दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के शीर्ष नौसैनिक कमांडर्स ने बुधवार को सोल में एक बैठक की। इस बैठक का मकसद तीनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करना था।

इस बैठक में दक्षिण कोरिया के चीफ ऑफ नेवल ऑपरेशन्स एडमिरल किम क्यूंग-रयूल, अमेरिकी पैसिफिक फ्लीट के कमांडर एडमिरल स्टीफन कोहलर और जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ एडमिरल अकीरा सैतो शामिल हुए। इन सबने अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकों के साथ-साथ एक साथ डिनर मीटिंग भी की।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बातचीत मिडिल ईस्ट में तनाव के दौरान हो रही है। ऐसे में अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या इन चर्चाओं में ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकाबंदी का मुद्दा भी सुलझ सकता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल?ड ट्रंप ने पहले दक्षिण कोरिया, जापान और दूसरे देशों से कहा था कि वे स?ट्रेट ऑफ होर्मुज में अपने युद्धपोत भेजें, ताकि वहां से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा की जा सके।

दिन में पहले हुई बैठक में किम और कोहलर ने दक्षिण कोरिया-अमेरिका की मजबूत संयुक्त रक्षा व्यवस्था पर चर्चा की। साथ ही नौसेना के रखरखाव, मरम्मत और ऑपरेशन्स में सहयोग बढ़ाने पर भी बात हुई।

वहीं, किम और सैतो के बीच हुई बातचीत में सैनिकों के आपसी आदान-प्रदान को बढ़ाने और संयुक्त समुद्री सर्च और रेस्क्यू अभ्यास फिर से शुरू करने पर गहराई से चर्चा हुई।

जनवरी में दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आन ग्यू-बैक और जापान के उनके समकक्ष शिंजिरो कोइजुमी की मुलाकात हुई थी, जिसमें दोनों देशों ने करीब 9 साल बाद फिर से संयुक्त समुद्री सर्च और रेस्क्यू अभ्यास शुरू करने पर सहमति जताई थी।

17-19 अप्रैल के बीच पुणे में शूटिंग लीग, जानिए किस टीम में कौन-कौन शूटर?

पुणे । पुणे 17-19 अप्रैल के बीच छत्रगुज नर्स स्कूल, अमनोरा पार्क में महाराष्ट्र की पहली शूटिंग लीग (एसएलएम) की मेजबानी करेगा। यह राज्य स्तर पर शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) इकोसिस्टम को व्यवस्थित रूप से लागू करने की दिशा में एक अहम कदम है।

हाल ही में शूटिंग लीग ऑफ कर्नाटक की सफल शुरुआत के बाद, महाराष्ट्र संस्करण इस खेल के लिए प्रतिस्पर्धी लीग ढांचे को पूरे भारत में विस्तार देने की रणनीति का अगला चरण है।

महाराष्ट्र में पहली बार एसएलएम टीम-आधारित फॉर्मेट पेश करेगा, जिसमें 18 जिला टीमें 10 मीटर राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। कुल 144 खिलाड़ी अपने-अपने जिलों का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिससे क्षेत्रीय गौरव को बढ़ावा मिलेगा और यह लीग एसएलआई की प्रतियोगिता सोच के अनुरूप एक संगठित मंच प्रदान करेगी।

यह लीग एसएलआई की रूपरेखा के अनुरूप एक छोटा और ज्यादा गतिशील मैच फॉर्मेट लागू करेगी, जिसका उद्देश्य दर्शकों की भागीदारी बढ़ाना और उच्च-प्रदर्शन मानकों से समझौता किए बिना इस खेल को सरल बनाना है।

इस पहले संस्करण में भारत की कुछ शीर्ष शूटिंग प्रतिभाएं शामिल होंगी। राही सरनोबत, अंजली भागवत, सुमा शिरूर, दीपाली देशपांडे, तेजस्विनी सावंत, रुद्रांक्ष पाटिल जैसे ओलंपियन और जाने-माने कोच और कोच रौनक पंडित मार्गदर्शक के रूप में अपना योगदान देंगे। वे लीग के भीतर एथलीट्स के विकास में मदद करने के लिए अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे।

इस खेल की योग्यता-आधारित प्रकृति को दर्शाते हुए, एसएलएम एक समावेशी प्रारूप अपनाएगा जिसमें लिंग संबंधी कोई प्रतिबंध नहीं होगा। यह मिश्रित टीमों की अनुमति देगा और प्रतिस्पर्धा में समान अवसरों को बढ़ावा देगा।

पूरे महाराष्ट्र के जिलों से मिले सुझावों के आधार पर, इस लीग का उद्देश्य इस खेल की प्रतिस्पर्धी नींव को मजबूत करना और एक ऐसा ज्यादा प्रमुख और आकर्षक मंच स्थापित करना है जो एथलीट्स को फैंस से जोड़े, और इस प्रकार शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के व्यापक दृष्टिकोण को समर्थन दे।

पिछले राज्य-स्तरीय प्रयासों से मिली गति को आगे बढ़ाते हुए, एमआरए महाराष्ट्र शूटिंग लीग के साथ एक अहम कदम उठा रहा है। इसका उद्देश्य एक एकीकृत प्रणाली स्थापित करके एसएलआई के दृष्टिकोण को लागू करना है, जो जमीनी स्तर की भागीदारी, प्रशंसकों की भागीदारी और शीर्ष-स्तरीय प्रतिस्पर्धा को एक ही सुसंगत इकोसिस्टम में आपस में जोड़ती है।

महाराष्ट्र शूटिंग लीग 2026 में टीमें और निशानेबाज:

सोबो जायंट्स (मुंबई शहर)

राइफल: भक्ति खामकर, अदिति सिंह, श्रिया गोले, सारा वाडके।

पिस्टल: जज मंडल, हेत पटेल, प्रजना केसरकर, गजला नौशाद।

वेस्टर्न रेंजर्स (मुंबई उपनगरीय)

राइफल: निमेश जाधव, अंशिका सिंह, कौस्तुभ पाटिल, दर्शन लोहिमा।

पिस्टल: यश जावलकर, गीता म्हस्के, अनघ घोष, नियारा केदार।

अमेरिकी हमले में डूबे ईरानी जहाज के जीवित बचे लोग श्रीलंका से ईरान लौटे

कोलंबो । 'आईआरआईएस देना' नामक ईरान का एक नौसैनिक जहाज, जो मार्च की शुरुआत में अमेरिकी हमले में डूब गया था, उसके बचे हुए लोग अब श्रीलंका से ईरान वापस चले गए हैं। श्रीलंका के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका के उप रक्षा मंत्री अरुणा जयसेकरा ने बताया कि? 32 बचे हुए लोगों को 'आईआरआईएस बुशहर' नाम के दूसरे ईरानी जहाज पर सवार 200 से ज्यादा लोगों के साथ वापस भेजा गया। सभी को मंगलवार को विशेष उड़ान से श्रीलंका से रवाना किया गया।

'आईआरआईएस देना' पर अमेरिका की एक पनडुब्बी ने हमला किया था, जो श्रीलंका के पास के

समुद्री इलाके में हुआ। इस हादसे के बाद श्रीलंकाई नौसेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, जिसमें 87 शव बरामद किए गए और 32 लोगों को जिंदा बचाया गया।

'आईआरआईएस बुशहर' ने मार्च की शुरुआत में श्रीलंका के पानी में आने की इजाजत मांगी थी। 6 मार्च को इस जहाज पर मौजूद लोगों को श्रीलंकाई नौसेना ने कोलंबो पोर्ट पर उतारा, और तब से वे श्रीलंका की निगरानी में थे।

इसी बीच, एक और ईरानी जहाज 'आईआरआईएस लवन' को तकनीकी खराबी की वजह से भारत के केरल राज्य के कोच्चि में रुकने की इजाजत दी गई। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया जब एक अन्य ईरानी युद्धपोत के अमेरिकी टॉरपीडो से डूबने की घटना से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मची हुई थी।

'आईआरआईएस लवन' चार मार्च को कोच्चि पहुंचा था, जब भारत सरकार ने ईरान की इमरजेंसी रिक्वेस्ट को मंजूरी दी। जहाज में 28 फरवरी को तकनीकी खराबी आई थी, जिसके बाद ईरान ने भारत से मदद मांगी थी।

यह जहाज इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेने के लिए इस इलाके में आया था। एक मार्च को भारत सरकार ने इसे कोच्चि पोर्ट में आने की अनुमति दे दी।

नौ मार्च को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राज्यसभा में बताया कि भारत की ओर से 'आईआरआईएस लवन' को कोच्चि में रुकने देने के फैसले के लिए ईरान ने धन्यवाद जताया है।

उन्होंने कहा, 'ईरान ने 20 फरवरी 2026 को तीन जहाजों को हमारे पोर्ट पर आने की अनुमति मांगी थी। एक मार्च को हमने इसकी मंजूरी दे दी। 'आईआरआईएस लवन' चार मार्च को कोच्चि पहुंचा। उसका क्रू अभी भारतीय नौसेना की सुविधाओं में है। हमें लगता है कि हमने सही और इंसानियत भरा कदम उठाया है। ईरान के विदेश मंत्री ने इसके लिए धन्यवाद कहा है।

ट्रॉपिकल साइक्लोन 'माइला' का कहर, पापुआ न्यू गिनी में 23 की मौत

मेलबर्न । ट्रॉपिकल साइक्लोन 'माइला' ने पूर्वी पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) में भयंकर तबाही मचाई, जिसमें 12 और लोगों की मौत हो गई। अधिकारियो ने बुधवार को बताया कि? इस चक्रवात से अब तक कुल 23 लोगों की मौत हो चुकी है।

पीएनजी के ईस्ट न्यू ब्रिटेन प्रांत के गजेल डिस्ट्रिक्ट के सांसद जेल्टा वोंग ने 'द नेशनल' अखबार को बताया कि रविवार को दूरदराज के लामारैन गांव में भूस्खलन (लैंडस्लाइड) में दबकर दस लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि सभी दस शव निकाल लिए गए हैं।

यह भूस्खलन लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से हुआ, जो इस तेज चक्रवात के कारण हुई। इस चक्रवात ने वीकेंड पर पूर्वी पीएनजी में काफी तबाही मचाई।

मिल्ने बे प्रांत के आपदा समन्वयक रैंडल गनिसी ने बताया कि उनके इलाके में भी दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि टीमें द्वीपों पर भेजी गई हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितने लोग बेघर हुए हैं और कितना नुकसान हुआ है।

इससे पहले सोमवार को स्वायत्त बोगेनविल क्षेत्र में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से आठ लोग भूस्खलन में मारे गए थे।

पीएनजी के सरकारी नेशनल ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ने मंगलवार को बताया कि बोगेनविल क्षेत्र में भारी तबाही, लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन और बढ़ते मानवीय संकट को देखते हुए पूरे इलाके में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

वहीं, सोलोमन द्वीप में तीन लोगों के लापता होने की खबर है। ऑस्ट्रेलिया के मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को सोलोमन सागर में यह चक्रवात कैटेगरी पांच का तूफान बन गया था।

सोलोमन आइलैंड्स ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ने बताया कि चोइसुल प्रांत में खराब मौसम के कारण तीन लोग लापता हो गए हैं। यह इलाका उत्तर में वेस्टर्न प्रांत के पास है।

संपादकीय

बिहार को मिला नया 'सम्राट'

महेन्द्र तिवारी

बिहार की राजनीति में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पहली बार भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री बनना केवल एक व्यक्ति का सत्ता में आना नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक यात्रा का परिणाम है जो पिछले कई वर्षों से धीरे-धीरे आकार ले रही थी। 243 सदस्यीय विधानसभा में 2025 के चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 202 सीटें मिलीं, जिनमें अकेले भारतीय जनता पार्टी के पास 89 सीटें थीं, जो उसे सबसे बड़ा दल बनाती हैं । यही संख्या अंततः उस दावे की बुनियाद बनी जिसके सहारे भाजपा ने नेतृत्व परिवर्तन का निर्णय लिया। सम्राट चौधरी का उदय अचानक नहीं हुआ। वे 2024 से उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे और वित्त, गृह जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके थे । इससे पहले वे विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके थे, जो उनके राजनीतिक अनुभव को दर्शाता है। उनका जन्म 1968 में मुंगेर जिले के एक राजनीतिक परिवार में हुआ और उनके पिता शकुनी चौधरी कई बार सांसद और विधायक रहे । यह पृष्ठभूमि उन्हें सामाजिक आधार और राजनीतिक नेटवर्क दोनों देती है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि वे लंबे समय तक भाजपा के मूल कार्यकर्ता नहीं रहे, बल्कि बाद में पार्टी में आए और तेजी से ऊपर उठे, जो यह दर्शाता है कि भाजपा ने उन्हें एक रणनीतिक चेहरा के रूप में विकसित किया। नीतीश कुमार का राजनीतिक दौर बिहार में लगभग दो दशकों तक प्रभावी रहा। उन्होंने 2005 से लेकर 2026 तक अलग अलग अवधियों में राज्य का नेतृत्व किया और इस दौरान शासन की एक विशिष्ट शैली विकसित की। उनकी सरकार 20 नवंबर 2025 को बनी और 14 अप्रैल 2026 तक चली । इस लंबे कार्यकाल में उन्होंने प्रशासनिक स्थिरता, कानून व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया। अब जब वे पद से हटकर राष्ट्रीय स्तर की भूमिका की ओर बढ़ रहे हैं, तो यह सवाल उठता है कि क्या उनकी बनाई हुई संरचना को नई सरकार उसी तरह आगे बढ़ा पाएगी। सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे निरंतरता और बदलाव के बीच संतुलन कैसे स्थापित करते हैं। उन्होंने स्वयं यह कहा है कि वे राज्य को विकास के नए आयाम पर ले जाने का प्रयास करेंगे । इसका अर्थ यह है कि वे पूरी तरह नई दिशा देने के बजाय पहले से चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाने की रणनीति अपनाएंगे। बिहार जैसे राज्य में जहां प्रशासनिक ढांचा धीरे धीरे स्थिर हुआ है, वहां अचानक बड़े बदलाव जोखिम भरे हो सकते हैं। इसलिए संभावना यही है कि नीति के स्तर पर निरंतरता बनी रहेगी, जबकि कार्यशैली में परिवर्तन दिखाई देगा। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू जातीय और सामाजिक समीकरण भी है। बिहार की राजनीति में पिछड़े वर्गों की भूमिका हमेशा निर्णायक रही है। सम्राट चौधरी कुशवाहा समुदाय से आते हैं, जो राज्य की बड़ी आबादी में शामिल है और जिसे राजनीतिक रूप से संगठित करने की कोशिश लंबे समय से होती रही है। भाजपा ने उन्हें आगे करके एक संदेश देने की कोशिश की है कि वह केवल पारंपरिक वोट बैंक तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि सामाजिक आधार का विस्तार करना चाहती है। यह कदम उस रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत पार्टी क्षेत्रीय नेतृत्व को मजबूत कर राष्ट्रीय राजनीति में भी संतुलन बनाना चाहती है। नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी के बीच संबंध भी इस परिवर्तन को समझने में महत्वपूर्ण हैं। दोनों ने लंबे समय तक एक साथ काम किया और सम्राट चौधरी को दो बार उपमुख्यमंत्री बनाया गया। इससे यह संकेत मिलता है कि नेतृत्व परिवर्तन पूरी तरह टकराव का परिणाम नहीं है, बल्कि एक नियोजित प्रक्रिया का हिस्सा है। यह भी माना जा सकता है कि नीतीश कुमार ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में उन्हें अप्रत्यक्ष समर्थन दिया, जिससे सत्ता का संक्रमण सहज हो सके। यही कारण है कि इस बदलाव को केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के नजरिये से नहीं देखा जा सकता, बल्कि इसे साझेदारी के नए चरण के रूप में समझना चाहिए। इस परिवर्तन के साथ बिहार की राजनीति में तुलना का आधार भी बदल जाएगा। अब तक राज्य में विकास और शासन की चर्चा लालू प्रसाद और नीतीश कुमार के संदर्भ में होती थी। लेकिन अब यह तुलना सम्राट चौधरी और नीतीश कुमार के बीच होगी। यह बदलाव केवल व्यक्तियों का नहीं बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी है। अब यह देखा जाएगा कि क्या नई सरकार उसी गति से विकास कर पाती है या उससे आगे निकलती है। यदि ऐसा नहीं होता है तो विपक्ष को सरकार पर सवाल उठाने का मजबूत आधार मिल जाएगा। विपक्ष की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण होगी। राष्ट्रीय जनता दल और उसके नेता तेजस्वी यादव पहले ही इस बदलाव को जनादेश के खिलाफ बता रहे हैं। इससे यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में राजनीतिक संघर्ष और तीखा होगा। विपक्ष यह दिखाने की कोशिश करेगा कि यह बदलाव जनता की इच्छा के बजाय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है, जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन इसे विकास और स्थिरता के लिए जरूरी कदम के रूप में प्रस्तुत करेगा। केंद्र और राज्य के संबंधों के संदर्भ में भी यह बदलाव महत्वपूर्ण है। सम्राट चौधरी का नेतृत्व भाजपा के साथ सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है, जिससे केंद्र और राज्य के बीच समन्वय बढ़ने की संभावना है। दूसरी ओर नीतीश कुमार का राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश इस समन्वय को और मजबूत कर सकता है। यह स्थिति उस दौर की याद दिलाती है ।

खाड़ी संकटः पाकिस्तान मेज़बान; भारत का दबदबा

ब्रिगेडियर अरुण सहगल, पीएचडी, (सेवानिवृत्त) और लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज के चानन, (सेवानिवृत्त)

मध्य पूर्व का संकट एक अधिक तीव्र और जटिल चरण में प्रवेश कर गया है। 28 फरवरी को समन्वित अमेरिकी और इजरायली हवाई हमलों के रूप में जो शुरू हुआ था, वह एक व्यापक भू-राजनीतिक प्रतियोगिता में विकसित हो गया है, जिसने होर्मुज जलडमरूमध्य से ऊर्जा प्रवाह को बाधित कर दिया है, ऊर्जा बाजारों को हिला दिया है और तत्काल कूटनीति को प्रेरित किया है।

एक उल्लेखनीय घटनाक्रम में, अमेरिकी उपराष्ट्रपति के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और ईरानी संसद के अध्यक्ष के नेतृत्व में ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इस्लामाबाद में मुलाकात की। 21 घंटे की प्रतिनिधिमंडल स्तर की चर्चा के बावजूद ये बेनतीजा रहीं और कोई सहमति नहीं बन पाई।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान ने खुद को एक मध्यस्थ के रूप में स्थापित किया है, जो वाशिंगटन और तेहरान दोनों के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों का लाभ उठा रहा है। यह सऊदी अरब के साथ उसके आपसी रक्षा समझौते के बावजूद है। भारतीय दृष्टिकोण के संदर्भ में देखा जाए तो, इसमें कोई संदेह नहीं है कि पाकिस्तान ने दोनों विरोधियों को इस्लामाबाद लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

समान वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान कमरे में मात्र एक सूत्रधार के रूप में है। यह एक बहुस्तरीय वास्तविकता बनाता है। पाकिस्तान बातचीत की मेजबानी कर सकता है, लेकिन किसी भी तरह से वहां के माहौल को आकार नहीं दे रहा है। जहाँ तक भारत का सवाल है, वह बातचीत की मेज़ पर नहीं है। हालाँकि इसकी राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य ताकत और इसकी समुद्री उपस्थिति, और रणनीतिक साझेदारी को देखते हुए यह एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है जिसकी सुरक्षा एंकर के रूप में भूमिका विश्वास पैदा करती है और क्षेत्रीय स्थिरता के एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

भारत का प्रभाव उन ठोस आर्थिक वास्तविकताओं में निहित है जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता है और जो क्षेत्रीय स्थिरता के लिए केंद्रीय बनी हुई हैं, जो सीधे इसकी ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार निर्भरता को प्रभावित करती हैं। व्यापार के आंकड़े इस गहराई को और मजबूत करते हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में, भारत के कुल व्यापार में खाड़ी का हिस्सा 15.8 प्रतिशत था, जो यूरोपीय संघ को भी पार कर गया।

अप्रैल और नवंबर 2025 के बीच, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (MENA) क्षेत्र में निर्यात मजबूत रहा। अकेले यूएई का हिस्सा 25.47 बिलियन डॉलर था, जबकि ओमान ने 2.90 बिलियन डॉलर दर्ज किया, जो 10 प्रतिशत की वृद्धि है। मिस्र 21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.68 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

निवेश प्रतिबद्धताएं दीर्घकालिक विश्वास को रेखांकित करती हैं। सऊदी अरब का 100 बिलियन डॉलर का संकल्प और यूएई की 75 बिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता अल्पकालिक दांव नहीं हैं। वे क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच भी, एक स्थिर, दीर्घकालिक भागीदार के रूप में भारत में विश्वास को दर्शाते हैं।

भारत का प्रवासी समुदाय आर्थिक संबंधों को जीवंत संपर्कों में बदल देता है। विदेशों में रहने वाले 35.4 मिलियन भारतीयों में से, वित्त वर्ष 2023-24 में 118.7 बिलियन डॉलर के रेमिटेंस (प्रेषण) प्रवाह का लगभग 40 प्रतिशत इसी समुदाय से आता है, जो भारत की स्थायी क्षेत्रीय उपस्थिति में गर्व और विश्वास को बढ़ावा देता है। अकेले

यूएई 19.2 प्रतिशत का योगदान देता है, इसके बाद सऊदी अरब 6.7 प्रतिशत और कतर 4.1 प्रतिशत के साथ है। ये आंकड़े इस बात को रेखांकित करते हैं कि भारतीय श्रमिक खाड़ी की अर्थव्यवस्थाओं में कितनी गहराई से रचे-बसे हैं।

संकट के समय में, यह प्रवासी समुदाय एक स्थिर शक्ति बन जाता है। जैसे-जैसे खाड़ी देश पुनर्निर्माण की योजना बनाना शुरू करते हैं और ईरानी हमलों के बाद श्रम पुनर्गठन पर विचार करते हैं, भारत का कार्यबल अपनी क्षमता और विश्वसनीयता के लिए सबसे अलग दिखाई देता है। यह भारत को पुनर्निर्माण प्रयासों में एक स्वाभाविक भागीदार के रूप में स्थापित करता है, जहां दक्षता और लागत राजनीति से अधिक मायने रखेगी।

जबकि कूटनीति इस्लामाबाद में सामने आ रही है, क्षेत्र में सुरक्षा कहीं और बनाए रखी जा रही है। यहीं भारत की भूमिका अधिक दिखाई देती है। होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों ने समुद्री सुरक्षा को महत्वपूर्ण बना दिया है। भारत, एक सक्रिय क्वाड सदस्य, इंडो-पैसिफिक में एक प्रमुख आवाज, ब्रिक्स अध्यक्ष, एक पूर्व जी20 अध्यक्ष और जी8 में आमंत्रित सदस्य के रूप में, इस स्थान में क्षमता और विश्वसनीयता दोनों लाता है।

मई 2023 से, भारत ने सीटीएफ-154 सहित संयुक्त समुद्री बल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई है। एमएसईटी, कंपास रोज और उत्तरी व दक्षिणी रेडिनेस जैसे अभ्यासों के माध्यम से, इसने समुद्री डकैती, तस्करी और अस्थिरता के खिलाफ महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने में मदद की है।

जो बात भारत को अलग करती है, वह है इसकी संतुलित नौसैनिक उपस्थिति। ईरानी संदेह को भड़काए बिना काम करके, भारत का दृष्टिकोण स्थिरता और विश्वसनीयता को मजबूत करता है, जो इसे तनाव के स्रोत के बजाय सुरक्षा प्रदाता के रूप में स्थापित करता है। साथ ही, ईरान के चाबहार बंदरगाह तक पहुंच भारत को समुद्री सुरक्षा को महाद्वीपीय व्यापार मार्गों से जोड़ने की अनुमति देती है, जिससे कई क्षेत्रों में इसकी भूमिका मजबूत होती है।

भारत का कूटनीतिक दृष्टिकोण सभी पक्षों के साथ जुड़कर रणनीतिक लचीलेपन को प्रदर्शित करता है, जिससे वह प्रतिस्पर्धी क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियों के बीच प्रभाव बनाए रखने में सक्षम होता है। इजरायल के साथ संबंध मजबूत बने हुए हैं, खासकर रक्षा और प्रौद्योगिकी में। 2016 और 2020 के बीच, इजरायल के हथियारों के निर्यात में भारत का हिस्सा 43 प्रतिशत था। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 2026 की यात्रा के दौरान, संबंधों का विस्तार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और कृषि में हुआ।

साथ ही, भारत ने 75 वर्षों में निर्मित ईरान के साथ अपने संबंध बनाए रखे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर की जनवरी 2026 की तेहरान यात्रा ने संघर्ष के बीच भी निरंतरता का संकेत दिया। चाबहार के माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा और कनेक्टिविटी प्रमुख प्राथमिकताएं बनी हुई हैं। यह होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे भारतीय जहाजों को दी जा रही प्राथमिकता में देखा जा सकता है, जो तेल और गैस आयात पर भारतीय निर्भरता को दर्शाता है।

खाड़ी के साथ जुड़ाव भारत की क्षेत्रीय उपस्थिति को मजबूत करना जारी रखता है। यूएई, सऊदी अरब और ओमान के साथ रणनीतिक साझेदारी व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा तक फैली हुई है। आई2यू2 (ङ्ग22) जैसी पहल भारत को कठोर गठबंधनों में बंधे बिना सहयोग का विस्तार करने की अनुमति देती हैं। यह 'डी-हाइफनेशन' दृष्टिकोण भारत को विश्वसनीयता बनाए रखते हुए प्रतिस्पर्धी गुटों में काम करने की अनुमति देता है।

इस्लामाबाद वार्ता एक महत्वपूर्ण अंतर को उजागर करती है। पाकिस्तान बातचीत की सुविधा दे रहा है, लेकिन रणनीतिक सीमाएं और आर्थिक कमजोरी उसके प्रभाव को सीमित करती हैं। क्षेत्रीय वातावरण को आकार देने की भारत की क्षमता इस्लामाबाद वार्ता से परे तक फैली हुई है, जो पूरे मध्य पूर्व और उससे आगे परिणामों को प्रभावित करने के लिए अपनी आर्थिक, समुद्री और कूटनीतिक ताकत का उपयोग करती है।

एक क्वाड सदस्य, ब्रिक्स अध्यक्ष, पूर्व जी20 अध्यक्ष और जी8 आमंत्रित के रूप में, भारत कई शक्ति केंद्रों के चौराहे पर बैठा है। यह स्थिति उसे एक साथ अमेरिका से जुड़ने, चीन को संतुलित करने और पूरे मध्य पूर्व में संबंध बनाए रखने में सक्षम बनाती है। वास्तव में, जबकि पाकिस्तान मेज़बान है, भारत का कमरे में दबदबा है।

जैसे-जैसे बातचीत जारी है, ध्यान इस बात पर जा रहा है कि संघर्ष के बाद क्या होगा। ईरान सहित मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में पुनर्निर्माण के लिए बड़े पैमाने, गति और लागत दक्षता की आवश्यकता होगी। भारत यहां अच्छी स्थिति में है। इसकी इंजीनियरिंग और ईपीसी (EPC) कंपनियों का पूरे क्षेत्र में बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करने का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है।

अपने मौजूदा श्रम आधार के साथ, भारत विशेषज्ञता और सामर्थ्य दोनों प्रदान करता है।

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने

हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है।

बोध कथा

जीवन को नई राह दिखाते हैं स्वामी विवेकानंद के विचार

स्वामी विवेकानंद बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। बाल्यावस्था से स्वामी विवेकानंद को अध्यात्म के प्रति गहन रुचि थी। उनका जन्म पश्चिम बंगाल में कारस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता संस्कृत और फारसी भाषा के विद्वान थे। महज 25 वर्ष की आयु में स्वामी जी के पिता सन्यासी बन गए। माता जी देवों के देव महादेव की भक्त थीं। हर समय शिव भक्ति में लीन रहती थीं। अतः विवेकानंद जी को बचपन से ईश्वर में अगाध श्रद्धा थी। स्वामी जी स्वरं प्रतिदिन ईश्वर की भक्ति करते थे। रामकृष्ण परमहंस जी के संपर्क में आने के पश्चात स्वामी जी मां काली के उपासक बन गए। मां काली की कृपा-दृष्टि से स्वामी जी वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली गुरु बने। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। युवाओं को स्वामी जी के विचार जीने की नई राह देते हैं। स्वामी विवेकानंद जी के पद चिन्हों पर चलकर व्यक्ति अपने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकता है। आइए, स्वामी जी के अनमोल विचार जानते हैं-

स्वामी जी के अनमोल विचार... 1 संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और रह आप की ऊंचाई से गिरा भी सकती है। इसलिए संगति अच्छे लोगों से करें।

2. उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए। तुम्हें कोई पढ़ा नहीं सकता, कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुमको सबकुछ खुद अंदर से सीखना है। आत्मा से अच्छा कोई शिक्षक नहीं है।

3. सब कुछ खोने से ज्यादा बुरा उस उम्मीद को खो देना जिसके भरोसे हम सब कुछ वापस पा सकते हैं।

4. पहले हर अच्छी बात का मजाक बनता है। फिर विरोध होता है।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

पहले पकौड़ा, अब भगौड़ा

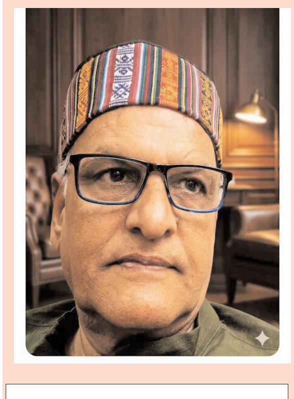

गिरीश पंकज

आजकल अपने देश में दो शब्द बड़े चर्चित है।

एक है आजकल का अघोषित राष्ट्रीय नमकीन पकौड़ा, और दूसरा है भगौड़ा।

हर कोई पकौड़ा -पकौड़ा किए जा रहा है और देश को पका रहा है। वो व्यंग्यकार बेचारा हीनभावना से ग्रस्त हो गया है, जिसने पकौड़े पर कोई व्यंग्य ही नहीं लिखा। मैंने तो अब तक नहीं लिखा था. कुछ सूझे भी तो भाई. वैसे चाय के साथ पकौड़ा मन से खाता हूँ, लेकिन लिखने का मन नहीं हो रहा था. लोग मुझे पकौड़ा-विरोधी व्यंग्यकार समझने लगे थे अपनी साख न गिर आए इसलिए अब लिखना ही पड़ा, लेकिन लेकिन आजकल पकौड़े पर भारी हो गया है भगौड़ा। इसलिए मैंने पकौड़े के बहाने भगौड़े पर व्यंग्य लिखना उचित समझा ताकि मेरे बाद लोग भगौड़े पर पिल पड़ें.

अपने यहां यह अच्छी बात है कि भगौड़ा होने के बाद आदमी रातोंरात चर्चित हो जाता है। फिर चाहे वो बैंक का पैसा ले कर भागे, चाहे जेल से। चुनाव के दौरान नेता जब अपनी पुरानी सीट से भाग कर दूसरी सीट तलाशता है, तो भी उसे भगौड़ा कहते है। लेकिन तब भी उसकी चर्चा होती है।

भगौड़ा होते साथ ही व्यक्ति चर्चित हो जाता हैं. मीडिया में उस पर लेखक आने लगते हैं। टीवी चैनलों पर उसके बारे में सच्ची-झूठी स्टोरी चलने लगती है। उनकी टीआरपी बढ़ने लगती है। एक भगौड़ा खुद भी नाम कमाता है और टीवी वालों को काम पर लगा देता है।

अपना देश भगौड़ों का स्वर्ग है। बैंक से करोड़ों -अरबों को लोन ले कर फरार हो जाने की बड़ी सुविधा है। पिछली कुछ परम्पराओं का अनुगमन करते हुए अब नए -नए भगौड़े प्रकट हो रहे है। राम नाम जपना और बैंक का माल अपना का जाप करते करते ठगों को अचानक लगता है, दाम तो बहुत कमा लिया, अब नाम भी कमाना चाहिए। इसके एक अच्छा फार्मूला है, भगौड़ा बन जाना। देश का माल लिया और भगौड़ा बन कर निकल गए पतली गली से.लौट कर आना ही नहीं है. विदेश में रहो, ऐश करो. जो पैसे बैंकों से झटके थे, उसके सहारे ऐश करो. बेचारा पकड़ा बेचने वाला दुखी हो कर बतियाता है , ' 'कमाल है, हम पकौड़ा बेचते रहे, हमें कोई जनता नहीं, और जो बंदा भगौड़ा हो जाता है, वह हीरो बना कर पेश किया जाता है।

एक दिन मैं भी बैंकों को चूना लगाने कर विदेश भाग जाऊँगा।'' पकौड़ा बेचने वाले की बात सुन कर सामने वाला हँसा और बोला, ' ' नीचे गिरने के लिए कलेजा चाहिए. चूना लगाना सबके बस की बात नहीं। तुम बेटा, ऊंचे-ऊंचे ख्वाब मत देखो। धरती पर रहो और राष्ट्रीय नमकीन पकौड़ा बेच कर सुखी रहो''

पकौड़े वाले को बात समझ में आ गई। उसने कहा,'' अपना पकौड़ा ज़िंदाबाद।''

इतिहास

15 अप्रैल का इतिहास काफी महत्वपूर्ण है, जिसमें टाइटैनिक का डूबना, अब्राहम लिंकन की हत्या और गुरु नानक देव जी की जयंती (विक्रमी संवत अनुसार) प्रमुख हैं। इसके अलावा, आज के दिन 'वर्ल्ड आर्ट डे' (World Art Day) भी मनाया जाता है।

15 अप्रैल के इतिहास की प्रमुख घटनाएँ: टाइटैनिक जहाज का डूबना (1912): अटलांटिक महासागर में अपनी पहली ही यात्रा पर निकला दुनिया का सबसे बड़ा यात्री जहाज टाइटैनिक, एक हिमखंड से टकराकर डूब गया, जिसमें 1,500 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। अब्राहम लिंकन की मृत्यु (1865): अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का 14 अप्रैल की रात वाशिंगटन के फोर्ड थिएटर में गोली लगने के बाद, 15 अप्रैल को निधन हो गया। वर्ल्ड आर्ट डे (विश्व कला दिवस): लियोनार्डो द विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल 1452) के सम्मान में हर साल यह दिन कला और रचनात्मकता को समर्पित किया जाता है।

सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी में 1.6 प्रतिशत की बढ़त

मुंबई। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीदों के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी, दोनों में 1.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,263.67 (1.63 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 78,111.24 स्तर पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं निफ्टी 388.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत चढ़कर 24,231.30 पर कारोबार करता नजर आया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स 77,981.10 पर खुलकर 78,270.42 का इंट्रा-डे हाई छुआ, तो वहीं निफ्टी 24,163.80 पर खुलकर 24,280.90 का हाई टच किया।

ब्रॉडर मार्केट में और ज्यादा तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 में 2.20 प्रतिशत तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 2.35 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो बुधवार को सभी सेक्टर हरे निशान में कारोबार करते नजर आए। निफ्टी आईटी, मेटल्स, पीएसयू बैंक, मीडिया और रियल्टी सेक्टर में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। तो वहीं निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।

निफ्टी 50 में 5 शेयरों को छोड़कर बाकी सभी में हरियाली देखने को मिली। इंडिगो, पावरग्रिड, इटरनल, मैक्स हेल्थ, विप्रो, एचडीएफसी लाइफ, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंडाल्को, टीएमपीवी, एसबीआई लाइफ, एलएंडटी के शेयरों में 4 प्रतिशत से 3 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई, जबकि डॉ. रेड्डीज, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और ओएनजीसी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली।

जानकारों का कहना है कि अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम होने के संकेत मिलने से निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध को खत्म करने के लिए वार्ता अगले दो दिनों में पाकिस्तान में फिर से शुरू हो सकती है, इससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना और निवेशकों ने बंपर खरीदारी की।

इस बीच, अमेरिकी-ईरान वार्ता के दूसरे दौर के बाद बेहतर होते बाजार भाव से रुपए में मजबूती आई और यह 93.50 पर पहुंच गया, जिसके चलते पिछले दो सत्रों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई।

एक विश्लेषक ने कहा, 'कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, जो अब 94-95 डॉलर के दायरे की ओर फिसल रही है, भारत के आयात बिल पर दबाव कम कर रही है और रुपए को अल्पकालिक राहत प्रदान कर रही है।

भू-राजनीतिक तनावों के बीच मार्च में गोल्ड ईटीएफ में जोरदार उछाल, एयूएम तीन गुना बढ़कर हुआ 1.7 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली । भले ही फिजिकल सोने की मांग मजबूत रही हो, लेकिन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सोने में निवेश तेजी से बढ़ा है। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) अब रिटेल और संस्थागत निवेशकों के बीच काफी लोकप्रिय हो गए हैं। मार्च 2026 में इनका कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 1,71,468.4 करोड़ रुपए हो गया, जो सालाना आधार पर लगभग तीन गुना है।

आईसीआरए एनालिटिक्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा पिछले पांच वर्षों में 64.76 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) को दर्शाता है। मार्च 2021 में यह एयूएम सिर्फ 14,122.72 करोड़ रुपए था।

सालाना आधार पर देखें तो मार्च 2025 के 58,887.99 करोड़ रुपए के मुकाबले एयूएम में 191.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो बताता है कि भारत में गोल्ड से जुड़े निवेश तेजी से बढ़ रहे हैं।

मार्च 2026 में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध निवेश (इनफ्लो) 2,265.68 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले साल इसी समय 77.21 करोड़ रुपए की निकासी (आउटफ्लो) हुई थी। वहीं मार्च 2021 में यह इनफ्लो सिर्फ 662.45 करोड़ रुपए था।

हालांकि, महीने-दर-महीने आधार पर इनफ्लो में गिरावट देखी गई। फरवरी 2026 के 5,254.95 करोड़ रुपए के मुकाबले मार्च में यह 56.88 प्रतिशत घट गया। इसकी वजह सोने की कीमतों में थोड़े समय के लिए गिरावट और वैश्विक जोखिम में कमी बताई गई है। आईसीआरए एनालिटिक्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और मार्केट डेटा के हेड अश्विनी कुमार ने कहा कि निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ने के पीछे दो बड़े कारण हैं।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से थोक महंगाई में आया उछाल, आरबीआई आने वाले समय में स्थिर रख सकता है ब्याज दरें : अर्थशास्त्री

नई दिल्ली । ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से भारत में थोक महंगाई दर में मार्च में उछाल देखने को मिला है और इससे आने वाले में केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है। यह जानकारी अर्थशास्त्रियों की ओर से बुधवार को दी गई।

आईसीआरए में वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि थोक महंगाई में वृद्धि व्यापक आधार पर थी, जिसमें क्रूड पेट्रोलियम और नेचुरल गैस के साथ ईंधन एवं ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई।

उन्होंने आगे कहा, 'मार्च 2026 में फरवरी 2026 की तुलना में मुख्य महंगाई में 175 आधार अंकों की वृद्धि में से 150 आधार अंकों का योगदान संयुक्त रूप से इन दोनों समूहों का था।

अग्रवाल ने आगे कहा कि मार्च में खाद्य महंगाई दर 1.8 प्रतिशत पर स्थिर रही, जबकि गैर-खाद्य वस्तुओं में थोक महंगाई फरवरी के 3.3 प्रतिशत से बढ़कर 41 महीनों के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर पहुंच गई।उन्होंने आगे कहा कि क्रमिक आधार पर, मार्च में मुख्य सूचकांक में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले तीन महीनों के औसत के अनुरूप है। अर्थशास्त्री ने बताया कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की अधिक कीमतें और उसके साथ शिपिंग, माल ढुलाई और इनपुट लागत में बढ़ोतरी के कारण आयात लागत में इजाफा हो सकता है। इससे अप्रैल में थोक महंगाई में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

केयरएज रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने भी इसी तरह की चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ताजा थोक महंगाई डेटा पश्चिम एशिया संकट के अधिक गंभीर प्रभाव को दर्शाता है, जिसमें खुदरा महंगाई की तुलना में अधिक तीव्र वृद्धि देखी गई है।

उन्होंने कहा, 'यह अंतर थोक डीजल और अन्य वाणिज्यिक ईंधन की कीमतों में तीव्र वृद्धि के कारण है, जबकि खुदरा पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित रही हैं।'

उन्होंने बताया कि रिफाइनरियों ने मार्च में थोक डीजल की कीमतों में 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की, जबकि घरेलू गैस सिलेंडरों की कीमत में 60 रुपए और वाणिज्यिक सिलेंडरों की कीमत में कुल 310 रुपए की वृद्धि दर्ज की गई।

उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया संकट के शीघ्र समाधान के बावजूद, वित्त वर्ष 2027 में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें औसतन 85-90 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना है।उन्होंने कहा, 'वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का बोझ परिवारों, सरकार और तेल विपणन कंपनियों पर पड़ेगा। सिन्हा ने यह भी कहा कि मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन के कारण तेल विपणन कंपनियां 100-105 डॉलर प्रति बैरल तक कच्चे तेल की कीमतों को सहन कर सकती हैं। उन्होंने अनुमान लगाया है कि कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल मानते हुए वित्त वर्ष 2027 में थोक महंगाई दर औसतन लगभग 5 प्रतिशत रहेगी।

भारतीय रेलवे में वित्त वर्ष 2025-26 में 741 करोड़ यात्रियों ने किया सफर, विद्युतीकरण 99.6 प्रतिशत पर पहुंचा

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे में वित्त वर्ष 2025-26 में 741 करोड़ यात्रियों ने सफर किया है और ब्रॉड गेज नेटवर्क के 99.6 प्रतिशत हिस्से का विद्युतीकरण हो चुका है, जिसमें करीब 25,000 ट्रेनों का संचालन प्रतिदिन किया जा रहा है। यह जानकारी सरकार की ओर से बुधवार को दी गई।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में कुल आय बढ़कर करीब 80,000 करोड़ रुपए की हो गई है। कुल माल ढुलाई बढ़कर 1,670 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंच गई है।

2014 तक भारत के रेलवे नेटवर्क का केवल 20 प्रतिशत ही विद्युतीकृत था, जिससे परिचालन दक्षता सीमित थी और डीजल ईंधन पर निर्भरता अधिक थी। मार्च 2026 तक 69,873 रूट किलोमीटर (आरकेएम) का विद्युतीकरण हो चुका है, जो 2014 में 21,801 आरकेएम था।

सरकार ने बताया कि रेलवे विद्युतीकरण से 2024-25 में लगभग 180 करोड़ लीटर डीजल की बचत हुई, जिससे कच्चे तेल के आयात में कमी आई और लगभग 6,000 करोड़ रुपए की बचत हुई।

देश में विद्युतीकरण का स्तर अब ब्रिटेन (39 प्रतिशत), रूस (52 प्रतिशत) और चीन (82 प्रतिशत) से अधिक है।

कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 3,100 किलोमीटर से अधिक मार्गों पर चालू हो चुकी है, और अतिरिक्त 24,400 किलोमीटर मार्गों पर इसका कार्यान्वयन जारी है।

वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस) का विस्तार 1,874 रेलवे स्टेशनों तक किया गया है, जिसमें यात्रियों की सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने के लिए एआई-आधारित विश्लेषण और चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग किया जाता है।

एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (आईपीआईएस), जो राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस) से जुड़ी है, 1,405 स्टेशनों पर लागू की गई है, जिससे समय पर घोषणाएं और यात्रियों के साथ बेहतर संचार सुनिश्चित होता है।

बयान में कहा गया है, 'पिछले दशक में ट्रैक अवसंरचना को रणनीतिक रूप से मजबूत किया गया है।

2014-26 के दौरान कुल 54,600 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का नवीनीकरण किया गया, जिससे विश्वसनीयता और परिचालन प्रदर्शन में सुधार हुआ है।'

110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति को सहन करने में सक्षम ट्रैक की लंबाई 31,445 किमी से बढ़कर 85,000 किमी से अधिक हो गई, जिससे परिचालन तेज और अधिक कुशल हो गया।

दिल्ली ईवी पॉलिसी ड्राफ्ट से इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में आ सकता है तेज उछाल : रिपोर्ट

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार के इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी ड्राफ्ट (2024-2030) के लागू होने के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। हालांकि,इससे खरीदार छोटी अवधि में ईवी खरीद को स्थगित कर सकते हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

एक्सिस डायरेक्ट की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 40,000 करोड़ रुपए के सरकारी परिव्यय के साथ तैयार किए गए इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी ड्राफ्ट में अग्रिम प्रोत्साहन, सख्त नियम और स्क्रैपेज से जुड़े लाभों के जरिए ईवी को अपनाने में तेजी लाने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया है।

दिल्ली की इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी ड्राफ्ट के मुताबिक, जनवरी 2027 से केवल इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का पंजीकरण किया जाएगा। फिर अप्रैल 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीकरण दिल्ली में होगा।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि अंतरिम अनिश्चितता को देखते हुए, नीतिगत स्पष्टता आने तक निकट भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को स्थगित किए जाने की संभावना है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया, 'एक बार लागू होने के बाद, दबी हुई मांग और बेहतर प्रोत्साहन की स्पष्टता के कारण, इस नीति से अगले कुछ महीनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है।'

रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्राफ्ट पॉलिसी उन निर्माताओं के पक्ष में है जिन्होंने शुरुआती निवेश किया है और अब उनके पास स्केलेबल प्लेटफॉर्म मौजूद हैं और जिनके उत्पादों की बाजार में अच्छी पकड़ है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'दोपहिया वाहनों में, स्थापित पोर्टफोलियो वाले अग्रणी निर्माता बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं, जबकि कम पैठ वाले मौजूदा निर्माता इलेक्ट्रिक वाहनों में निवेश बढ़ा रहे हैं।

2026 की पहली तिमाही में वैश्विक पीसी शिपमेंट में 4 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि 2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में दुनिया भर में पीसी शिपमेंट सालाना आधार पर 4 प्रतिशत बढ़कर 62.8 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया।

गार्टनर द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, यह बढ़ोतरी पूरी तरह वास्तविक उपभोक्ता मांग को नहीं दर्शाती है। इसके बजाय, कंपनियों और डिस्ट्रीब्यूटर्स ने दूसरी तिमाही में कंपोनेंट्स की कीमतें बढ़ने की आशंका के चलते पहले से ज्यादा स्टॉक जमा कर लिया।

गार्टनर के रिसर्च प्रिंसिपल ऋषि पाधी ने कहा कि सालाना वृद्धि 'कृत्रिम रूप से बढ़ी', क्योंकि यह मेमोरी की बढ़ती कीमतों (जिसे आमतौर पर 'मेमफ्लेशन' कहा जाता है) और डीआरएएम व नैंड फ्लैश जैसे कंपोनेंट्स के महंगे होने के डर से पहले ही स्टॉक करने की वजह से हुई है।

उन्होंने बताया कि यह ट्रेंड खासकर कम मुनाफे वाले पीसी सेगमेंट में ज्यादा देखा गया।

इसके अलावा, तुलना का आधार भी इस ग्रोथ को प्रभावित करता है, क्योंकि 2025 की पहली तिमाही में अमेरिकी टैरिफ के डर से पहले ही ज्यादा शिपमेंट कर दिए गए थे, जिससे इस साल का आंकड़ा ज्यादा दिख रहा है।

कंपनियों के प्रदर्शन की बात करें तो टॉप चार वैश्विक पीसी कंपनियों में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। लेनोवो ने अपनी नंबर-1 पोजीशन बरकरार रखी, जबकि एचपी इंक. दूसरे स्थान पर रही, हालांकि इसका मार्केट शेयर थोड़ा घटा है।

वहीं डेल टेक्नोलॉजीज ने इस तिमाही में अपना मार्केट शेयर बढ़ाया है।

इन सबके बीच एप्पल सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनी रही, जिसकी शिपमेंट में सालाना आधार पर 12.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

यह ग्रोथ खासकर इसके मैकबुक नियो सीरीज की मजबूत मांग की वजह से हुई, जिसमें नए यूजर्स और शिक्षा क्षेत्र के खरीदारों की बड़ी भूमिका रही।

रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल की रणनीति ने कम कीमत में बेहतर परफॉर्मेंस वाले डिवाइस चाहने वाले ग्राहकों को आकर्षित किया।

ब्रोकरेज जेफ्रीज ने इंडस टावर्स की घटाई रेटिंग, टारगेट प्राइस 530 रुपए से घटाकर 375 रुपए किया

मुंबई । बुधवार के कारोबारी सत्र में इंडस टावर्स के शेयरों पर दबाव देखने को मिला, क्योंकि ब्रोकरेज फर्म जेफ्रीज ने इस स्टॉक की रेटिंग 'बाय' से घटाकर 'अंडरपरफॉर्म' कर दिया और टारगेट प्राइस भी कम कर दिया।

ब्रोकरेज फर्म ने इंडस टावर्स का टारगेट प्राइस 530 रुपए से घटाकर 375 रुपए कर दिया है, जो मौजूदा स्तर से करीब 14 प्रतिशत गिरावट की संभावना दिखाता है।

जेफ्रीज ने कहा कि यह डाउनग्रेड कंपनी की ग्रोथ, कैश फ्लो और वैल्यूएशन को लेकर बढ़ते जोखिमों को देखते हुए किया गया है।

ब्रोकरेज के अनुसार, फिलहाल ऑपरेटिंग माहौल स्थिर है, लेकिन नजदीकी समय में अनिश्चितताएं और स्ट्रक्चरल दबाव स्टॉक की तेजी को सीमित कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी में जोखिम और रिटर्न का संतुलन अब पहले जैसा आकर्षक नहीं रहा है, क्योंकि कमाई में मामूली बढ़ोतरी और डिविडेंड यील्ड भी इन चिंताओं को संतुलित नहीं कर पा रही है।

जेफ्रीज ने कंपनी के रेवेन्यू और मुनाफे (पीएटी) के अनुमान में 2 से 6 प्रतिशत तक कटौती की है और आगे सिर्फ 3 प्रतिशत ईपीएस ग्रोथ और करीब 4 प्रतिशत यील्ड का अनुमान लगाया है।

डाउनग्रेड के बाद शेयर बाजार में इंडस टावर्स के शेयरों में गिरावट आई और एनएसई पर इंट्राडे ट्रेडिंग के दौरान स्टॉक करीब 4 प्रतिशत गिरकर 420.50 रुपए के दिन के निचले स्तर तक आ गया।

वहीं, खबर लिखे जाने तक (दोपहर करीब 2.40 बजे) कंपनी के शेयर 3.9 प्रतिशत गिरकर 421.35 रुपए पर ट्रेड करते नजर आए। बुधवार को शेयर 434.50 रुपए पर खुला और एक समय 436.90 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर को छुआ।

ब्रोकरेज ने बताया कि कंपनी के सामने एक बड़ी चिंता वित्त वर्ष 2027 में बड़ी संख्या में टावर लीज का रिन्यूअल है, जिससे रेवेन्यू और ग्रोथ पर असर पड़ सकता है।

कंपनी के कई टावर साइट्स 2026 के दूसरे हिस्से से लेकर 2027 के पहले हिस्से तक रिन्यू होने वाले हैं, जिससे कीमतों पर दबाव आ सकता है।

जेफ्रीज ने यह भी चेतावनी दी कि टेलीकॉम सेक्टर में नए टावर जोड़ने की रफ्तार धीमी होने से रिन्यूअल के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। ऐसे में कंपनी को या तो ज्यादा छूट देनी पड़ सकती है या फिर ग्राहक खोने का जोखिम उठाना पड़ सकता है। साथ ही, अगर कंपनी किसी एक टेलीकॉम ऑपरेटर को छूट देती है।

भारत में कौन से राज्य श्रमिकों के लिहाज से बेहतर, कौन खराब

नोएडा समेत प्रदेश के कुछ शहरों में कई दिनों से श्रमिकों का असंतोष उभार पर है। वे प्रदर्शन कर रहे हैं। नोएडा में यह आंदोलन ज्यादा उग्र हो गया है। श्रमिक वेतन बढ़ोतरी और अवकाश को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि उन्हें भी पड़ोसी राज्य हरियाणा के बराबर वेतन और सुविधाएं दी जाएं। तो आइए जानते हैं कि देश के किन राज्यों में श्रमिकों के लिए स्थितियां बेहतर हैं और कहां नहीं हैं, और यूपी इसमें कहां आता है।

यह रिपोर्ट भारत सरकार की संस्थाओं—नीति आयोग, चीफ लेबर कमिश्नर, लेबर ब्यूरो—के साथ न्यूज एजेंसी रायटर्स और द हिंदू अखबार की रिपोर्ट्स के आधार पर तैयार की गई है, जिसमें श्रमिकों के न्यूनतम वेतन, श्रमिक अधिकार और काम की स्थितियों को देखा गया है। इसे तीन हिस्सों में बांटकर समझा जा सकता है—वे राज्य जो सबसे बेहतर माने जाते हैं, वे जो मध्य स्थिति में हैं, और वे राज्य जो श्रमिकों के वेतन और सुविधाओं के लिहाज से अच्छे नहीं माने जाते।

कौन से राज्य टॉप पर

केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा को इस मामले में देश के सबसे बेहतर राज्यों में माना जाता है। हरियाणा में हाल ही में श्रमिकों के वेतन और सुविधाओं में काफी सुधार किया गया है। ये राज्य बेहतर इसलिए माने जाते हैं क्योंकि ये इन मानकों पर खरे उतरते हैं—

- न्यूनतम वेतन ज्यादा
- यूनियन मजबूत
- औद्योगिक सुरक्षा नियम बेहतर तरीके से लागू
- सोशल सिक्योरिटी यानी ईएसआई और पीएफ का बेहतर पालन

केरल में देश की सबसे मजबूत मजदूर यूनियनें हैं, जिससे वहां मजदूरों की मांगें पूरी कराने की क्षमता भी ज्यादा है। तमिलनाडु मैन्युफैक्चरिंग के लिए जाना जाता है। हरियाणा में हाल ही में श्रमिकों का वेतन 35 फीसदी तक बढ़ाया गया है। वहां गैर-कार्यकुशल मजदूर 15,200 रुपये या उससे ज्यादा मासिक वेतन पा रहे हैं। इसका मतलब यह है कि इन राज्यों में मजदूर अपेक्षाकृत सम्मानजनक जीवन जी पाते हैं।

मिड-रेंज राज्य कौन से

वेतन और सुविधाओं के लिहाज से जो राज्य टॉप में तो नहीं हैं, लेकिन नीचे भी नहीं हैं, उनमें गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और राजस्थान शामिल हैं।

इन राज्यों की खासियतें हैं—

- उद्योग मजबूत
- रोजगार के अवसर ज्यादा

लेकिन कमियां यह हैं कि यूनियन अपेक्षाकृत कमजोर हैं और कॉन्ट्रैक्ट लेबर ज्यादा है। गुजरात में उद्योग बहुत हैं, लेकिन श्रमिकों की बार्गेनिंग पावर कम मानी जाती है।

भारतीय तबला के 'जादू' के आगे साइंस भी नतमस्तक, शास्त्रीय संगीत के फिजिक्स से वैज्ञानिक क्यों चौंके?

आज जब किसी महफिल में तबले की थाप गूंजती है, तो वह केवल संगीत नहीं होता। वह सदियों पुरानी उस एम्पीरिकल इंजीनियरिंग का प्रमाण है, जिसने विज्ञान के आने से बहुत पहले ही प्रकृति के रहस्यों को अपनी उंगलियों पर नचाना सीख लिया था। सदियों तक भौतिक विज्ञान जिस बात को असंभव मानता रहा, उसे भारतीय कारीगरों ने अपनी कला से सच कर दिखाया। 1920 में भारतीय वैज्ञानिक सी.वी. रमन ने इसके पीछे के वैज्ञानिक रहस्य को दुनिया के सामने रखा। आइए समझते हैं पूरी बात।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में तबला और मृदंगम को ऊंचा दर्जा हासिल है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये म्यूजिकल यंत्र फिजिक्स के उन नियमों को चुनौती देते हैं, जिन्हें विज्ञान कभी 'असंभव' मानता था? इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कारीगरों ने पिछले कई सदियों से बिना किसी प्रयोगशाला या जटिल समीकरणों के ध्वनि विज्ञान की उस पहेली को सुलझा लिया था, जिसे समझने में आधुनिक विज्ञान को 20वीं सदी तक का समय लग गया।

ड्रम ने तोड़े साउंड के नियम

फिजिक्स की भाषा में कहें, तो अधिकांश ड्रमों को साउंड के नजरिए से 'डिफेक्टिव' माना जाता है। साधारण ड्रम को जब पीटा जाता है, तो उसकी टाइट स्किन एक साथ कई अलग-अलग और बेमेल दिशाओं में वाइब्रेट करती है। इसे 'बेसेल फंक्शन्स' कहा जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि एक पैटर्न में साफ स्वर की बजाय शोर जैसी आवाज पैदा होती है, जो केवल लय देने के काम आती है। यह सुर पैदा नहीं कर पाती।

इसे ऐसे समझिए कि आपके हाथ में कुछ पत्थर हैं, जिन्हें आप तालाब में फेंकते हैं। छपाक की आवाज के बाद पानी की सतह पर पैटर्न बनते जाते हैं। हर पैटर्न को 'मोड' कहा जाता है, जो अपनी ही गति में वाइब्रेट होता है। इसे फ्रीक्वेंसी में मापा जाता है, जो बताती है कि प्रति सेकेंड में पूरा वाइब्रेशन कितनी बार होता है। फ्रीक्वेंसी को हर्ट्ज़ (Hz) में मापा जाता है। एक हर्ट्ज़ का मतलब है कि प्रति सेकेंड में एक पूरा वाइब्रेशन।

सितार और वायलिन जैसे तार वाले म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स में ये फ्रीक्वेंसी एक तय क्रम में उत्पन्न होती हैं, जिन्हें हार्मोनिक सीरीज़ कहा जाता है। सरल भाषा में, मुख्य स्वर के साथ बजने वाले ऊंची पिच के स्वर को हार्मोनिक ओवरटोन कहा जाता है। जब ये ओवरटोन्स डबलिंग और ट्रिपलिंग के गणितीय पैटर्न का पालन करते हैं, तो ध्वनि शोर की बजाय मधुर और संगीतात्मक हो जाती है। संगीत में सबसे निचला स्वर लगभग 100 हर्ट्ज़ पर वाइब्रेट करता है। इसके ऊपर की परतें 200 हर्ट्ज़, 300 हर्ट्ज़, 400 हर्ट्ज़ आदि होती हैं। ये 1, 2, 3, 4 के अनुपात में होती हैं, जो ध्वनि को समृद्ध और मधुर बनाती हैं। लेकिन गोलाकार ड्रम की स्किन गणितीय रूप से अव्यवस्थित होती है। इसके वाइब्रेशन 'बेसेल फंक्शन' नामक गणितीय कर्व्स पर चलते हैं। फ्रीक्वेंसी रेशियो 1:1.59:2.14:2.30:2.65 के रूप में सामने आते हैं।

जर्मन भौतिक विज्ञानी हरमन वॉन हेल्महोल्ट्ज़ ने यहां तक कहा था कि ड्रम अपनी प्रकृति के कारण कभी भी सुरीले संगीत के स्वर पैदा नहीं कर सकते। इसके बाद भारतीय वैज्ञानिक सी.वी. रमन ने ऐतिहासिक खोज की। 1919 में 31 वर्ष के वैज्ञानिक रमन ने कोलकाता में संगीत कार्यक्रमों के दौरान एक खास बात नोटिस की। उन्होंने देखा कि तबला और मृदंगम केवल ताल ही नहीं देते, बल्कि वे सितार या गायक की तरह सुरीले स्वर भी उत्पन्न करते हैं।

15 जनवरी 1920 को रमन का शोध पत्र 'नेचर' मैगजीन में प्रकाशित हुआ, जिसका शीर्षक था– 'म्यूजिकल ड्रम्स विद हार्मोनिक ओवरटोन्स।' उन्होंने साबित किया कि भारतीय ड्रम 'हार्मोनिक सीरीज़' उत्पन्न करते हैं, यानी उनके स्वर 1:2:3:4 जैसे सटीक गणितीय अनुपात में होते हैं, जो पहले केवल तार वाले वाद्ययंत्रों (जैसे वीणा या गिटार) में ही संभव माने जाते थे।

तबले की स्याही में छिपा है विज्ञान

इस पूरे चमत्कार का केंद्र है तबले के बीच में मौजूद काला हिस्सा, जिसे 'स्याही' कहा जाता है। इसकी बनावट आयरन ऑक्साइड, स्टार्च और पानी के मिश्रण से होती है। इसे परतों में लगाया जाता है–बीच में सबसे मोटी और किनारों की ओर पतली। यह 'स्याही' ड्रम की खाल के वजन को नियंत्रित करती है। यह अव्यवस्थित वाइब्रेशन को एक लय में बांध देती है, जिन्हें विज्ञान 'अराजक' मानता था। जब कलाकार तबले के 'चाटी' या 'मैदान' पर प्रहार करता है, तो स्याही बेमेल फ्रीक्वेंसी को खींचकर एक सटीक सुर में बदल देती है। इसे विज्ञान में 'सुपरपोजिशन' कहा जाता है।

परंपरा ने सिद्धांत को पीछे छोड़ा

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिन कारीगरों ने सदियों पहले स्याही लगाने की यह तकनीक विकसित की, उन्होंने कभी गणितीय समीकरण नहीं पढ़े थे। उन्होंने सैकड़ों वर्षों के अनुभव, सुनने की सूक्ष्म क्षमता और निरंतर सुधार के जरिए उस परफेक्शन को हासिल किया, जिसे वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं बाद में केवल प्रमाणित कर सकीं।

हाल ही में IIT मद्रास के शोधकर्ताओं ने आधुनिक कंप्यूटर विश्लेषण के जरिए रमन के निष्कर्षों की पुष्टि की है। उनके शोध में पाया गया कि तबले से निकलने वाले सुर आज भी उतने ही सटीक और गणितीय रूप से शुद्ध हैं, जितने 1920 में मापे गए थे।

22 तरह के कैंसर का इलाज करने वाली दवा—क्या है, कैसे काम करती है और कितनी महंगी है?

कीट्रूडा (पेम्ब्रोलिज़ुमैब) एक इम्यूनोथेरेपी दवा है, जो आधुनिक कैंसर उपचार की 'रीढ़' बन चुकी है और फिलहाल कम से कम 22 अलग-अलग प्रकार के कैंसर में इस्तेमाल की जाती है।

यह दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली दवाओं में से एक है और करीब 42 विशेष चिकित्सीय स्थितियों के लिए मंजूर है। यहां जानिए इससे जुड़ी सभी जरूरी बातें। किन-किन कैंसर में इस्तेमाल होती है कीट्रूडा यह दवा कई तरह के सॉलिड ट्यूमर और ब्लड कैंसर में मंजूर है, खासकर उन मामलों में जो एडवांस, मेटास्टेटिक (फैल चुके) या बार-बार होने वाले हों।

मुख्य श्रेणियां:

श्वसन एवं थोरैसिक: नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर और मैलिग्नेंट प्लूरल मेसोथेलियोमा

त्वचा: मेलानोमा, क्यूटेनियस स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और मर्केल सेल कार्सिनोमा

पाचन तंत्र: कोलोरेक्टल, पेट (गैस्ट्रिक), इसोफेगल, बाइलरी ट्रैक्ट और पैंक्रियाटिक कैंसर

मूत्र एवं प्रजनन तंत्र: ब्लैडर (यूरोथेलियल), किडनी (रेनल सेल), सर्वाइकल, एंडोमेट्रियल, ओवरी, फेलोपियन ट्यूब और प्राइमरी पेरिटोनियल कैंसर

सिर, गर्दन और स्तन: हेड एंड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर

ब्लड कैंसर: क्लासिकल हॉजकिन लिंफोमा और प्राइमरी मेडियास्टिनल लार्ज बी-सेल लिंफोमा

बायोमार्कर-आधारित: ऐसे सॉलिड ट्यूमर जिनमें MSI-H, MMR या TMB-H जैसे जेनेटिक मार्कर पॉजिटिव हों

यह कैसे काम करती है

कीट्रूडा एक PD-1 इनहिबिटर है। यह कीमोथेरेपी की तरह सीधे कैंसर कोशिकाओं पर हमला नहीं करती, बल्कि इम्यून सिस्टम की मदद से काम करती है:

कैंसर को 'बे नकाब' करना: कैंसर कोशिकाएं PD-1 पाथवे के जरिए टी-सेल्स को खुद पर हमला करने से रोकती हैं

टी-सेल्स को सक्रिय करना: कीट्रूडा इस पाथवे को ब्लॉक कर देती है, जिससे इम्यून सिस्टम सक्रिय होकर कैंसर कोशिकाओं को पहचानकर नष्ट कर पाता है

इसे कैसे दिया जाता है? लागत और उपलब्धता

यह दवा आमतौर पर हर 3 या 6 हफ्ते में इंट्रावेनस इन्फ्यूजन के रूप में दी जाती है।

सारंगी के 'सुल्तान' : विश्व में लहराया भारतीय संगीत का परचम

सारंगी की धुनों को विश्व पटल पर ले जाने वाले महान शास्त्रीय संगीतकार और गायक उस्ताद सुल्तान खान ने भारतीय संगीत को नई पहचान दी। पद्म भूषण से सम्मानित इस महान कलाकार को 'सारंगी का सुल्तान' कहा जाता है।

उन्होंने न सिर्फ शास्त्रीय संगीत में नई ऊंचाइयां छुईं, बल्कि सिनेमा और पॉप म्यूजिक में भी कमाल कर दिखाया। उस्ताद सुल्तान खान का जन्म 15 अप्रैल 1940 को राजस्थान के जोधपुर में सीकर घराने में हुआ था। उनके दादा उस्ताद अजीम खान और पिता उस्ताद गुलाब खान ने उन्हें बचपन से ही कठोर संगीत साधना सिखाई। मात्र 11 साल की उम्र में उन्होंने अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन में अपना पहला सोलो प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींच लिया।

उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 'गायकी अंग' थी। उन्होंने सारंगी पर मानव स्वर की तरह भावपूर्ण गायकी का अनुकरण किया। इससे पहले सारंगी को केवल साथ देने वाले वाद्य यंत्र के रूप में देखा जाता था, लेकिन उस्ताद सुल्तान खान ने इसे एक स्वतंत्र और शक्तिशाली एकल वाद्य बना दिया। उनकी सारंगी में ध्रुपद और खयाल की गहराई समाई हुई थी। उन्होंने सारंगी को सामाजिक पूर्वाग्रहों से मुक्त कर सम्मानजनक स्थान दिलाया।

उन्होंने फिल्म संगीत में भी अपनी छाप छोड़ी। 1999 में आई सुपरहिट फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का गीत 'अलबेला सजन आयो रे' उन्हें रातोंरात लोकप्रिय बना गया। असली सफलता तब मिली, जब गायिका चित्रा के साथ उनका पॉप एल्बम 'पिया बसंती' रिलीज हुआ। यह एल्बम जबरदस्त हिट रहा और सारंगी की धुनें युवाओं के बीच गूंज उठीं। इस एल्बम के लिए उन्हें एमटीवी इंटरनेशनल व्यूअर्स चॉइस अवॉर्ड से नवाजा गया।

उस्ताद सुल्तान खान ने पश्चिमी दुनिया में भी भारतीय संगीत का परचम लहराया। 1970 के दशक में उन्होंने बीटल्स के सदस्य जॉर्ज हैरिसन के साथ 65 संगीत कार्यक्रम किए। उनकी सारंगी की धुनें ऑस्कर विजेता फिल्म 'गांधी' और 'हीट एंड डस्ट' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में भी सुनाई दीं।

2000 के दशक में उन्होंने तबला वादक जाकिर हुसैन, बिल लासवेल और करश काले के साथ 'तबला बीट साइंस' नामक इलेक्ट्रॉनिक फ्यूजन ग्रुप में काम किया। उन्होंने राग आधारित सारंगी को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक धुनों के साथ खूबसूरती से जोड़ा। इसके अलावा उन्होंने पॉप आइकन मैडोना के एल्बम के लिए भी सारंगी बजाई और गिटार वादक वॉरेन कुकुरुलो के साथ भी काम किया। उस्ताद सुल्तान खान का निधन 27 नवंबर 2011 को हुआ था। आज उनकी विरासत को उनके बेटे साबिर खान आगे बढ़ा रहे हैं, जो शास्त्रीय और समकालीन संगीत को जोड़ने का काम कर रहे हैं। साबिर खान ने 'दंगल' और 'जोधा अकबर' जैसी फिल्मों में संगीत दिया है।

डायबिटीज के मरीज जिम में बहाएंगे पसीना, तो बढ़ जाएगी शुगर? क्या है हकीकत

डायबिटीज के मरीजों के लिए ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखना बड़ी चुनौती होती है। लाइफस्टाइल, खानपान या फिजिकल एक्टिविटी में जरा-सी लापरवाही से शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव आ सकता है। ऐसे में मरीजों के मन में अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या जिम में वर्कआउट करने से ब्लड शुगर बढ़ती है या घटती है? कुछ लोग मानते हैं कि एक्सरसाइज से शरीर पर दबाव पड़ता है, जिससे शुगर लेवल बढ़ सकता है, जबकि डॉक्टरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि सही तरीके से की गई एक्सरसाइज डायबिटीज को कंट्रोल करने में मददगार होती है।

नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रिवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत के अनुसार, जब कोई व्यक्ति एक्सरसाइज करता है, तो शरीर ऊर्जा के लिए ब्लड में मौजूद ग्लूकोज का उपयोग करता है। इससे ब्लड शुगर लेवल कम होने लगता है। नियमित वर्कआउट से इंसुलिन सेंसिटिविटी भी बढ़ती है, जिससे शरीर इंसुलिन का बेहतर उपयोग कर पाता है। यही कारण है कि डायबिटीज के मरीजों को रोज हल्की एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है। अगर किसी मरीज का शुगर लेवल कंट्रोल में है, तो वह सावधानी के साथ जिम में जाकर वर्कआउट कर सकता है। डॉक्टर के मुताबिक, कुछ खास परिस्थितियों में एक्सरसाइज के दौरान ब्लड शुगर अस्थायी रूप से बढ़ भी सकती है। यदि कोई व्यक्ति बहुत हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट करता है या शरीर पहले से तनाव में होता है, तो एड्रेनालिन हार्मोन रिलीज होता है, जिससे शुगर लेवल कुछ समय के लिए बढ़ सकता है। हालांकि, थोड़ी देर बाद यह फिर सामान्य हो जाता है।

डायबिटीज के मरीजों को जिम जाने से डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें योग्य फिटनेस ट्रेनर की देखरेख में एक्सरसाइज करनी चाहिए। वेट ट्रेनिंग, वॉकिंग, योग और साइक्लिंग जैसी गतिविधियां उनके लिए फायदेमंद होती हैं। यदि शुगर लेवल अनियंत्रित रहता है, तो ऐसी स्थिति में जिम जॉइन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

एक्सपर्ट के अनुसार, जिम जॉइन करते समय कुछ सावधानियां जरूरी हैं—

- वर्कआउट से पहले और बाद में ब्लड शुगर लेवल मॉनिटर करें
- खाली पेट जिम न जाएं
- बहुत हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज से बचें
- एक्सरसाइज से पहले हल्का स्नैक लें
- शरीर को हाइड्रेट रखें

जिन मरीजों को इंसुलिन या दवाइयों की जरूरत होती है, उन्हें डॉक्टर की सलाह से ही अपना वर्कआउट प्लान बनाना चाहिए। इसके अलावा, फिटनेस ट्रेनर को अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में जरूर बताएं, ताकि वह उसी अनुसार आपका वर्कआउट रूटीन तैयार कर सके।

मैक्सिको से अमेरिका गए शख्स की हिरासत में मौत: गुस्से में लोग, राष्ट्रपति ने निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

मैक्सिको सिटी। बेहतर जिंदगी और रोजगार की तलाश में सीमा पार गया एक शख्स अपने घर नहीं लौटा, बल्कि उसके मौत की खबर ने सबको दहला दिया। 49 वर्षीय एलेजांद्रो कैबरेरा क्लेमेंटे की 11 अप्रैल 2026 को अमेरिका में हिरासत के दौरान मौत हो गई, जिसने पूरे मैक्सिको में मातम और गुस्से का माहौल पैदा कर दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, काबरेरा क्लेमेंते को अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने हिरासत में रखा था। उन्हें लुइजियाना के एक डिटेंशन सेंटर में उनकी सेल में बेहोशी की हालत में पाया गया। अधिकारियों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस घटना ने सिर्फ एक परिवार को ही नहीं, बल्कि पूरे देश को झकझोर दिया है। मैक्सिको के कई हिस्सों में इस मौत को लेकर नाराजगी और आक्रोश देखने को मिल रहा है। आम लोगों के बीच यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या बेहतर भविष्य की तलाश में सीमा पार करना अब जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है।

मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम पार्डो ने इस मामले को बेहद गंभीर बताते हुए अमेरिका से जवाब मांगा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रणाली की विफलता है, जो हिरासत में रखे गए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रही है। शीनबाम ने निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हाल के वर्षों में आईसीई हिरासत में प्रवासियों की मौत के कई मामले सामने आए हैं, जिससे अमेरिका की इमिग्रेशन नीतियों और डिटेंशन सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दौर में सख्त हुई नीतियों को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। उनके काल में मेक्सिको के 15 लोगों की आईसीई हिरासत में मौत हो चुकी है। मैक्सिको सरकार ने अमेरिका से मांग की है कि हिरासत केंद्रों की स्थिति में सुधार किया जाए, चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए और मैक्सिकन अधिकारियों को नियमित निरीक्षण की अनुमति दी जाए। साथ ही, यह भी संकेत दिए गए हैं कि जरूरत पड़ने पर इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जाया जाएगा, ताकि मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोका जा सके।

अमेरिका-ईरान संघर्ष की पृष्ठभूमि में इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका में जारी भीषण तनाव के बीच इजरायल और लेबनान में भी बातचीत हो रही है। लगभग 33 सालों में पहली बार लेबनान और इजरायल के बीच ये सीधी वार्ता है। इजरायल-लेबनान में वार्ता ऐसे समय में हो रही है, जब ईरान के साथ अमेरिका के संघर्ष जारी हैं और पहले राउंड की बातचीत बेनतीजा रही। आइए जानते हैं कि ईरान-अमेरिका तनाव के बीच लेबनान और इजरायल के बीच बातचीत के मायने क्या हैं।

मौजूदा हालात के बीच इजरायल और लेबनान की इस वार्ता को एक बड़े कूटनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि दोनों देशों के बीच इस बातचीत की मध्यस्थता अमेरिका कर रहा है। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो की मध्यस्थता में दोनों देशों के राजनयिकों के साथ यह बैठक की।

लेबनान और इजरायल के बीच लंबे समय से तनाव जारी है। खासतौर से ईरान के साथ संघर्ष के बीच दक्षिणी लेबनान में स्थित हिजबुल्लाह ने इजरायल के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। इससे पहले 7 अक्टूबर 2023 में इजरायल पर हमास के हमलों के दौरान भी हिजबुल्लाह ने इजरायल पर हमले किए थे।

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमले में ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई। खामेनेई के साथ-साथ इस हमले में ईरान के कई अन्य शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाया गया। अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान कई मोर्चों पर कमजोर हुआ है।

एक तरफ अमेरिका ईरान के साथ संघर्ष खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। हालांकि, दोनों पक्षों के बीच पाकिस्तान में पहले राउंड की वार्ता हुई, जिसका कोई नतीजा नहीं निकला। ईरान ने अमेरिका की शर्तें मानने से इनकार कर दिया। ऐसे में इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत हो रही है। दरअसल, दक्षिणी लेबनान में स्थित हिजबुल्लाह ईरान का प्रॉक्सी है। ऐसे में लेबनान के साथ कूटनीतिक बातचीत के जरिए अमेरिका और इजरायल ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

लेबनान और इजरायल के बीच अगर बात बन जाती है, तो हिजबुल्लाह के प्रभाव को कम किया जा सकेगा। इससे पहले भी लेबनानी सरकार ने हिजबुल्लाह की ओर से इजरायल पर किए गए हमलों की आलोचना की है। हिजबुल्लाह पर शिकंजा कसने के लिए लेबनानी सरकार ने हाल ही में गैर-सरकारी हथियार हटाने का आदेश दिया था। लेबनानी सरकार के इस कदम की इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सराहना भी की थी।

अमेरिका और इजरायल ईरान को कई मोर्चों पर घेरने की तैयारी कर रहा है। एक तरफ लेबनानी सरकार के साथ कूटनीतिक बातचीत के जरिए हिजबुल्लाह के जरिए ईरान को घेरने की कोशिश हो रही है, तो दूसरी तरफ होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी पोर्ट से आने-जाने वाले जहाजों के ब्लॉकेड का काम किया जा रहा है।

चूंकि, इजरायल ने एक बात साफ कर दी है कि अमेरिका और ईरान के बीच जो सीजफायर को लेकर वार्ता हुई या होने वाली है और जो पहले दो हफ्तों के लिए जो सीजफायर हुआ, वह लेबनान पर लागू नहीं होगा। अब इससे एक बात तो साफ है कि इजरायल लेबनान पर हमले जारी रखेगा। भले ही इजरायल इन हमलों में हिज्बुल्लाह को निशाना बना रहा है, लेकिन इसमें नुकसान लेबनान के लोगों और देश की संपत्ति का भी हो रहा है। ऐसे में लेबनान इस दबाव में आसानी से आ सकता है, जिससे हिज्बुल्लाह को निहत्था किया जा सकेगा।

यामी गौतम से तुलना पर मेधा शंकर बोलीं-फर्क नहीं पड़ता, मैं बस उनकी फैन हूं

मुंबई। अभिनेत्री मेधा शंकर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में लीड रोल निभाने के कारण उनकी तुलना पहली फिल्म की हीरोइन यामी गौतम से हो रही है, लेकिन मेधा ने इन तुलनाओं पर साफ कहा है कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मीडिया से खास बातचीत में मेधा शंकर ने बताया, 'ऐसा कुछ भी नहीं है। मैं यामी गौतम और आदित्य धर दोनों को बहुत पसंद करती हूं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि मैं उनकी कितनी बड़ी फैन हूं। यामी हमेशा से ही एक बेहतरीन अभिनेत्री रही हैं। कभी-कभी सम्मान मिलने में थोड़ा समय लग जाता है लेकिन उनका समय जरूर आएगा।

मेधा ने आगे जोड़ा, 'यह तुलना की बात नहीं है। मैं उन सभी लोगों से प्रेरित होती हूं जिन्होंने मुझसे पहले, बाद या साथ में बेहतरीन काम किया है। मैंने कभी किसी से अपनी तुलना नहीं की और अगर कोई दूसरा करता भी है तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'तुमपे ही प्यार आ गया' हाल ही में जारी किया है। इस गाने का संगीत सुशांत-शंकर की जोड़ी ने मिलकर तैयार किया जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। गाने को लेकर मेधा शंकर ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहली बार यह गाना सुना, तो मैं लिरिक्स में कहीं खो सी गई थी। यह सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि प्यार के अलग-अलग रंगों को दिखाने वाला एक अनुभव है। गिन्नी वेड्स सनी' का पहला भाग साल 2020 में रिलीज हुआ था। इस हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी में यामी गौतम और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। अब इसके सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नई जोड़ी नजर आएगी। फिल्म में मेधा शंकर के साथ अविनाश तिवारी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 24 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।'गिन्नी वेड्स सनी 2' में मेधा शंकर पहली बार रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में लीड रोल निभा रही हैं। दर्शक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्सुक हैं।

नीना गुप्ता ने गजराज राव संग तस्वीर साझा कर जाहिर की दिल की बात, बोलीं- 'फिर साथ काम करने का इंतजार'

मुंबई। फिल्मी दुनिया में कुछ जोड़ियां ऐसी बन जाती हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय तक याद रखते हैं। ऐसी ही एक जोड़ी है, अनुभवी अभिनेत्री नीना गुप्ता और अभिनेता गजराज राव की। इस कड़ी में नीना गुप्ता ने एक खास तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपनी दिल की बात जाहिर की, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

नीना गुप्ता द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में दोनों कलाकार बेहद सादगी के साथ कैमरे के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। नीना गुप्ता ने प्रिंटेड साड़ी पहन रखी है, वहीं गजराज राव भी अपने खास स्टाइल में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्लैक कलर की नेहरू जैकेट पहनी हुई है।

इस तस्वीर को साझा करते हुए नीना गुप्ता ने लिखा, ' 'मैं गजराज राव के साथ दोबारा काम करने का इंतजार कर रही हूं।

नीना गुप्ता के पोस्ट पर फैंस ने कमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं दी।

एक यूजर ने लिखा, ' 'आप दोनों को फिर साथ देखने का इंतजार है, क्या कमाल की जोड़ी है। दूसरे यूजर ने लिखा, ' 'बधाई हो वाली केमिस्ट्री आज भी याद है, फिर से साथ आओ प्लीज।

अन्य यूजर्स ने लिखा, ' 'आप दोनों साथ में स्क्रीन पर जादू कर देते हैं'', ' 'गजराज राव के साथ आपकी जोड़ी सबसे अलग लगती है'', ' 'जल्दी कोई नई फिल्म लेकर आइए साथ में प्लीज'', ' 'ओल्ड इज गोल्ड... आप दोनों की जोड़ी हमेशा सुपरहिट रहेगी।

बता दें कि नीना गुप्ता और गजराज राव की जोड़ी को सबसे ज्यादा पहचान साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'बधाई हो' से मिली थी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, सान्या मल्होत्रा ??और दिवंगत सुरेखा सीकरी जैसे कलाकार भी नजर आए थे। इस हिट जोड़ी ने साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' में भी काम किया था, जिसमें उन्होंने रूढ़िवादी माता-पिता की भूमिका निभाई थी।

नीना गुप्ता के साथ काम करने को लेकर एक इंटरव्यू में गजराज राव ने कहा था, ' 'मैं उनके साथ स्क्रीन शेयर करने में सहज महसूस करता हूं और उनके साथ आगे भी काम करना पसंद करूंगा।

अपने गाने से 'समोसे' को हिट बनाने वाले अक्षय कुमार खुद क्यों रहे इससे दूर? एक्टर ने किया खुलासा

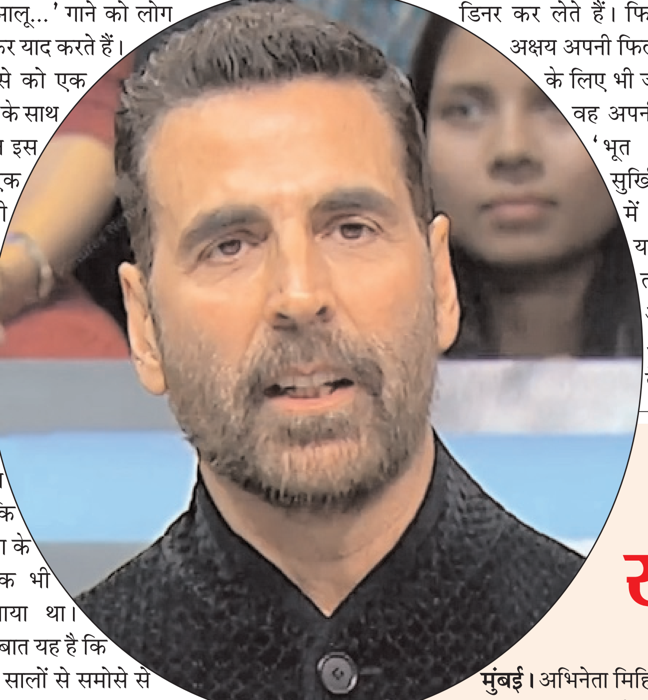

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के 'जब तक रहेगा समोसे में आलू...' गाने को लोग आज भी मुस्कुराकर याद करते हैं। इस गाने ने समोसे को एक रोमांटिक फीलिंग के साथ जोड़ा था। लेकिन इस गाने से जुड़ा एक किस्सा काफी दिलचस्प है। अक्षय कुमार ने खुद क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' को होस्ट करते हुए इस बात का खुलासा किया कि इस गाने की शूटिंग के दौरान उन्होंने एक भी समोसा नहीं खाया था। हैरान करने वाली बात यह है कि उन्होंने पिछले 15 सालों से समोसे से दूरी बनाई हुई है।

शो के दौरान अक्षय कुमार कंटेस्टेंट विधि भरानी, रिवाज घिमिरे और नीलम राजपूत से बातचीत कर रहे थे। बातचीत के बीच ही एक कंटेस्टेंट ने उनसे सवाल पूछा कि क्या यह सच है कि उन्होंने पिछले 15 सालों से एक भी समोसा नहीं खाया है। इस सवाल पर अक्षय ने जवाब देते हुए कहा, 'इसमें गलत क्या है?'

इसके बाद एक अन्य कंटेस्टेंट ने उनसे पूछा कि आखिर कोई इतना स्वादिष्ट स्नैक कैसे छोड़ सकता है। इस सवाल पर अक्षय कुमार ने अपनी असली वजह बताई। उन्होंने कहा, 'मैंने डाइटिंग या वजन बढ़ने की चिंता की वजह से समोसा खाना नहीं छोड़ा है बल्कि समोसा खाने से मुझे एसिडिटी हो जाती है। ऐसे में मुझे खुद को इससे दूर रखना पड़ता है, ताकि किसी तरह की परेशानी न हो।

अक्षय ने बातचीत के दौरान एक मजेदार किस्सा भी साझा किया। उन्होंने कहा, ' 'जब मैं 'जब तक रहेगा समोसे में आलू' गाने का शूट कर रहा था, तब भी मैंने एक भी समोसा नहीं खाया था।'' इस बात को सुनकर शो में मौजूद लोग हंस पड़े।

ता दें कि अक्षय कुमार खुद को बेहद फिट रखते हैं और हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करते हैं। कहा जाता है कि वह जल्दी उठते हैं और अपने खाने-पीने का भी खास तौर पर ध्यान रखते हैं। वह अक्सर शाम 7 बजे से पहले ही अपना डिनर कर लेते हैं। फिटनेस के साथ-साथ अक्षय अपनी फिल्मों में स्टंट खुद करने के लिए भी जाने जाते हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में है। इस फिल्म में उनके साथ राजपाल यादव, परेश रावल, तब्बू, वामिका गब्बी और दिवंगत अभिनेता असरानी भी दिखाई देंगे।

राधा का विरह और कर्तव्य की पुकार, 'कृष्णावतारम' में दिखेगा श्रीकृष्ण का दिव्य स्वरूप

मुंबई। आगामी महाकाव्य फिल्म 'कृष्णावतारम्' का ट्रेलर बुधवार को जारी कर दिया गया है। यह ट्रेलर भगवान श्री कृष्ण की दिव्य दुनिया की एक खूबसूरत झलक दिखाता है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे नियति उन्हें प्रिय राधा से दूर ले जाती है।

3 मिनट 30 सेकंड का ट्रेलर बहुत शानदार तरीके से पेश किया गया है। इसकी शुरुआत राधा और श्रीकृष्ण की रासलीला से होती है, जो देखने में बेहद आकर्षक लगती है। फिर, इसके बाद जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, तो कहानी और भावुक हो जाती है। इसमें

दिखाया जाता है कि श्रीकृष्ण को अपने कर्तव्य को निभाने के लिए अपने प्रेम का त्याग करना पड़ता है। ट्रेलर में वृंदावन का उनका बचपन, बांसुरी की मधुर धुन और राधा के साथ उनका प्यारा रिश्ता सभी का मन मोह लेता है। श्रीकृष्ण को प्रेम, दया और दिव्य शक्ति का प्रतीक बताया गया है।

आगे चलकर कुरुक्षेत्र के युद्ध का दृश्य दिखाया जाता है, जहां श्रीकृष्ण अर्जुन को सही रास्ता दिखाते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमेशा धर्म की जीत होती है और अधर्म का अंत होता है। श्रीकृष्ण महाभारत के मुख्य पात्र हैं। उन्होंने भगवदगीता के माध्यम से हमें कर्तव्य, धर्म और भक्ति का गहरा ज्ञान दिया है।

यह फिल्म भक्ति भाव को बड़े पर्दे पर जीवंत रूप में पेश करेगी। फिल्म की पटकथा प्रकाश कपाड़िया और राम मोरी ने लिखी है। अयनंका बोस ने इसकी सिनेमैटोग्राफी का काम संभाला है। संगीत प्रसाद एस का है, प्रोडक्शन डिजाइन चोक्कास भारद्वाज का, कॉस्ट्यूम निधि याशा के और गीत इरशाद कामिल के हैं।

हार्दिक गज्जर द्वारा निर्देशित फिल्म 'कृष्णावतारम्' को एए फिल्म्स दुनियाभर के सिनेमाघरों में 7 मई 2026 को रिलीज किया जाएगी।

मिहिर आहूजा ने की मोना सिंह की इरफान खान से तुलना, बोले- दोनों में खास क्वालिटी

मुंबई। अभिनेता मिहिर आहूजा अपनी प्राइम वीडियो पर हालिया रिलीज वेब सीरीज 'मां का सम' को मिल रही सराहना से उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने सीरीज के को-एक्टर मोना सिंह की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार कलाकार बताया। मिहिर का मानना है कि मोना में दिवंगत एक्टर इरफान खान की तरह खास क्वालिटी है।

मिहिर ने मोना सिंह की अभिनय प्रतिभा की खूब तारीफ की है। आईएएनएस से बातचीत में मिहिर ने मोना सिंह की तुलना दिवंगत महान अभिनेता इरफान खान से करते हुए कहा कि दोनों में एक खास क्वालिटी है – वे सेट के माहौल को पूरी तरह आत्मसात कर लेते हैं।

मिहिर और मोना सिंह हाल ही में वेब शो 'मां का सम' में साथ नजर आए थे। इस शो में मोना सिंह ने मिहिर आहूजा की मां 'विनीता' का किरदार निभाया है। मिहिर आहूजा ने मोना सिंह के बारे में बात करते हुए कहा, 'एक अभिनेता के तौर पर आप सेट पर उस वातावरण को

महसूस कर सकते हैं। मोना मैम भी ठीक उसी तरह करती हैं। मुझे लगता है कि इरफान सर के बारे में भी यही कहा जाता था कि वह सेट पर सबसे पहले पहुंच जाते थे और हर चीज को बहुत गौर से देखते थे। जब अभिनय किसी काम या गतिविधि के साथ घुल-मिल जाता है, तो वह असली लगने लगता है। मोना मैम में भी यही खूबी है।

मिहिर ने आगे कहा, 'मोना मैम सेट के माहौल को बहुत गहराई से समझती और अपनाती हैं। यह एक ऐसी बात है जिसे मैं अपने करियर में भी अपनाना चाहूंगा।

मोना सिंह के प्रोफेशनल रवैये की तारीफ करते हुए मिहिर ने बताया, 'अगर मैं उनके बारे में बोलना शुरू कर दूं तो यह सिलसिला कभी खत्म नहीं होगा। सबसे अच्छी बात जो मुझे उनमें बहुत पसंद है, वह है उनका समय का पाबंद होना।

वे कभी भी असिस्टेंट डायरेक्टर के बुलाने का इंतजार नहीं करतीं। अगर तैयार हो जाती हैं तो खुद ही सेट पर पहुंच जाती हैं। यह एक बहुत बड़ी सीख है जो मैं उनसे ले रहा हूं और अपनी जिंदगी में उतारने की कोशिश कर रहा हूं।

शो 'मां का सम' में मोना सिंह के अलावा शेफ रणवीर बराड़ भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आए थे।

भक्ति को नए अंदाज में पेश कर रहे अभिजीत घोषाल, 'शिव तांडव क्लब मिक्स' से युवाओं को जोड़ने की कोशिश

मुंबई। भक्ति संगीत का स्वरूप समय के साथ बदलता रहा है। आज की युवा पीढ़ी ऐसे अनुभव चाहती है, जो दिल से महसूस हों और ज्यादा जुड़ाव भरा रहे। इसी सोच के साथ, मासिक शिवरात्रि के मौके पर अभिजीत घोषाल अपना नया ट्रैक 'शिव तांडव क्लब मिक्स' लेकर आए हैं, जो भक्ति और आधुनिक संगीत के बीच एक पुल बनाने की कोशिश करता है।

मशहूर गायन मंच 'सा रे गा मा पा' से पहचान बनाने वाले अभिजीत घोषाल ने अपने नए ट्रैक 'शिव तांडव क्लब मिक्स' की घोषणा की है। यह प्रस्तुति पारंपरिक 'शिव तांडव' की भावना को बरकरार रखते हुए उसे एक नए अंदाज में पेश करती है। इस ट्रैक के जरिए उनका मकसद युवाओं को भक्ति संगीत से जुड़ा रखना है।

अभिजीत घोषाल ने कहा, ' 'इस रचना से मेरा जुड़ाव बहुत पुराना है। मैंने पहली बार 11वीं क्लास में 'शिव तांडव' पर काम किया था। उस समय जो अनुभव मिला, वह मेरे साथ लंबे समय तक बना रहा। समय के साथ मैंने इस पर कई प्रयोग किए और अब यह नया वर्जन उसी सफर का अगला कदम है। यह सिर्फ एक गाने का नया रूप नहीं है, बल्कि मेरी सोच का भी एक हिस्सा है।

उन्होंने कहा, ' 'इस नए ट्रैक को बनाने के पीछे का मकसद लोगों को आखिर तक गाने से जोड़े रखना है। मैं मानता हूं कि कई बार भक्ति गीतों में लोग शुरुआत में तो जुड़ते हैं, लेकिन धीरे-धीरे उनका ध्यान हट जाता है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए मैंने ऐसा संगीत तैयार करने की कोशिश की, जो लगातार ऊर्जा बनाए रखे और श्रोता को पूरे समय बांधे रखे।

'शिव तांडव क्लब मिक्स' में तेज बीट्स और आधुनिक म्यूजिक का इस्तेमाल किया गया है। इसको लेकर अभिजीत ने कहा, ' 'मैंने मूल रचना की भावना से कोई समझौता नहीं किया, बल्कि उसे आज के दौर के हिसाब से प्रस्तुत किया है।

व्यापारिक जहाजों पर हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य: एजेडईसी-प्लस मीटिंग में एस जयशंकर

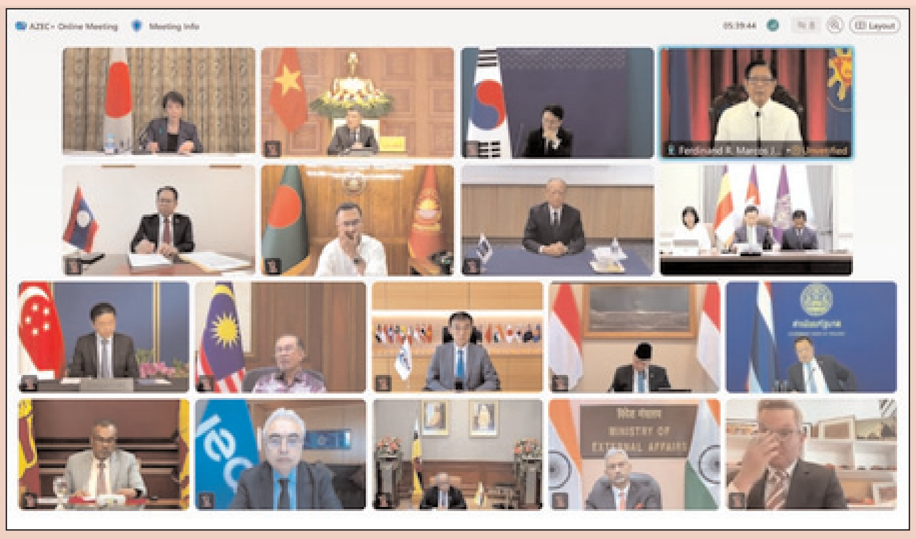

टोक्यो/नई दिल्ली । भारत ने ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) में व्यवधानों को लेकर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सुरक्षित और निर्बाध समुद्री परिवहन की आवश्यकता पर जोर दिया है।

जापान द्वारा आयोजित 'एजेडईसी' बैठक में भाग लेते हुए भारत ने स्पष्ट किया कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों की स्थिरता के लिए समुद्री मार्गों का सुरक्षित रहना बेहद जरूरी है। भारत ने कहा कि व्यापारिक जहाजों (मर्चेंट शिपिंग) पर किसी भी प्रकार के हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं, और इससे न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक असर पड़ता है।

बैठक के बाद विदेश मंत्री ने एक्स पर कहा, 'एनर्जी मार्केट में सप्लाई चेन में रुकावटों पर चर्चा करने के लिए जापान की ओर से बुलाई गई 'एजेडीईसी' मीटिंग में हिस्सा लिया। सुरक्षित और बिना रुकावट वाले समुद्री परिवहन को लेकर भारत की प्रतिबद्धता जताई।'

उन्होंने रेखांकित किया कि 'इन समुद्री मार्गों से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों पर किसी भी तरह का हमला हम स्वीकार नहीं करते हैं।

ग्लोबल ग्रोथ की मांग है कि ऊर्जा आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। बड़े उपभोक्ता के तौर पर भारत सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने के लिए अपने साझेदारों संग काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

बैठक के दौरान भारत ने सहयोग, समन्वय और सामूहिक प्रयासों के जरिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।जापान सरकार की तरफ से आयोजित 'एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी (एजेडईसी) प्लस ऑनलाइन समिट ऑन एनर्जी रेजिलिएंस' को मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर, थाईलैंड के पीएम अनुतिन चार्नविराकुल, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान समेत कई बड़े नेताओं ने भी वर्चुअली संबोधित किया।

मलेशिया, फिलीपींस, वियतनाम, तिमोर-लेस्ते, सिंगापुर, बांग्लादेश और थाईलैंड के नेताओं के अलावा, समिट में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, ब्रुनेई, श्रीलंका और इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) और एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) जैसे संगठनों के मंत्री भी शामिल हुए।

इब्राहिम ने कहा, 'मलेशिया एजेडईसी के जरिए क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि स्थिर, पर्याप्त और लचीली एनर्जी सप्लाई सुनिश्चित हो सके। लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) सहित एक ऊर्जा उत्पादक के तौर पर, मलेशिया क्षेत्रीय एनर्जी सुरक्षा को सपोर्ट करने में एक रचनात्मक भूमिका निभाता रहेगा।

अंबेडकर की संवैधानिक नैतिकता बिखरी हुई दुनिया में बहुपक्षवाद को मजबूत कर सकती है: पी हरीश

न्यूयॉर्क । भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश के अनुसार, बीआर अंबेडकर द्वारा दिया गया 'संवैधानिक नैतिकता' का सिद्धांत आज की उस दुनिया में बहुपक्षवाद को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकता है, जो संघर्षों और राजनीतिक विभाजनों से जूझ रही है।

मंगलवार को यहां अंबेडकर जयंती के मौके पर पी हरीश ने कहा कि भारतीय संविधान बनाने वाले का नैतिकता और कानून का नजरिया, जब बहुपक्षवाद पर लागू होता है, तो यूएन में सुधार और उसे फिर से जिंदा करने में मदद कर सकता है।

अंबेडकर की 135वीं जयंती पर यहां एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 'डॉ. बीआर अंबेडकर का संवैधानिक नैतिकता का नजरिया और बहुपक्षवाद के लिए इसकी अहमियत' पर चर्चा हुई।

अंबेडकर के काम के जानकार राजा शेखर वुंडरू ने कहा कि दो विश्व युद्ध देखने और यूएन को बनते देखने के बाद, उन्होंने बहुपक्षवाद की अहमियत को पहचाना।

हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव वुंडरू, 'अंबेडकर, गांधी और पटेल: द मेकिंग ऑफ इंडियाज इलेक्टोरल सिस्टम' के लेखक हैं। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने जो भारतीय संविधान बनाया, वह शांति के लिए यूएन के चार्टर की भावना को दिखाता है।

संवैधानिक नैतिकता के बारे में अंबेडकर के विचार बहुपक्षवाद और यूएन चार्टर के पालन को बढ़ावा दे सकते हैं।

हार्वर्ड डिविनिटी स्कूल में विजिटिंग प्रोफेसर संतोष राउत ने कहा कि अंबेडकर संविधान को सामाजिक न्याय और आर्थिक बदलाव का जरिया मानते थे, ये विचार इन क्षेत्रों में यूएन के लक्ष्यों के लिए जरूरी हैं।

बौद्ध धर्म के जानकार ने कहा कि नैतिकता वह ताकत है जो यूएन चार्टर जैसे लिखे हुए ग्रंथों की भावना को लागू करने में मदद करती है और अंबेडकर ने इसकी पहले से ही कल्पना कर ली थी।

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद सऊदी-तुर्किए और कतर दौरे पर जाएंगे पीएम शहबाज

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान में बातचीत का पहला राउंड इस्लामाबाद में हुआ। हालांकि, इस वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकला और दोनों पक्षों के बीच यह बैठक विफल रही। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जानकारी दी कि दोनों पक्षों के बीच वार्ता का दूसरा राउंड भी इस्लामाबाद में ही होने की उम्मीद है। इस बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बुधवार को सऊदी अरब, तुर्किए और कतर के दौरे पर जा रहे हैं।

पीएम शहबाज चार दिनों में तीन देशों का दौरा करने वाले हैं। पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आज सऊदी अरब, तुर्किए और कतर के आधिकारिक दौरे पर इस्लामाबाद से जेद्दा के लिए रवाना होंगे।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ 15-18 अप्रैल तक सऊदी अरब, कतर और तुर्किए के आधिकारिक दौरे पर जाएंगे।'

डॉन ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। पीएम शहबाज क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान सहित टॉप सऊदी लीडरशिप के साथ मीटिंग करेंगे।पीएम शहबाज सऊदी अरब के बाद तुर्किए जाएंगे और पीएम रेसेप तैयप एर्दोगन समेत तुर्किए के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वह कतर जाएंगे।सऊदी अरब और कतर में पाकिस्तानी पीएम द्विपक्षीय बैठक में चल रहे द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर चर्चा करेंगे। तुर्किए में, वह पांचवें अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम में हिस्सा लेंगे और पाकिस्तान का पक्ष रखेंगे।

बता दें, पाकिस्तानी पीएम का ये दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर को लेकर दूसरे राउंड की वार्ता होने वाला है। इससे पहले कतर, मिस्र और तुर्किए ने पाकिस्तान में ईरान के साथ पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर बैठक की थी।वहीं अटकलें ये भी लगाई जा रही है कि पीएम शहबाज विदेश दौरे पर अमेरिका-ईरान के बीच विफल बातचीत की जानकारी भी दे सकते हैं। बता दें, अमेरिका और ईरान के बीच सुलह कराने के लिए पाकिस्तान खुद को एक मध्यस्थ के रूप में गंभीर तौर पर दिखा रहा है।

ट्रंप-स्टार्मर में बढ़ती दूरी के बीच किंग चार्ल्स जाएंगे अमेरिका, क्या ये डैमेज कंट्रोल की कोशिश?

लंदन । पश्चिम एशिया संकट के बीच बकिंघम पैलेस ने किंग चार्ल्स तृतीय के अमेरिका दौरे की घोषणा की है। पैलेस ने बताया कि किंग की चार दिवसीय स्टेट विजिट 27 अप्रैल से शुरू होगी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान संघर्ष को लेकर असहमति सुर्खियों में है। ऐसे हालात में किंग के दौरे को लेकर कई सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

बकिंघम पैलेस ने बताया कि किंग चार्ल्स तृतीय अपने पहले आधिकारिक दौरे पर अमेरिकी संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगे। भाषण ऐसा होगा जिसमें 'साझा इतिहास' की बात होगी। किंग के साथ क्वीन कैमिल भी होंगी।

पैलेस ने जो बयान जारी किया है उसके मुताबिक ये दौरा, 'हम दोनों देशों के साझा इतिहास' के साथ-साथ मौजूदा रिश्तों को भी 'बड़ी' पहचान देगा।

ईरान संघर्ष को लेकर ट्रंप और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच खुली असहमति छुपी हुई बात नहीं है। ब्रिटिश मीडिया का दावा है कि मौजूदा हालात के मद्देनजर कुछ ब्रिटिश नेताओं ने किंग से यात्रा रद्द करने की सिफारिश की थी।

स्टार्मर का बयान भी अहम है। जिन्होंने सोमवार को कहा कि हो सकता है यात्रा 'बहुत जरूरी' होगी, और भरोसा भी दिलाया कि राजशाही की ओर से बनाए रिश्ते 'दशकों तक चल सकते हैं'।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी अपनी खुशी का इजहार ट्रुथ सोशल पर किया। कहा वाकई यह यात्रा 'बहुत शानदार होगी'। अमेरिकी स्पीकर माइक जॉनसन ने बताया कि चार्ल्स 28 अप्रैल को कांग्रेस को संबोधित करेंगे, हालांकि बकिंघम पैलेस ने तय भाषण की निश्चित तारीख का खुलासा नहीं किया।

गल्फ वॉर के तुरंत बाद 1991 में एलिजाबेथ द्वितीय ने कांग्रेस को संबोधित किया था। अब बेटे चार्ल्स बतौर राजा वही जिम्मेदारी निभाएंगे।

वॉशिंगटन में, राजा और कैमिला, ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया के साथ समय बिताएंगे। फिर एक स्टेट डिनर और मिलिट्री रिव्यू में शामिल होंगे।

शाही जोड़े ने सितंबर में ट्रंप की एक शानदार स्टेट विजिट पर मेजबानी की थी, जिसमें विंडसर कैसल में डिनर भी शामिल था।

ये दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब ट्रंप और स्टार्मर के मतभेद जगजाहिर हो गए हैं। ईरान संघर्ष के दौरान अपनी मदद न करने का आरोप ट्रंप बार-बार कीर स्टार्मर पर लगाते रहे हैं।

पाकिस्तान के पुलिस महकमे में लैंगिक असमानता जबरदस्त, महिलाओं की तादाद बेहद कम: रिपोर्ट

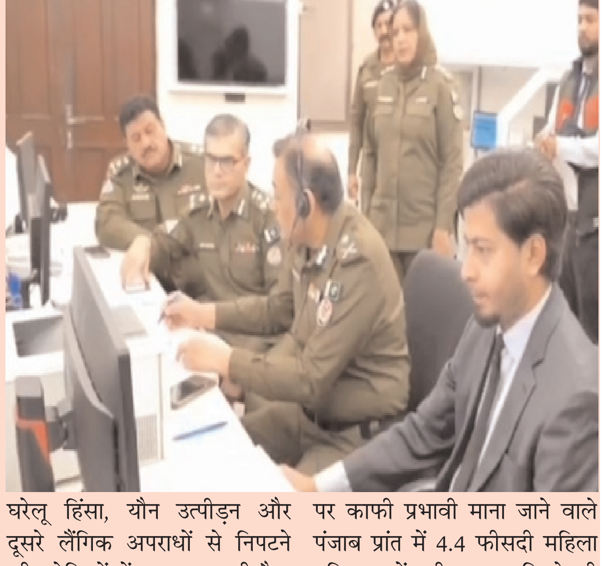

लंदन। पाकिस्तान की पुलिस फोर्स में महिलाओं की हिस्सेदारी बहुत कम है, जो कुल वर्कफोर्स का तीन फीसदी से भी कम है। इसका नकारात्मक असर भी देश और समाज पर दिखने लगा है।

एक रिपोर्ट आंकड़ों की जुबानी बदहाली की दास्तां सुनाती है। इसके अनुसार महिलाओं की कमी से कई अपराध दर्ज ही नहीं होते हैं। कई और परेशानियां खड़ी होती हैं, जैसे- 'जेंडर क्राइम में जांच की दिशा गलत होती है, कानूनी नियमों का पालन नहीं किया जाता है, नतीजतन न्याय नहीं मिलता और पुलिस के प्रति अविश्वास भी बढ़ता है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2024 में पाकिस्तान 146 देशों में 145वें स्थान पर था — जो गहरी जड़ें जमा चुकी लैंगिक असमानता को दिखाता है।

यूके के अखबार 'एशियन लाइट' की रिपोर्ट बताती है कि, 'पाकिस्तान साउथ एशिया के देशों से बहुत पीछे है। यहां पुलिस महकमे में महज 3 फीसदी महिलाएं कार्यरत हैं। इसकी हालत अफगानिस्तान जितनी ही खराब है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, नेपाल में महिला पुलिस कर्मचारियों की संख्या 11.73 फीसदी, श्रीलंका में 11.5 फीसदी, बांग्लादेश में 8.63 फीसदी जबकि भारत में कुल पुलिस वर्कफोर्स में महिला कर्मचारियों की संख्या 12.60 फीसदी है।

इस्लामाबाद के एक समाज सेवी संगठन 'अकाउंटेबिलिटी लैब पाकिस्तान' के प्रकाशित 'पॉलिसी ब्रीफ डॉक्यूमेंट' का हवाला देते हुए कहा गया है कि कम प्रतिनिधित्व ने घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और दूसरे लैंगिक अपराधों से निपटने की कोशिशों में रुकावट डाली है।

दस्तावेज के हवाले से रिपोर्ट बताती है कि 'पुलिस में 3 फीसदी महिलाओं के साथ पाकिस्तान न सिर्फ इस इलाके में बल्कि पूरी दुनिया में जिल्लत का पात्र बनता है। पुलिस में महिलाओं का प्रतिनिधित्व न होने से पाकिस्तान में महिलाओं के लिए न्याय की अपेक्षा दूर की कौड़ी साबित होती है।'

पाकिस्तान के अलग-अलग राज्यों में लैंगिक असमानता को लेकर, रिपोर्ट में बताया गया है कि सिंध में पुलिस फोर्स में महिलाओं की संख्या सिर्फ 2.62 फीसदी, खैबर पख्तूनख्वा में 1.46 फीसदी और बलूचिस्तान में 1.74 फीसदी है। रिपोर्ट में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) की बहुत खराब तस्वीर बताई गई है, जहां महिलाओं की नुमाइंदगी महज 2.48 फीसदी और 3.36 फीसदी हैं। सियासी तौर पर काफी प्रभावी माना जाने वाले पंजाब प्रांत में 4.4 फीसदी महिला पुलिसवालों की ज्यादा हिस्सेदारी होने के बावजूद — जमीनी हकीकत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है।

रिपोर्ट में पंजाब के कसूर इलाके की एक 13 साल की रेप पीड़िता का जिक्र है, जिसने पाकिस्तानी कोर्ट से आरोपी के बरी होने के बाद खुद को आग लगा ली थी।पुलिस फोर्स में औरतों के गिरते प्रतिनिधित्व और न्यायिक व्यवस्था में लीगल अकाउंटेबिलिटी की कमी पर गंभीर चिंता जताते हुए, पेशावर के शोधार्थी फुरकान अली ने एशियन लाइट के हवाले से कहा: 'पाकिस्तान में जेंडर-बेस्ड क्राइम के लिए सजा की दर बहुत कम हैं। रेप और ऑनर किलिंग के लिए 0.5 फीसदी, किडनैपिंग के लिए 0.1 फीसदी और घरेलू हिंसा के लिए महज 1.3 फीसदी है।

पुलिस फोर्स में महिलाओं की संख्या सिर्फ 1-1.5 फीसदी होने की वजह से जांच हर स्तर पर प्रभावित होती है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष की पृष्ठभूमि में इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत, जानें क्या हैं इसके मायने?

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका में जारी भीषण तनाव के बीच इजरायल और लेबनान में भी बातचीत हो रही है। लगभग 33 सालों में पहली बार लेबनान और इजरायल के बीच ये सीधी वार्ता है। इजरायल-लेबनान में वार्ता ऐसे समय में हो रही है, जब ईरान के साथ अमेरिका के संघर्ष जारी हैं और पहले राउंड की बातचीत बेनतीजा रही। आइए जानते हैं कि ईरान-अमेरिका तनाव के बीच लेबनान और इजरायल के बीच बातचीत के मायने क्या हैं।

मौजूदा हालात के बीच इजरायल और लेबनान की इस वार्ता को एक बड़े कूटनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि दोनों देशों के बीच इस बातचीत की मध्यस्थता अमेरिका कर रहा है। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो की मध्यस्थता में दोनों देशों के राजनयिकों के साथ यह बैठक की।

लेबनान और इजरायल के बीच लंबे समय से तनाव जारी है। खासतौर से ईरान के साथ संघर्ष के बीच दक्षिणी लेबनान में स्थित हिजबुल्लाह ने इजरायल के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। इससे पहले 7 अक्टूबर 2023 में इजरायल पर हमास के हमलों के दौरान भी हिजबुल्लाह ने इजरायल पर हमले किए थे।

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमले में ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई। खामेनेई के साथ-साथ इस हमले में ईरान के कई अन्य शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाया गया। अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान कई मोर्चों पर कमजोर हुआ है।

एक तरफ अमेरिका ईरान के साथ संघर्ष खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। हालांकि, दोनों पक्षों के बीच पाकिस्तान में पहले राउंड की वार्ता हुई, जिसका कोई नतीजा नहीं निकला।

ईरान ने अमेरिका की शर्तें मानने से इनकार कर दिया। ऐसे में इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत हो रही है। दरअसल, दक्षिणी लेबनान में स्थित हिजबुल्लाह ईरान का प्रॉक्सी है। ऐसे में लेबनान के साथ कूटनीतिक बातचीत के जरिए अमेरिका और इजरायल ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

लेबनान और इजरायल के बीच अगर बात बन जाती है, तो हिजबुल्लाह के प्रभाव को कम किया जा सकेगा। इससे पहले भी लेबनानी सरकार ने हिजबुल्लाह की ओर से इजरायल पर किए गए हमलों की आलोचना की है। हिजबुल्लाह पर शिकंजा कसने के लिए लेबनानी सरकार ने हाल ही में गैर-सरकारी हथियार हटाने का आदेश दिया था। लेबनानी सरकार के इस कदम की इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सराहना भी की थी।

अमेरिका और इजरायल ईरान को कई मोर्चों पर घेरने की तैयारी कर रहा है। एक तरफ लेबनानी सरकार के साथ कूटनीतिक बातचीत के जरिए हिजबुल्लाह के जरिए ईरान को घेरने की कोशिश हो रही है, तो दूसरी तरफ होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी पोर्ट से आने-जाने वाले जहाजों के ब्लॉकेड का काम किया जा रहा है।

अमेरिका के बिना होर्मुज मिशन की योजना बना रहा है यूरोप : रिपोर्ट

वाशिंगटन। यूरोपीय देश अमेरिका और ईरान के बीच एक महीने से ज्यादा समय तक चले संघर्ष के बाद होर्मुज स्ट्रेट को लेकर एक योजना तैयार कर रहे हैं। यूरोपीय देश यह योजना होर्मुज स्ट्रेट से बिना अमेरिका के सीधे दखल के शिपिंग को सुरक्षित करने के लिए बना रहे हैं। ईरान-अमेरिका संघर्ष के दौरान ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को नया रूप दिया है।

बता दें, ट्रांस-अटलांटिक अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय संघ के बीच एक रणनीतिक, सुरक्षा, राजनीतिक और आर्थिक साझेदारी है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से विश्व व्यवस्था की आधारशिला माना जाता रहा है।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन और फ्रांस की अगुवाई में एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत लड़ाई समाप्त होने के बाद समुद्री मार्गों पर भरोसा बहाल करने के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाया जाएगा।

अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस पहल में समुद्र में बिछी माइंस को हटाने के अभियान (माइन-क्लियरिंग ऑपरेशन) और नौसेना की तैनाती जैसे कदम शामिल होंगे। हालांकि, अमेरिका, इजरायल और ईरान जैसे सीधे तौर पर संघर्ष में शामिल देशों को इस गठबंधन से बाहर रखा जाएगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह मिशन डिफेंसिव होगा। यूरोपीय जहाज अमेरिकी कमांड के तहत काम नहीं करेंगे। इसका मकसद शिपिंग कंपनियों को यह भरोसा दिलाना है कि लड़ाई रुकने के बाद वापस लौटना सुरक्षित है। यह प्लान तभी लॉन्च किया जाएगा जब शांति बहाल हो जाएगी। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने कहा कि गठबंधन ईरान और ओमान सहित स्ट्रेट से सटे देशों के साथ सहयोग करेगा। इससे पता चलता है कि किसी भी डिप्लॉयमेंट के लिए तेहरान की मंजूरी की जरूरत हो सकती है। जर्मनी से एक अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। बर्लिन लंबे समय से विदेशी मिलिट्री ऑपरेशन को लेकर सतर्क रहा है। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि वह जहाज और सर्विलांस एसेट्स दे सकता है, जिससे मिशन और भी अहम हो जाएगा। इस प्लान के तीन मुख्य मकसद हैं। पहला, लॉजिस्टिक्स तैयार करना ताकि स्ट्रेट में फंसे सैकड़ों जहाज निकल सकें। दूसरा, लड़ाई की शुरुआत में ईरान द्वारा पानी के रास्ते के कुछ हिस्सों में माइनिंग करने के बाद बड़े पैमाने पर डीमाइनिंग करना। तीसरा, सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने के लिए नेवल एस्कॉर्ट्स और सर्विलांस तैनात करना।

विश्लेषकों का मानना है कि डीमाइनिंग में समय लगेगा। यूरोप के पास अमेरिका के मुकाबले ऐसी ज्यादा क्षमता हैं, जिसने अपने माइनस्वीपिंग फ्लीट को कम कर दिया है। सीजफायर के बाद भी, इंश्योरेंस कंपनियों और शिपर्स को भरोसा दिलाने के लिए पश्चिमी नेवी की मौजूदगी की जरूरत पड़ सकती है। यूरेशिया समूह के मुजतबा रहमान ने कहा, 'जहाजों की सुरक्षा के लिए किसी न किसी पॉइंट पर एस्कॉर्ट सिस्टम या किसी कॉन्वॉय की जरूरत होगी।

तकनीक कभी भी करुणा, ईमानदारी और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान नहीं ले सकती : राष्ट्रपति मुर्मु

नागपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को महाराष्ट्र के नागपुर में एम्स नागपुर के दीक्षांत समारोह में शामिल हुई। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं है, यह संवेदनशीलता के साथ मानवता की सेवा करने का माध्यम है। एक डॉक्टर न केवल बीमारियों का इलाज करता है, बल्कि बीमार लोगों के मन में आशा भी जगाता है।

उन्होंने कहा कि डॉक्टरों द्वारा दी जाने वाली सहानुभूतिपूर्ण सलाह न केवल रोगी को, बल्कि उनके परिवार को भी शक्ति प्रदान करती है। अक्सर, डॉक्टरों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, फिर भी, ऐसी परिस्थितियों में भी, उन्हें रोगी और उनके परिवार के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखनी चाहिए। रोगियों और उनके परिवारों को भी हमेशा चिकित्सा पेशेवरों के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए। यह डॉक्टर और रोगी के बीच विश्वास के बंधन को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य राष्ट्र की प्रगति के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उनका व्यक्तिगत कल्याण। नागरिकों के स्वस्थ रहने और राष्ट्र निर्माण में अपनी पूरी क्षमता से योगदान देने में सक्षम होने के लिए, भारत सरकार ने पिछले एक दशक में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। देशभर में नए एम्स की स्थापना से न केवल बेहतर चिकित्सा उपचार तक पहुंच बढ़ी है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा के अवसर भी व्यापक हुए हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि स्थापना के कुछ ही वर्षों के भीतर, एम्स नागपुर ने चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के अग्रणी केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर ली है।उन्होंने आगे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में तीव्र परिवर्तन का समय है। विश्व भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और उन्नत अनुसंधान जैसी नई तकनीकों के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। हमें इन परिवर्तनों को अपनाते हुए आगे बढ़ना चाहिए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं में मौजूद असमानता को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सभी तक पहुंचे, तकनीकी विकास का लाभ उठाया जाना चाहिए। उन्होंने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि एम्स नागपुर इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

ममता सरकार ने दार्जिलिंग हिल्स के मुद्दों पर चर्चा करने से किया इनकार: अमित शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि पिछले डेढ़ साल में उत्तर पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सेओंग की पहाड़ियों में रहने वाले लोगों के मुद्दों और वहां रहने वाले गोरखाओं की मांगों पर चर्चा करने के लिए बैठक के तीन प्रस्तावों को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार ने खारिज कर दिया।

बुधवार सुबह उन्हें दार्जिलिंग के लेबोंग ग्राउंड में एक पब्लिक मीटिंग करनी थी लेकिन खराब मौसम की वजह से उनका हेलीकॉप्टर वहां लैंड नहीं कर सका, इसलिए पब्लिक रैली में सात मिनट का एक वीडियो मैसेज चलाया गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने वीडियो मैसेज में कहा कि मैंने पिछले डेढ़ साल में पहाड़ियों और गोरखाओं के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तीन बार मीटिंग की बात की लेकिन ममता बनर्जी ने इस मामले पर चर्चा करने के लिए अपना कोई प्रतिनिधि नई दिल्ली नहीं भेजा। वह नहीं चाहतीं कि दार्जिलिंग में रहने वाले गोरखाओं को न्याय और उनके जायज अधिकार मिलें।

गृह मंत्री ने कहा कि आप चिंता न करें। 5 मई को राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद, हमारा पहला काम गोरखाओं की समस्याओं को हल करना होगा। गोरखालैंड आंदोलन को लेकर गोरखाओं के खिलाफ पहले दर्ज की गई सभी शिकायतें और केस वापस ले लिए जाएंगे। बैठक में न पहुंच पाने का अफसोस जताते हुए उन्होंने कहा कि वह 21 अप्रैल को फिर से दार्जिलिंग जिले के सुकना आएंगे, जो 23 अप्रैल को होने वाले दो फेज के पहले चुनाव के कैंपेन का आखिरी दिन होगा। उन्होंने कहा कि मैं पिछले कुछ दिनों से राज्य में घूम रहा हूं। मेरा अनुभव कहता है कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पक्की है। तब गैरकानूनी घुसपैठ, भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी के दिन खत्म हो जाएंगे।

संक्षिप्त खबर

श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन के बाद पुलिस का एक्शन, भ्रामक पोस्ट करने वालों के खिलाफ एफआईआर

नोएडा। नोएडा में हाल ही में हुए श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन के बाद पुलिस ने अब सख्त रुख अपनाते हुए सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ सामग्री साझा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों समेत कुल 6 व्यक्तियों पर अब तक तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं।

पुलिस के अनुसार, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की दो नेशनल स्पोक्सपर्सन—प्रियंका भारती और कंचना यादव—के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इन दोनों पर आरोप है कि इन्होंने सोशल मीडिया पर एक पुराना या असंबंधित वीडियो नोएडा का बताकर साझा किया, जिससे शहर के विभिन्न इलाकों में भय और अविश्वास का माहौल पैदा हो गया।

पुलिस का कहना है कि यह कृत्य सुनियोजित तरीके से किया गया, ताकि पुलिस की छवि को धूमिल किया जा सके और लोगों को भड़काया जा सके। पुलिस ने इन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(1)(बी) के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 और 66डी के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

अधिकारियों का मानना है कि इस तरह के भ्रामक नैरेटिव कानून-व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। इसी मामले में एक अन्य एफआईआर थाना सेक्टर-20 में दर्ज की गई है, जिसमें अनुषी तिवारी और मीर इलयासी के नाम शामिल हैं। एफआईआर के अनुसार, दोनों का संबंध कांग्रेस पार्टी से बताया गया है।

आरोप है कि अनुषी तिवारी ने सोशल मीडिया पर यह दावा किया था कि नोएडा में पुलिस की गोलीबारी में 14 लोगों की मौत हो गई और 32 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने इस दावे को पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताया है। पुलिस का कहना है कि इन पोस्टों के कारण शहर में तनाव बढ़ा, जिसके चलते कुछ स्थानों पर आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आईं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने में इन भ्रामक पोस्टों की बड़ी भूमिका रही है।

नोएडा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी अपुष्ट जानकारी को साझा करने से बचें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

'विकसित भारत 2047' का सेतु बनेगा एआई, एआई तकनीक नहीं बल्कि मानवीय क्रांति: सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली। नई दिल्ली में बुधवार को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) का 72वां संस्थापक दिवस समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शामिल हुए। उन्होंने 'सुशासन के लिए एआई' विषय पर 5वां डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्षिक स्मारक व्याख्यान भी दिया और आधुनिक शासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका पर लोगों को जानकारी दी।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकष्णन ने अपने संबोधन की शुरुआत में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने डॉ. प्रसाद की सादगी, ईमानदारी और सार्वजनिक जीवन के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन इस बात का प्रतीक है कि सच्चा शासन सत्ता नहीं बल्कि सेवा का माध्यम होता है।उन्होंने सोमनाथ मंदिर की उनकी ऐतिहासिक यात्रा का भी उल्लेख किया, जिसे उन्होंने अपने सिद्धांतों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान समय मानव इतिहास का एक महत्वपूर्ण दौर है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शासन प्रणाली को नई दिशा दे रहा है। एआई सरकारों को नागरिकों को बेहतर ढंग से समझने, त्वरित प्रतिक्रिया देने और अधिक प्रभावी सेवा प्रदान करने की क्षमता दे रहा है। उनके अनुसार, एआई का उपयोग शासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और समावेशी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए, उन्होंने एआई को इस दिशा में एक प्रमुख सहायक बताया। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना संभव हो रहा है और इससे संसाधनों के दुरुपयोग में कमी आ रही है।

उन्होंने कहा कि यह तकनीक नीति और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य कर रही है, जिससे डेटा-आधारित निर्णय लेने और सेवा वितरण में सुधार हो रहा है। उन्होंने युवाओं और पेशेवरों से अपील की कि वे नई तकनीकों को अपनाएं और 'एआई-रेडी वर्कफोर्स' के निर्माण में योगदान दें। साथ ही उन्होंने एआई के नैतिक उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तकनीकी विकास को निष्पक्षता, जवाबदेही और मानवता के मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए।

राजस्थान का बाड़मेर 41.6 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म, कोटा 41.5 डिग्री के साथ दूसरे स्थान पर

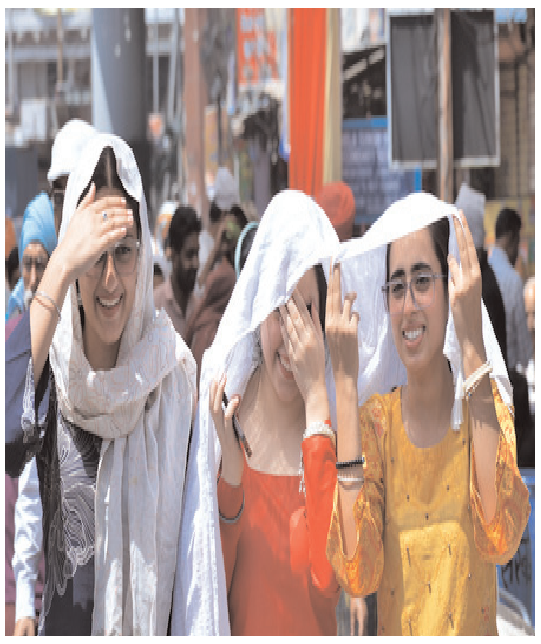

जयपुर । राजस्थान में पिछले 24 घंटों में तापमान में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बाड़मेर राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद कोटा दूसरे स्थान पर रहा जहां पारा 41.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

सोमवार को बाड़मेर और जैसलमेर में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था, जबकि बुधवार को कोटा में पारा 41 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। चुरू और चित्तौड़गढ़ भी पीछे नहीं रहे और इन शहरों में भी तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा।

गर्मी बढ़ने के साथ ही पश्चिमी राजस्थान में दिन के समय गर्म हवाएं चलने लगी हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि 17 अप्रैल से राज्य के कई हिस्सों में लू चलने की संभावना है।

मंगलवार सुबह से शाम तक राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ रहा। तेज धूप के कारण कई जिलों में दिन के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हुई। इसी दौरान बाड़मेर में 41.6 डिग्री और कोटा में 41.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

वहीं, जैसलमेर और चुरू में भी गर्मी का असर साफ दिखा, जहां अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

हालांकि, शाम के समय मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिला। झुंझुनू, सीकर और अलवर के कुछ हिस्सों में हल्के बादल छाए और ठंडी हवाएं चलीं, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। 17 अप्रैल को श्री गंगानगर, जैसलमेर और बाड़मेर में लू चल सकती है जबकि 18 अप्रैल को श्रीगंगानगर और बाड़मेर में यह स्थिति बनी रहने का अनुमान है।

लोगों को सलाह दी गई है कि वे गर्मी से बचाव के उपाय अपनाएं क्योंकि आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं।

मध्य प्रदेश में हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल के नतीजे घोषित किए गए

भोपाल। मध्य प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जाने वाली हायर सेकेंडरी (12) और हाई स्कूल(10) परीक्षाओं के नतीजे बुधवार को घोषित कर दिए गए हैं। इन परीक्षाओं में सरकारी विद्यालयों के नतीजे बेहतर रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को एक समारोह में स्कूली शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह सहित माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारियों की मौजूदगी में हायर सेकेंडरी और हाई स्कूल परीक्षा के नतीजे घोषित किया।

हायर सेकेंडरी परीक्षा के नतीजे में सरकारी विद्यालयों का परीक्षा प्रतिशत 80.43 और अशासकीय विद्यालय का परीक्षा परिणाम 69.67 प्रतिशत रहा। वही नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा फल 76.01 प्रतिशत और स्वाध्यायी विद्यार्थियों का 30.60 प्रतिशत रहा है। नियमित छात्राओं का परीक्षा परिणाम छात्रों से बेहतर रहा है। यह परीक्षा परिणाम बाइट 16 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ है।

बात मेरिट सूची की करें तो जहां छात्रों की संख्या 63 है वही छात्राएं 158 है। राज्य में हायर सेकेंडरी स्कूल की परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित की गई थी जिसमें 6 लाख 89 हजार 746 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे। इस परीक्षा के दौरान राज्य में 71 नकल प्रकरण बने थे। हाई स्कूल नतीजे के नतीजे में शासकीय विद्यालयों का परीक्षाफल 76.80 प्रतिशत और अशासकीय विद्यालय का परीक्षाफल 68.64 प्रतिशत रहा है।

इस तरह शासकीय विद्यालयों का परीक्षा फल अशासकीय विद्यालयों से बेहतर है, इसमें नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षाफल 73.42 प्रतिशत और स्वाध्यायी परीक्षार्थियों का परीक्षाफल 26.38 प्रतिशत रहा है।

हाई स्कूल परीक्षा की मेरिट सूची पर गौर करें तो 378 परीक्षार्थियों की मेरिट सूची में आए परीक्षार्थियों में छात्राओं की संख्या 235 और छात्रों की संख्या 143 है। इस तरह प्रवीण सूची में छात्रों की तुलना में छात्रों की संख्या ज्यादा है।

रांची में अवैध हथियार तस्करी के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़, बिहार से जुड़ा कनेक्शन, तीन आरोपी गिरफ्तार

रांची । रांची पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा करते हुए गिरोह के तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि यह गिरोह बिहार से हथियार लाकर झारखंड के विभिन्न इलाकों में सप्लाई करता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मांडर निवासी विशाल सिंह, चान्हों के अभिषेक शर्मा और करण गोप के रूप में हुई है।

ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि इस पूरे नेटवर्क की कड़ी 13 अप्रैल की रात मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान हाथ लगी। पुलिस ने एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली, जिसमें दो युवकों के पास से पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए युवकों ने पूछताछ में खुलासा किया कि उन्हें हथियारों की आपूर्ति मांडर के करगे गांव निवासी विशाल सिंह करता है।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विशाल सिंह के घर पर छापेमारी की और उसे धर दबोचा। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि विशाल ने अपने घर को ही अवैध हथियारों का स्टॉक रखने का अड्डा बना रखा था। विशाल ने पुलिस को बताया कि उसे हथियारों की खेप अभिषेक शर्मा पहुंचाता है, जो बिहार से हथियार लाकर यहां ऊंचे दामों पर बेचता था।

अभिषेक के खिलाफ पहले भी आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए पुलिस ने मांडर के हातमा जंगल में घेराबंदी कर अभिषेक शर्मा और उसके साथी करण गोप को भी गिरफ्तार कर लिया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अपराधियों के पास से तीन देशी पिस्टल, दस जिंदा गोलियां, चार मैगजीन और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह शुरुआत में छोटे स्तर पर सक्रिय था, लेकिन धीरे-धीरे इसने अपना नेटवर्क राज्य के कई इलाकों में फैला लिया।

ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर पहुंचे भारत, द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा

नई दिल्ली । ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर बुधवार को अपने पहले आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचे। क्रिश्चियन स्टॉकर इस दौरे पर व्यापार, निवेश और नई तकनीक जैसे खास क्षेत्रों में आपसी संबंधों को मजबूत करने पर जोर देंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर का भारत के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर गर्मजोशी से स्वागत है। एयरपोर्ट पर युवा मामले और खेल मंत्री रक्षा खडसे ने उनका स्वागत किया। भारत और ऑस्ट्रिया के बीच अच्छे और दोस्ताना संबंध हैं। चांसलर स्टॉकर के दौरे से 'बेहतर भारत-ऑस्ट्रिया पार्टनरशिप' को और बढ़ावा मिलेगा। स्टॉकर पहली बार चार दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे हैं और 2025 में ऑफिस संभालने के बाद एशिया का उनका पहला आधिकारिक दौरा है। इस दौरे के दौरान, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापार, निवेश, ग्रीन टेक्नोलॉजी और जरूरी क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर फोकस करते हुए कई तरह की बातचीत करेंगे।स्टॉकर के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी है, जिसमें वरिष्ठ मंत्री, सरकारी अधिकारी और बिजनेस लीडर शामिल हैं, जो इस दौरे के मजबूत इकोनॉमिक फोकस को दिखाता है। दोनों पक्षों से एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल इनोवेशन और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्र में सहयोग को गहरा करने के मौके तलाशने की उम्मीद है।

यह दौरा दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक जुड़ाव के बीच हो रहा है। चर्चा में आपसी फायदे के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के साथ-साथ मल्टीलेटरल फोरम में सहयोग पर भी बात होने की उम्मीद है। भारत और ऑस्ट्रिया के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

गर्म, खारा और क्षारीय...तंजानिया का रहस्यमयी झील, जहां 'लाल पानी' का दिखता है खतरनाक रूप

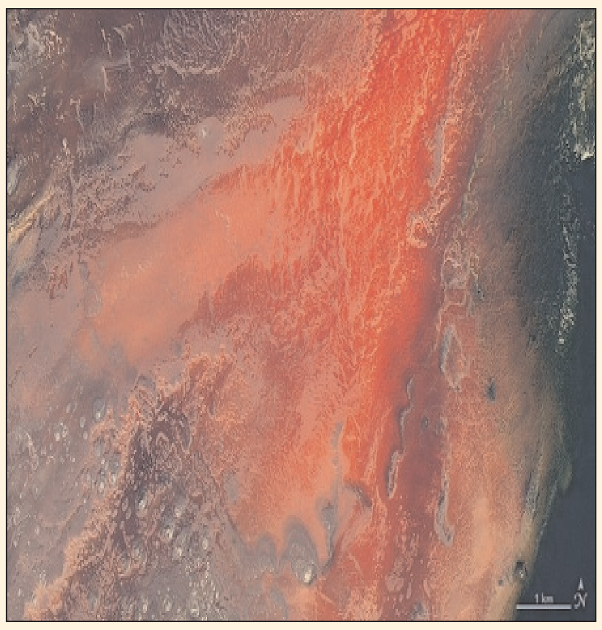

नई दिल्ली। दुनिया में कई ऐसी रहस्यमयी झीलें हैं जो बेहद खतरनाक मानी जाती हैं। इन्हीं में से एक है लेक नैट्रॉन, जो उत्तरी तंजानिया में स्थित है। इस झील के किनारे जाने की हिम्मत बहुत कम लोग करते हैं क्योंकि यहां का पानी ज्यादातर जीवों के लिए घातक है।

लेक नैट्रॉन का पानी बेहद गर्म, खारा और अत्यधिक क्षारीय है। इसका पीएच लेवल 10.5 तक पहुंच सकता है, जो सामान्य पानी से कई गुना ज्यादा तेजाबी है। पानी का तापमान अक्सर 40 से 60 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। इसमें गिरने वाले ज्यादातर जानवर कुछ ही देर में मर जाते हैं और उनकी लाशें खनिजों से ढककर पत्थर जैसी हो जाती हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के लैंडसैट 8 सैटेलाइट द्वारा ली गई तस्वीरों में यह झील बेहद खूबसूरत दिखती है। इन तस्वीरों में झील का पानी गहरा लाल या गुलाबी रंग का नजर आता है। ये तस्वीरें मार्च 2017 की हैं, जब बारिश का मौसम शुरू हो रहा था।नैट्रॉन की यह अनोखी रासायनिक बनावट आसपास की ज्वालामुखी गतिविधि की वजह से है। झील से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित ओआई डोइनो लेनगई ज्वालामुखी सोडियम कार्बोनेट से भरपूर लावा निकालता है। यह लावा भूमिगत दरारों से होकर गर्म झरनों के रूप में झील में पहुंचता है। कम बारिश और ज्यादा वाष्पीकरण के कारण पानी और गाढ़ा होता जाता है। हालांकि, इस झील में जीवन का अजीबोगरीब संतुलन देखने को मिलता है। इतनी कठोर परिस्थितियों के बावजूद यहां कुछ जीव पनपते हैं। पानी में हलोआर्चिअल नामक सूक्ष्म जीव बड़ी संख्या में रहते हैं, जो झील को लाल और गुलाबी रंग देते हैं। सबसे खास बात है कि झील के आसपास लेसर फ्लेमिंगो पक्षी बड़े पैमाने पर घोंसला बनाते हैं। पूर्वी अफ्रीका के लगभग 75 प्रतिशत लेजर फ्लेमिंगो का जन्म इसी झील के आसपास होता है। ये पक्षी झील के खारे पानी में पनपने वाले सूक्ष्म जीवों को खाते हैं और यहां शिकारियों से सुरक्षित रह पाते हैं।

कैंसर के शुरुआती रिस्क पैटर्न का पता लगाने में एआई सक्षमः अध्ययन में खुलासा

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब त्वचा कैंसर के एक खतरनाक रूप मेलानोमा के शुरुआती जोखिम की पहचान करने में अहम भूमिका निभा सकता है। बुधवार को सामने आए एक नए अध्ययन में यह दावा किया गया है।

यह अध्ययन स्वीडन की वयस्क आबादी से जुड़े बड़े रजिस्ट्रेशन डेटा पर आधारित है।

इस स्टडी में उम्र, लिंग, बीमारियों का इतिहास, दवाओं का उपयोग और सामाजिक-आर्थिक स्थिति जैसी जानकारी शामिल की गई।

कुल 60 लाख से अधिक लोगों के डेटा का विश्लेषण किया गया, जिनमें से लगभग 0.64 प्रतिशत लोगों में पांच वर्षों के भीतर मेलानोमा विकसित हुआ।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, हेल्थकेयर सिस्टम में पहले से उपलब्ध डेटा का बेहतर इस्तेमाल कर उन लोगों की पहचान की जा सकती है, जिन्हें भविष्य में इस कैंसर का ज्यादा खतरा हो सकता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ गोथेनबर्ग की साहलग्रेन्स्का एकेडमी के डॉक्टरेट स्टूडेंट मार्टिन गिलस्टेड ने कहा, 'यह तरीका अभी नियमित स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसके परिणाम भविष्य की दिशा स्पष्ट करते हैं। अध्ययन में अलग-अलग एआई मॉडलों की तुलना की गई, जिसमें पाया गया कि उन्नत मॉडल लगभग 73 प्रतिशत मामलों में सही पहचान करने में सक्षम रहा, जबकि केवल उम्र और लिंग के आधार पर यह आंकड़ा करीब 64 प्रतिशत था।

शोध में यह भी सामने आया कि यदि बीमारी के इतिहास, दवाओं और सामाजिक कारकों को साथ मिलाया जाए, तो ऐसे छोटे समूहों की पहचान की जा सकती है जिनमें अगले पांच साल में मेलानोमा का खतरा 33 प्रतिशत तक हो सकता है।

सैम पोलेसिस, जो त्वचा रोग विशेषज्ञ हैं, ने कहा, 'इस तरह के हाई-रिस्क समूहों की पहचान कर टारगेटेड स्क्रीनिंग की जाए, तो न सिर्फ बीमारी की निगरानी अधिक सटीक हो सकती है, बल्कि स्वास्थ्य संसाधनों का बेहतर उपयोग भी संभव है। यह तरीका 'प्रिसिजन मेडिसिन' की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस तकनीक को व्यापक स्तर पर लागू करने से पहले और शोध व नीतिगत फैसलों की जरूरत है।

फिर भी, यह अध्ययन संकेत देता है कि बड़े डेटा पर प्रशिक्षित एआई मॉडल भविष्य में व्यक्तिगत जोखिम आकलन और कैंसर स्क्रीनिंग रणनीतियों को अधिक प्रभावी बना सकते हैं।

रियलमी 16 5जी लोकप्रिय स्मार्टफोन बनकर उभरा, पिछली जनरेशन के मुकाबले 150 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली । युवाओं के बीच सबसे लोकप्रिय ब्रांड रियलमी ने बुधवार को घोषणा की कि रियलमी 16 5जी एक लोकप्रिय फोन बनकर उभरा है, जिसने अपनी पिछली पीढ़ी की तुलना में 150 प्रतिशत अधिक बिक्री के साथ एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है।

यह उपलब्धि उपभोक्ताओं की मजबूत मांग को दर्शाती है और दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिजाइन और इनोवेशन चाहने वाले युवा यूजर्स के बीच इस डिवाइस की लोकप्रियता को उजागर करती है।

रियलमी 16 5जी का मुख्य आकर्षण एआई पोर्टेट मास्टर अनुभव है, जिसमें स्लिम एयर डिजाइन और सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ डुअल 50 मेगापिक्सल का कैमरा सिस्टम दिया गया है।

50 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स 852 रियर कैमरा और 50 मेगापिक्सल के फ्रंट कैमरा से लैस यह डिवाइस हर स्थिति में नेचुरल स्किन टोन, शार्प डिटेल और संतुलित रोशनी के साथ जीवंत तस्वीरें प्रदान करता है।ऑरा रिंग फ्लैश के साथ रियर सेल्फी मिरर, 'से हाय' जेस्चर रिकग्निशन और वॉयस कमांड और काउंटडाउन जैसी इंडस्ट्री-फर्स्ट इनोवेशन फलों को कैद करना अधिक सहज और सामाजिक बनाती हैं। लूमाकलर इमेज इंजन, वाइब मास्टर मोड और एआई एडिट जीनियस से लैस होने के कारण, उपयोगकर्ता आसानी से फ़ोटो और वीडियो बना सकते हैं, उन्हें कस्टमाइज कर सकते हैं और तुरंत बेहतर बना सकते हैं।

इसके साथ ही, फ्लैगशिप-ग्रेड कैमरा बार वाला स्लीक एयर डिजाइन, 60वाट फास्ट चार्जिंग वाली 7000एमएएच की दमदार टाइटन बैटरी,आईपी69-स्तरीय ड्यूरेबिलिटी और स्मूथ व लंबे समय तक चलने वाले यूजर अनुभव के लिए रियलमी यूआई 7.0 इसे अपने सेगमेंट के सबसे आकर्षक स्मार्टफोन में से एक बनाते हैं।

रियलमी 16 5जी दो रंगों, एयर व्हाइट और एयर ब्लैक में रियलमीडॉटकॉम, फ्लिपकार्ट और मुख्य रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है।

इस दमदार शुरुआत के साथ, रियलमी 16 5जी संतुलित और इनोवेशन से भरपूर स्मार्टफोन अनुभव चाहने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

चिराग पासवान ने अस्पताल में भर्ती चाचा पशुपति पारस से की मुलाकात, उन्हें पिता-तुल्य बताया

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान अपने चाचा पशुपति कुमार पारस से मिलने अस्पताल पहुंचे। पूर्व केंद्रीय मंत्री और आरएलजेपी प्रमुख पशुपति पारस को अचानक तबीयत बिगड़ने और सांस लेने में दिक्कत के बाद पटना के कंकड़बाग स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है और डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं।

जैसे ही चिराग पासवान को अपने चाचा की तबीयत खराब होने की खबर मिली, वे तुरंत साईं अस्पताल पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने पैर छूकर आशीर्वाद लिया और फिर उन्हें गले लगाया। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से पारस की सेहत को लेकर विस्तार से जानकारी ली और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

अस्पताल में पशुपति पारस के समर्थकों की भीड़ भी देखने को मिली, जो उनकी सेहत के बारे में जानकारी लेने पहुंचे थे। मीडिया से बात करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि उनके चाचा उनके लिए पिता समान हैं। उन्होंने साफ कहा कि 'राजनीति अपनी जगह है, लेकिन मैं यहां एक बेटे के तौर पर उनकी तबीयत जानने आया हूं। दरअसल, राम विलास पासवान के निधन के बाद चिराग पासवान और पशुपति पारस के रिश्तों में खटास आ गई थी। साल 2021 में लोक जनशक्ति पार्टी दो हिस्सों में बंट गई थी, जिसमें एक गुट की कमान पारस ने संभाली जबकि चिराग पासवान ने अपनी अलग पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) बनाई।

हालांकि, हाल के घटनाक्रमों से दोनों के रिश्तों में नरमी के संकेत मिल रहे हैं जिससे भविष्य में सुलह की अटकलें भी तेज हो गई हैं।

अगर चुनावी प्रदर्शन की बात करें तो 2019 के लोकसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी ने बिहार में छह सीटें जीती थीं। वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में चिराग पासवान की पार्टी ने एनडीए के तहत 5 सीटें हासिल कीं, जिसके बाद वे केंद्रीय मंत्री बने। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने 29 सीटों पर चुनाव लड़ा और 19 सीटों पर जीत दर्ज की।

फिलहाल डॉक्टरों ने पारस की सेहत को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी है लेकिन सूत्रों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है।

मजबूत रीढ़ के लिए अपनी दिनचर्या में शामिल करें पूर्ण भुजंगासन

नई दिल्ली । योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि मन, शरीर और आत्मा के समग्र संतुलन का प्राचीन भारतीय विज्ञान है। आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव और कमजोर रीढ़ की हड्डी जैसी शारीरिक समस्याओं के बीच योगासनों का महत्व और बढ़ गया है। इन्हीं में से एक उन्नत और शक्तिशाली आसन है 'पूर्ण भुजंगासन'।

'पूर्ण भुजंगासन' एक ऐसा योगासन सर्प के समान पूर्ण रूप में फन फैलाने की मुद्रा को दर्शाता है। इसके नियमित अभ्यास से रीढ़ को अत्यधिक लचीला तथा मजबूत बनाने में सहायक होती है।

पूर्ण भुजंगासन मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी को गहराई से मोड़ने वाला आसन है। इसमें सामान्य भुजंगासन से आगे जाकर घुटनों को मोड़कर पैरों को सिर की ओर लाने का प्रयास किया जाता है, जिससे रीढ़ में पूर्ण आर्च बनता है। प्राचीन योग ग्रंथों में इसे कुंडलिनी ऊर्जा जागरण और आंतरिक अंगों के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना गया है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार पूर्ण भुजंगासन रीढ़ की हड्डी को लचीला व मजबूत बनाने, पेट की चर्बी घटाने, तनाव कम करने और फेफड़ों व हृदय के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत फायदेमंद है। यह पेट के अंगों को उत्तेजित कर कब्ज से राहत दिलाता है।

योग विशेषज्ञ का कहना है कि इस आसन को सावधानी से करना चाहिए और शुरुआती अभ्यासकर्ता इसे किसी विशेषज्ञ की देख-रेख में ही करें। इसे करने के लिए, सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। हथेलियां कंधों के पास रखें। सांस लेते हुए छाती, गर्दन और सिर ऊपर उठाएं, कोहनियां थोड़ी मोड़ें और कंधे पीछे की ओर खींचें। इसके बाद घुटने मोड़कर पैरों के पंजे ऊपर उठाएं। सिर-गर्दन पीछे तानें और पैरों से सिर छूने की कोशिश करें। आराम से जितनी देर हो सके शरीर पर बिना दबाव डाले इस मुद्रा में रुकें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस शवासन की स्थिति में आएं। शिथिल होकर लेटें, गहरी सांस लें और हृदय गति और सांस सामान्य होने दें।

अगर पीठ में बहुत ज्यादा दर्द हो तो इसे न करें। साथ ही, गर्भवती महिलाएं और पेट के अल्सर वाले लोग इसे करने से पहले डॉक्टर से एक बार जरूर सलाह लें।

कनेक्टेड फ्यूचरः रियलमी अपने पोर्टफोलियो को कैसे मजबूत कर रहा है?

नई दिल्ली। आज के दौर में ब्रांड केवल उत्पादों के आधार पर ही प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे आपस में जुड़े अनुभवों के आधार पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

उपभोक्ता अलग-अलग उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय एक ऐसे जुड़े हुए इकोसिस्टम की तलाश में हैं जहां सब कुछ निर्बाध रूप से एक साथ काम करे। यह बात भारतीय उपभोक्ताओं के बीच विशेष रूप से जरूरी होती जा रही है, जिन्होंने डिजिटल तकनीक को अपनाकर और अपनी खर्च करने योग्य आय बढ़ाकर टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को अपनी लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा बना लिया है।

आज ब्रांड केवल अलग-अलग उत्पाद नहीं बेच रहे हैं, बल्कि वे ऐसे जुड़े हुए इकोसिस्टम का निर्माण कर रहे हैं जो रोजमर्रा की जिंदगी को सरल बनाते हैं। कई पहलुओं को एक सहज अनुभव में एकीकृत करके, वे न केवल उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, बल्कि कार्यक्षमता से परे एक जुड़ाव और भावनात्मक संबंध भी बना रहे हैं।

यहीं से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (एआईओटी) का संगम महत्वपूर्ण हो उठता है। जो कभी भविष्य की कल्पना जैसा लगता था, वह अब रोजमर्रा की जरूरत बन गया है, खासकर जेन जेड के लिए। लोग अब सिर्फ स्मार्ट डिवाइस ही नहीं ढूंढते, बल्कि ऐसे डिवाइस चाहते हैं जो उपयोग के पैटर्न को समझें, आपस में कनेक्ट हों और उनकी दैनिक दिनचर्या में सहजता से घुलमिल जाएं।

इसी तरह, रियलमी ने भी इस मॉडल को अपनाते हुए सिर्फ उत्पाद पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया है। ब्रांड ने उपभोक्ताओं के लिए एक उत्पाद इकोसिस्टम बनाया है, जो इंटरकनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए सभी डिवाइसों पर एक सहज अनुभव प्रदान करता है। स्मार्टफोन, ट्रू वायरलेस स्टीरियो (टीडब्ल्यूएस) से लेकर पैड तक, रियलमी ने एक उच्च-मूल्य वाला उत्पाद इकोसिस्टम तैयार किया है जो आपका ध्यान आकर्षित करने योग्य है।

हाल ही में लॉन्च हुए रियलमी बड्स क्लिप जैसे वायरलेस वॉचिंग इयरफोन, जो पूरे दिन आराम और स्टाइल प्रदान करते हैं, और पावरफुल रियलमी पैड 3 का मेल एक सहज कार्यदिवस के लिए एकदम सही है। रियलमी अपने वायरलेस वॉचिंग इयरफोन सेगमेंट के साथ और भी विस्तार देने के लिए तैयार है। यह एक कॉम्पैक्ट और बजट वायरलेस वॉचिंग इयरफोन है जिसमें उन्नत नॉइज कैंसलेशन और हाई-रेस ऑडियो क्वालिटी है। रियलमी स्मार्टफोन के साथ इस्तेमाल करने पर यह यात्रा के लिए एक आदर्श साथी बन जाता है। वायरलेस वॉचिंग इयरफोन सेगमेंट में अब काफी सुधार हुआ है, जिससे रियलमी बड्स टी500 प्रो जैसे उत्पाद उपलब्ध हो रहे हैं, जो कॉम्पैक्ट आकार में 3 डिवाइस कनेक्टिविटी और पर्सनलाइज़ेशन के लिए ईक्यू मोड्स के साथ आते हैं।

फ्लाइट में भी कर सकते हैं योग, यहां समझें आयुष मंत्रालय का 'इन-फ्लाइट योग' रूटीन

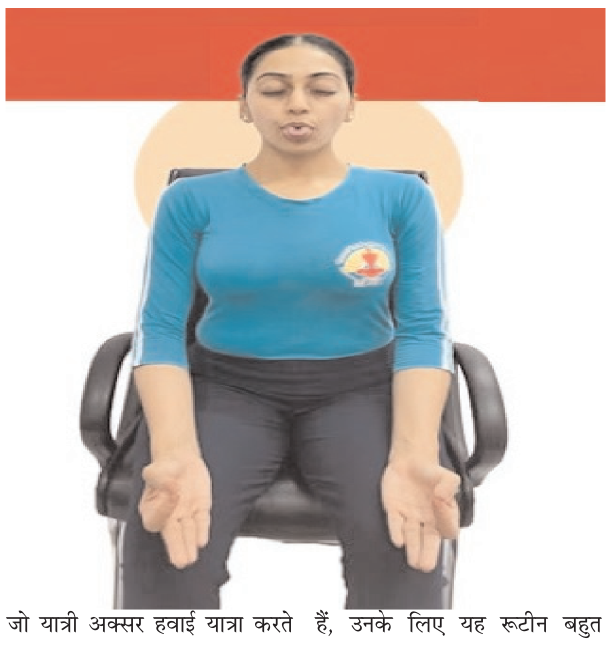

नई दिल्ली। लंबी फ्लाइट के दौरान होने वाली थकान, पीठ-गर्दन में अकड़न और तनाव को कम करने के लिए आयुष मंत्रालय ने एक आसान और उपयोगी तरीका सुझाया है। मंत्रालय ने इन-फ्लाइट योगा (फ्लाइट में योग) का 5 मिनट का छोटा रूटीन तैयार किया है, जिसे यात्री अपनी सीट पर बैठे-बैठे कर सकते हैं।

इन-फ्लाइट योगा में हल्की कसरत और ब्रीदिंग एक्सरसाइज शामिल हैं। इससे रक्त संचार बेहतर होता है, शरीर में तनाव कम होता है और लंबी यात्रा के दौरान होने वाली परेशानियां घटती हैं। मंत्रालय का मानना है कि इन आसान योग अभ्यासों से लंबी उड़ानों को अधिक आरामदायक और स्वास्थ्यवर्धक बनाया जा सकता है। विशेष रूप से जो यात्री अक्सर हवाई यात्रा करते हैं, उनके लिए यह रूटीन बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।

इसी कड़ी में मंत्रालय कई योगासन को फ्लाइट में करने की सलाह दे चुका है। हाल ही में मंत्रालय ने खासतौर पर शीतली प्राणायाम की सिफारिश की है। यह सरल सांस का अभ्यास यात्रा की थकान कम करने, मन को शांत रखने और शरीर का तापमान नियंत्रित करने में बहुत मदद करता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, ये अभ्यास लंबी उड़ानों में यात्रियों की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। सिर्फ कुछ मिनट की सचेत सांस लेने और हल्की एक्सरसाइज से यात्री तरोताजा महसूस कर सकते हैं।

हालांकि, इस दौरान कुछ सावधानी बरतने की भी जरूरत है। मंत्रालय ने महत्वपूर्ण डिस्क्लेमर भी जारी किया, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा है कि फ्लाइट में योग करना पूरी तरह से यात्री की अपनी मर्जी पर निर्भर है। कोई भी योग या शारीरिक गतिविधि शुरू करने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें, खासकर अगर आपको कोई पुरानी बीमारी, चोट या गर्भावस्था भी हो।

साथ ही, हमेशा अपनी और साथी यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। आइल या इमरजेंसी एग्जिट को कभी ब्लॉक न करें। जब सीटबेल्ट का साइन ऑन हो या टर्बुलेंस हो, तब कोई भी मूवमेंट न करें। हमेशा केबिन क्रू के निर्देशों का पालन करें और इन-फ्लाइट सेफ्टी प्रोटोकॉल का पूरा ध्यान रखें।

विश्व केसरी

नई दिल्ली
गुरुवार, 16 अप्रैल 2026

दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने लिया संन्यास, टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में जीता था गोल्ड

नई दिल्ली। दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक जीत चुके विक्टर एक्सेलसन बुधवार को 32 साल की उम्र में प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी। एक्सेलसन ने पीठ की समस्या की वजह से संन्यास का ऐलान किया है।

पीठ की समस्या की वजह से वह इस साल की शुरुआत में इंडिया ओपन और जर्मन ओपन में खिताब जीतने के बाद कोर्ट से बाहर रहे थे।

एक्सेलसन ने बैडमिंटन यूरोप से बात करते हुआ कहा, 'लगातार पीठ की दिक्कतों, सर्जरी के बाद ठीक न हो पाने और बार-बार होने वाले दर्द की वजह से वह जरूरी स्तर पर ट्रेनिंग या मुकाबला नहीं कर पा रहे थे। इस वजह से उन्हें संन्यास लेने का मुश्किल फैसला लेना पड़ा।

उन्होंने कहा, 'अधिकांश लोग जानते हैं कि मैं पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में मेरी सर्जरी हुई थी और मैं लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरा था। अक्टूबर में मुझे एक झटका लगा। उन टूर्नामेंट के बाद से, मैं जरूरी स्तर पर खेल या ट्रेनिंग नहीं कर पाया हूं। दर्द की वजह से मैं खेल या ट्रेनिंग नहीं कर पाया हूं।'

विक्टर एक्सेलसन ने 2010 में प्रोफेशनल डेब्यू किया था। उसके बाद से, सुदीरमन कप को छोड़कर, उन्होंने टीम और व्यक्तिगत इवेंट्स में वर्ल्ड टूर सुपर 1000 लेवल या उससे ऊपर के सभी बड़े खिताब कम से कम एक बार जीते हैं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप दो बार (2017 और 2022) जीतने वाले सिर्फ दूसरे नॉन-एशियन खिलाड़ी हैं। वह ओलंपिक इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। रियो ओलंपिक 2016 में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। वह तीन बार यूरोपियन चैंपियन रहे हैं और थॉमस कप भी जीत चुके हैं।

एक्सेलसन ने कहा कि संन्यास का फैसला उस डॉक्टर से सलाह के बाद लिया जिन्होंने मेरा ऑपरेशन किया था।

उनका कहना है कि अभी मुझे जो दर्द हो रहा है, उसके लिए शायद एक और सर्जरी की ज़रूरत पड़ सकती है, और अगर वह ठीक नहीं हुई, तो आगे और भी परेशानी हो सकती है। इसलिए मेरा शरीर मुझे रुकने के लिए कह रहा है।

सरिता मोर: एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता को ओलंपिक में खेलने का इंतजार

नई दिल्ली । भारतीय महिला कुश्ती में सरिता मोर का नाम काफी लोकप्रिय है। सरिता फ्रीस्टाइल पहलवान हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है।

सरिता मोर का जन्म 16 अप्रैल 1995 को हरियाणा के सोनीपत जिले में हुआ था। इस जिले से कई पहलवान निकले हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना नाम बनाया है। इसका प्रभाव सरिता मोर पर भी पड़ा और उन्होंने कुश्ती में अपना करियर बनाने का निश्चय किया। हालांकि बचपन में वह कबड्डी की भी बहुत अच्छी खिलाड़ी थीं, लेकिन कुश्ती के प्रति प्रेम और कड़ी मेहनत ने उन्हें इस खेल में बड़ी सफलता दिलायी।

2014 में सीनियर स्तर पर उन्होंने डेब्यू किया था और अगले वर्षों में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। प्रसिद्ध फोगाट बहनों और ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक की उपस्थिति के बीच, सरिता मोर को भारतीय महिला कुश्ती में अपनी जगह बनाने के लिए काफी कड़ी मेहनत करनी पड़ी है।

सरिता ने ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने की पूरी कोशिश की है, लेकिन अभी तक उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका है। सरिता का पसंदीदा भार वर्ग 59 किग्रा है, जो ओलंपिक में मान्य नहीं है। इसलिए सरिता ने 57 किग्रा में कोशिश की थी, लेकिन टोक्यो ओलंपिक और पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में जगह बना पाने में वह असफल रही थीं।

सरिता मोर की उपलब्धियों पर गौर करें, तो एशियाई चैंपियनशिप 2017 में 22 साल की उम्र में उन्होंने रजत पदक जीता था। इसके बाद, 2020 और 2021 में एशियाई चैंपियनशिप में लगातार स्वर्ण पदक जीते और ओस्लो में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीता। 2022 में, 59 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। इसी साल उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

`यह दिग्गज पहलवान फिलहाल कुश्ती में सक्रिय है। इसके साथ ही वह भारतीय रेलवे में भी कार्यरत हैं।

आईपीएल 2026: बेंगलुरु ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में चौथा मुकाबला जीतकर प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। बुधवार को खेले गए सीजन के 23वें मुकाबले में आरसीबी ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के विरुद्ध 5 विकेट से जीत दर्ज की।

आरसीबी 5 में से 4 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में 'नंबर-1' बन गई है। वहीं, एलएसजी 5 में से 3 मुकाबले गंवाकर सातवें स्थान पर मौजूद है।

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी एलएसजी 146 रन पर सिमट गई। इस टीम को एडेन मार्करम और मिचेल मार्श ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। इस जोड़ी ने 4 ओवरों में 32 रन जुटाए। मार्करम 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही।

लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से इस पारी में मिचेल मार्श ने 32 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 40 रन बनाए, जबकि आयुष बडोनी ने 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 38 रन जुटाए। उनके अलावा, मुकुल चौधरी ने 28 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 39 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

विपक्षी खेमे से रसिख सलाम डार ने 24 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट निकाले। क्रुणाल पंड्या ने 2 विकेट और जोश हेजलवुड ने 1 विकेट प्राप्त किया।

इसके जवाब में आरसीबी ने महज 15.1 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम ने 1.4 ओवर में महज 9 के स्कोर पर फिलिप सॉल्ट (7) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद विराट कोहली ने देवदत्त पडिक्कल के साथ दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 57 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला।

पड्डिकल 11 गेंदों में 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कोहली ने पारी को आगे बढ़ाया।

कोहली ने 34 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 49 रन की पारी खेली। आरसीबी की तरफ से कप्तान रजत पाटीदार ने 13 गेंदों में 27 रन जुटाए, जबकि जितेश शर्मा ने 9 गेंदों में 2 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 23 रन बनाए।

इस टीम ने 122 के स्कोर पर अपना पांचवां विकेट खो दिया था। यहां से टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड ने 14-14 रन की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई।

विपक्षी खेमे से प्रिंस यादव ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि अवेश खान ने 2 विकेट निकाले।

ऋतुराज गायकवाड़ को सैमसन और म्हात्रे की तरह सही शॉट का चयन करना होगा: रविचंद्रन अश्विन

चेन्नई । आईपीएल 2026 में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने घरेलू मैदान चेपॉक स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 32 रन से हरा दिया। सीएसके की सीजन में यह लगातार दूसरी जीत है। इस जीत ने बतौर कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को राहत दी होगी। टीम की शुरुआती मैचों में हार के बाद उनकी कप्तानी पर सवाल उठने लगे थे।

केकेआर पर जीत के बाद सीएसके निश्चित रूप से अंकतालिका में आठवें स्थान पर चली गई है। दसवें स्थान से आठवें स्थान पर जाना सीएसके और कप्तान गायकवाड़ के लिए निश्चित रूप से संतोषजनक है, लेकिन गायकवाड़ बतौर बल्लेबाज अब भी टीम के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। केकेआर के खिलाफ भी गायकवाड़ 6 गेंदों पर 7 रन बना सके थे।

जिटोस्टार एक्सपर्ट रविचंद्रन अश्विन ने गायकवाड़ की बल्लेबाजी की समीक्षा करते हुए थोड़े बदलाव की सलाह दी।

जियोहॉस्टार के कार्यक्रम 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर अश्विन ने कहा, 'एक कप्तान के तौर पर उन्हें कुछ जीत मिली हैं। इससे टूर्नामेंट में टीम को आसानी होनी चाहिए। सच कहूं तो, अगर मैं डगआउट में बैठा होता या ऋतुराज गायकवाड़ होता, तो मुझे ज्यादा परेशानी नहीं होती। टी20 एक ऐसा गेम है जहां आपको लगातार इंटेंट दिखाना होता है। बस मैं एक बात कहना चाहूंगा कि अगर आप आयुष म्हात्रे या संजू सैमसन को देखें, तो उन्होंने मैदान में सही विकल्प चुने। ऋतुराज थोड़ा लाइन के पार जा रहे हैं और जल्दी कैच आउट हो रहे हैं। अगर वह अपनी पारी की शुरुआत में थोड़ा आराम से खेलते, गेंद को टाइम करते, और ज्यादा डाउन ग्राउंड खेलते तो यह उनके लिए अच्छा होता।

गायकवाड़ की खराब फॉर्म की वजह से सीएसके को लगभग हर मैच कमजोर शुरुआत मिली है। कई विशेषज्ञ गायकवाड़ की जगह आयुष म्हात्रे को सैमसन के साथ

लुकमैन ने एटलेटिको के लिए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में जगह पक्की की

मैड्रिड। एडेमोला लुकमैन ने एफसी बार्सिलोना की शुरुआती वापसी का जवाब देते हुए एटलेटिको मैड्रिड को 2017 के बाद पहली बार यूईएफए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में पहुंचाया।

लामिन यामल और फेरान टोरेस ने बार्सिलोना की शुरुआती वापसी में गोल किए, लेकिन लुकमैन का फिनिश निर्णायक गोल साबित हुआ क्योंकि एटलेटिको ने कुल 3-2 से जीत हासिल की।

बार्सिलोना ने एक मिनट के अंदर यामल के जादू से जुआन मुसो को परखने के लिए एक शानदार शुरुआत की और उन्हें चौथे मिनट में इनाम मिला जब उनके नंबर 10 ने क्लेमेंट लेंगलेट से गेंद छीनकर टोरेस के पास पर दौड़ते हुए मुसो के पैरों के बीच से गेंद को आगे बढ़ाया।

22वें मिनट में एंटोनी ग्रीजमैन के लिए एक बड़ा मौका मैच में ज्यादा संतुलन का संकेत था, लेकिन टोरेस के तीन शानदार टच ने फिर मेहमानों को टाई में बराबरी पर ला दिया। पहले दो ने उन्हें लेंगलेट से दूर कर दिया, और तीसरे ने टॉप-राइट कॉर्नर पर गेंद को मारा।

हाफ-टाइम से पहले कहानी में एक और ट्विस्ट आया, एडेमोला लुकमैन ने 31वें मिनट में मार्कोस लोरेंटे के लो क्रॉस को गोल में बदलकर एटलेटी को फिर से आगे कर दिया।

80वें मिनट में एरिक गार्सिया के अलेक्जेंडर सोरलोथ पर फाउल के कारण आउट होने से आखिरी समय में बढ़त की उम्मीदें और कम हो गईं, लेकिन फिर भी बार्सिलोना स्टॉपेज टाइम में रोनाल्ड अराउजो के हेडर से गोल करने के करीब पहुंच गया।

एथलेटिक के कोच डिएगो शिमोन ने कहा, '14 साल हो गए हैं, लेकिन टीम को अभी भी मुकाबला करते देखना मुझे सच में बहुत अच्छा लगता है। खिलाड़ी बदल गए हैं, हमें कई बार नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ी, और फिर भी हम फिर से यूरोप में टॉप चार में हैं।'

एटलेटी का मुकाबला सेमीफाइनल में आर्सेनल और स्पोर्टिंग सीपी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

हार्दिक पांड्या ने सुनील छेत्री को भेंट की एमआई की जर्सी, ट्रेनिंग कैंप में पहुंचे थे फुटबॉलर

मुंबई । भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) के ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे थे। इस दौरान एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने छेत्री को एमआई की जर्सी भेंट की।

ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे सुनील छेत्री से एमआई के कई खिलाड़ी बात करते हुए नजर आए। छेत्री ने महेला जयवर्धने, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर और कप्तान हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों से बातचीत की और अपने शानदार करियर के अनुभव शेयर किए।

छेत्री ने एमआई के एक टीवी वीडियो में कहा, 'मैं स्टेडियम में बहुत बार नहीं गया हूं, लेकिन जब भी आया हूं, तो यह एक अद्भुत एहसास है। यहां आकर खेल को अलग तरह से देखना बहुत अच्छा है। मैं मुंबई इंडियंस और फैंस को न केवल इस मैच के लिए बल्कि पूरे टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूं।एमआई के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत शानदार रही थी। टीम ने 2012 के बाद किसी भी सीजन का पहला मैच इस बार जीता, लेकिन उसके बाद से टीम ने एक भी मैच नहीं जीता है। एमआई 4 मैचों में 3 हार के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है।

आईपीएल 2026: आरसीबी को उसके घर में रोकना एलएसजी के लिए बड़ी चुनौती, हेड-टू-हेड में बेंगलुरु आगे

बेंगलुरु । आईपीएल 2026 का 23वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच बेंगलुरु को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। प्रचंड फॉर्म में चल रही आरसीबी को उसके घर में रोकना एलएसजी के लिए बड़ी चुनौती है।

आरसीबी और एलएसजी के बीच मुकाबले हमेशा से रोमांचक होते रहे हैं। कभी एलएसजी आरसीबी के घर में तो कभी आरसीबी एलएसजी के घर में भारी पड़ती रही है, लेकिन ओवरऑल रिकॉर्ड पर नजर डालें तो आरसीबी का पलड़ा भारी है।

दोनों टीमों के बीच अब तक 6 मैच खेले गए, जिसमें आरसीबी ने 4 और एलएसजी ने 2 मैच जीते हैं। ये आंकड़े दर्शाने के लिए काफी हैं कि आरसीबी का सामना एलएसजी के लिए कभी आसान नहीं रहा है।

आरसीबी का मौजूदा फॉर्म भी लखनऊ के लिए चिंता का विषय है। टीम की बल्लेबाजी जितनी विस्फोटक है, गेंदबाजी उतनी ही घातक साबित हुई है। आरसीबी सीजन के अपने 4 मैचों में 3 जीत के साथ 6 अंक लेकर अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। बेंगलुरु ने अपना एकमात्र मुकाबला राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गंवाया है।

फिल सॉल्ट फॉर्म में लौट आए हैं, विराट कोहली ने निरंतरता दिखाई है। कप्तान रजत पाटीदार, देवदत्त पड्डिकल, टिम डेविड, वेंकटेश अय्यर और रोमारियो शेफर्ड जैसे बल्लेबाज फॉर्म में हैं और लखनऊ के गेंदबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी, रसीख सलाम, क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा ने अच्छा काम किया है।

एलएसजी की परेशानी उसकी बल्लेबाजी रही है। मिशेल मार्श, एडन मार्करम, ऋषभ पंत, निकोलस पूरन टीम में शामिल सबसे बड़ा नाम हैं, लेकिन कुछ मौकों को छोड़ दिया जाए, तो ये बल्लेबाज बड़ी और प्रभावी पारी खेलने में सफल नहीं रहे हैं। निचले क्रम में मुकुल चौधरी ने उम्मीद जगाई है, लेकिन किसी एक बल्लेबाज पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। एलएसजी के टॉप ऑर्डर को अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, तभी वे बेंगलुरु को उसके घर में चुनौती दे पाएंगे।

एलएसजी की गेंदबाजी ने प्रभावित किया है।

संजू सैमसन के शतक ने बदला सीएसके कैंप का माहौल: डेल स्टेन

चेन्नई । आईपीएल 2026 की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स के लिए निराशाजनक रही थी। टीम को लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। लगातार तीन हार के बाद सीएसके के प्रदर्शन में सुधार आया है। टीम ने सीजन का अपना चौथा और पांचवां मुकाबला जीता है और अंकतालिका में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) से ऊपर चली गई है।

सीएसके के प्रदर्शन में हुए इस सुधार का श्रेय दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लगाए गए शतक को दिया है।

जियोहॉटस्टार के 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर स्टेन ने कहा, 'सीएसके में आया यह बदलाव संजू सैमसन के लगाए शतक के साथ शुरू हुआ था। सैमसन का शतक आता है, ओवरटन को कुछ विकेट मिलते हैं, और टीम जीत जाती है। यहां से टीम के सकारात्मक बदलाव आए। आईपीएल मैच जीतना सच में मुश्किल है। कभी-कभी आसान जीत मिलती है, तो कभी-कभी जीती हुई बाजी हम हार जाते हैं। इसलिए एक बार जब आप एक मैच जीतते हैं, तो टीम के अंदर आत्मविश्वास बढ़ जाता है। आप खुद को ऐसी चीजें करते हुए पाते हैं जो तीन दिन पहले आप करने में सक्षम नहीं थे। इसलिए सैमसन निश्चित रूप से इसे लीड कर रहे हैं। गायकवाड़ भी अच्छा करेंगे, वह एक शानदार बल्लेबाज हैं।'

लगातार तीन हार के बाद सीएसके का सीजन का चौथा मैच घरेलू मैदान चेपॉक स्टेडियम में था। इस मैच में सीएसके के लिए जीत जरूरी थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने 20 ओवर में 2 विकेट पर 212 रन बनाए थे। सैमसन ने 56 गेंदों पर 4 छक्कों और 15 चौकों की मदद से नाबाद 115 रन की पारी खेली थी। सीएसके ने मैच 23 रन से जीता था।

इसके बाद सीएसके ने मंगलवार को चेपॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में केकेआर को 32 रन से हराया। इस मैच में भी सैमसन ने 32 गेंदों पर 48 रन बनाए थे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415